धनबाद
शुक्रवार 12.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-110 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-12
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

नीति आयोग की बैठक में बोले सीएम हेमंत- खनिज प्रदेश झारखंड को बनायेंगे मैन्युफैक्चरिंग हब और नॉलेज इकोनॉमी

रांची (एजेंसी): नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए. इस बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के समग्र विकास पर जोर दिया. समग्र विकास की विचारधारा को रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा तभी सार्थक होगी, जब उसे मानव पूंजी से जोड़ा जाए.

उन्होंने झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में देखने की परंपरा से अलग विकास की यात्रा में साझेदार बनाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों का राज्य में ही वैल्यू एडिशन हो, उससे जुड़ा मैनुफैक्चरिंग हो और राज्य की मानव पूंजी का उसमें उपयोग हो.

उन्होंने केंद्र सरकार से क्रिटिकल मिनरल्स आधारित उद्योग विकसित करने के साथ साथ नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र विकसित करने में सहयोग मांगा. उन्होंने टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन-एनर्जी,लॉजिस्टिक्स और एग्रो-फूड प्रोसेसिंग के बड़े निवेश को झारखंड में बढ़ावा देने की वकालत की.

उन्होंने कहा कि माइनिंग और मिनरल्स क्षेत्र में एआई-बेस्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन और सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने और झारखंड को उद्योग एवं रोजगार का नया केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है. केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के हम आकांक्षी हैं. उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल को विकास का मूल आधार बताया.

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत २०४७' के लक्ष्य के साथ राज्य को नई दिशा देने की बात कही. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ३८ हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से १५ हजार के पास भवन नहीं है. इसके बावजूद पोषण अभियान और सामर से कुपोषण में सुधार हुआ है. बच्चों को प्रतिदिन अंडा उपलब्ध कराया जा रहा है ५००० नए आंगनबाड़ी भवन राज्य सरकार अपने संसाधनों से बना रही है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से अब आईआईटी और मेडिकल में बच्चों का चयन होने लगा है. राज्य सरकार ५००० उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है. उन्होंने पीएमश्री और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी. झारखंड में एनसीईआरटी का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया गया.

मुख्यमंत्री ने राज्य की विकास योजनाओं का खाका रखते हुए कहा कि राज्य हर साल १ लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा है. सारथी योजना के तहत ६.७६ लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है. एआई, ईवी, ड्रोन और सोलर जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जा रहा है और ५३ हजार महिलाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में ▶▶ 8

मणिपुर में कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इम्फाल (ईएमएस): मणिपुर में गुरुवार सुबह ४:५५ बजे संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के २ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। ३० घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के ६ लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन ६ लोगों के हैं, जिन्हें १३ मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन ▶▶ 8

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA), नई दिल्ली
झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (JHALSA), राँची
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

स्थायी लोक अदालत (Permanent Lok Adalat)
॥ जन-जन के लिए सुलभ, त्वरित एवं किफायती न्याय॥

क्या है स्थायी लोक अदालत ?

स्थायी लोक अदालत एक वैधानिक मंच है, जिसकी स्थापना विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22–बी के अंतर्गत की गई है। इसका उद्देश्य लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादो का सरल, शीघ्र एवं कम खर्च में समाधान उपलब्ध कराना है।

यह मंच विवादों को पहले आपसी समझौते (Conciliation) के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करता है तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वयं निर्णय (Adjudication) भी प्रदान करता है।

प्रमुख विशेषताएँ

- न्यायालय शुल्क देय नहीं होता।
- प्रक्रिया सरल एवं अनौपचारिक है।
- आम नागरिक बिना जटिल कानूनी प्रक्रिया के स्वयं अपनी समस्या प्रस्तुत कर सकते हैं।
- विवादों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित होता है।
- समझौता न होने पर अदालत स्वयं मामले का निर्णय कर सकती है।

निर्णय अंतिम एवं सभी पक्षों पर बाध्यकारी होते है।

लोक उपयोगिता सेवाएँ (Public Utility Services)

स्थायी लोक अदालत निम्न सेवाओं से संबंधित विवादों की सुनवाई करती हैः–
- परिवहन सेवा
- डाक एवं दूरसंचार सेवा
- विद्युत सेवा
- जलापूर्ति सेवा
- सार्वजनिक स्वच्छता सेवा
- अस्पताल एवं औषधालय सेवा
- बीमा सेवा

सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य लोक उपयोगिता सेवाएँ

किन मामलों में आवेदन कर सकते है?

नागरिक निम्न से संबंधित विवादों के समाधान हेतु स्थायी लोक अदालत में आवेदन कर सकते हैः–
- विद्युत आपूर्ति एवं बिजली बिल संबंधी विवाद
- जलापूर्ति संबंधी शिकायतें
- बीमा दावों से जुड़े विवाद
- परिवहन सेवाओं से जुडी समस्याएँ
- डाक एवं दूरसंचार संबंधी शिकायतें

अस्पतालों एवं अन्य सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े मामलें

किन मामलों की सुनवाई नहीं होती

- स्थायी लोक अदालत गैर–समझौता योग्य अपराधों की सुनवाई नहीं करती।
- गंभीर आपराधिक मामलों की सुनवाई इसके क्षेत्राधिकार में नहीं है।

ऐसे मामलो जिनमें विवादित संपति का मूल्य रू0 1 करोड से अधिक हो, उनमें स्थायी लोक अदालत को क्षेत्राधिकार नहीं होगा। (केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित सीमा)

कार्यप्रणाली

1. प्रथम चरण – सुलह (Conciliation) मामला प्राप्त होने पर अदालत पक्षकारों के बीच आपसी समझौता कराने का प्रयास करती है। इसका उद्देश्य सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।
2. द्वितीय चरण– निर्णय (Adjudication) यदि समझौता संभव न हो, तो अदालत मामले के गुण–दोष के आधार पर स्वयं निर्णय प्रदान करती है। यही विशेषता इसे सामान्य लोक अदालत से अलग बनाती है।

॥ सामान्य लोक अदालत एवं स्थायी लोक अदालत में अंतर ॥

आधार	सामान्य लोक अदालत (Regular Lok Adalat)	स्थायी लोक अदालत (Permanent Lok Adalat)
विधिक प्रावधान	विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 19	विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 22–बी
स्थायित्व	समय–समय पर आयोजित (विशेष अवसरों पर)	स्थायी रूप से नियमित कार्यालय
क्षेत्राधिकार	समझौते योग्य दीवानी एवं अपराधिक मामले	लोक उपयोगिता सेवाओं (Public Utility Services से जुडे विवाद
आर्थिक क्षेत्राधिकार	विवादित सम्पति के मूल्य का कोई वैधानिक सीमा निर्धारित नहीं।	विवादित सम्पति का मूल्य रू0 1 करोड से अधिक होने पर क्षेत्राधिकार नहीं (केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित सीमा)
निर्णय का अधिकार	केवल समझौते के आधार पर निर्णय, समझौता न होने पर मामला संबंधित न्यायालय में भेजा जाता है।	समझौता न होने पर भी न्याय कर निर्णय (Adjudication) देने का अधिकार
मामले का चरण	जाँच–सुनवाई के विभिन्न चरणों में (Pre-litigation) में मामले– दीवानी एवं फौजदारी के उपरोक्त मामले– दीवानी एवं फौजदारी	जाँच–सुनवाई के विभिन्न चरणों (Pre-litigation) मामलें, समझौता न होने पर स्थायी लोक अदालत द्वारा निर्णय देते है (PLA द्वारा निर्णय के अनुसार)
निर्णय की प्रकृति	अंतिम एवं बाध्यकारी (केवल समझौते की दशा में)	अंतिम एवं बाध्यकारी (समझौते एवं निर्णय दोनो दशाओं में)

समझौते से समाधान
स्थायी लोक अदालत के साथ आसान न्याय

सुलभ भी निर्णय भी
स्थायी लोक अदालत सभी के लिए

➢ संपर्क करें
- स्थायी लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, (DLSA), जामताड़ा
- व्यवहार न्यायालय, परिसर जामताड़ा, झारखण्ड

➢ NALSA हेल्पलाईन नं0 15100 निः शुल्क विधिक सहायता हेतु

आदेशानुसार
ह/0
सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जामताड़ा

PR 382091 (Law) 26-27

संपादकीय

महंगाई की आंच...

पश्चिम एशिया में हालात सामान्य नहीं हो पाने का असर अब प्रत्यक्ष रूप से महंगाई में तेज बढ़ोतरी के रूप में सामने आ रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है। यानी महंगाई की आंच आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

इस स्थिति को लेकर पहले से ही अनुमान लगाए जा रहे थे, लेकिन सवाल सरकार के उन दावों पर उठ रहे हैं, जिनमें कहा गया था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है।

भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है। यह सब ज्ञात होने के बावजूद अगर महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल दिया जाए, तो क्या इसे उचित ठहराया जा सकता है।

सरकार ने पिछले माह चार चरणों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे, जिसके परिणामस्वरूप कुल मिलाकर पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया था। इसी तरह व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में भी बढ़ोतरी की गई।

उम्मीद की जा रही थी कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम फिलहाल स्थिर रहेंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब

सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तीन महीनों में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले मार्च में साठ रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी, यानी इस अवधि में प्रति सिलेंडर कुल मिलाकर 89 रुपये बढ़ चुके हैं।

सरकार का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में कीमतों में लगातार उछाल की वजह से तेल कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दाम घटते हैं, तो क्या उनका लाभ आम उपभोक्ताओं को दिया जाता है? यह मसला लंबे समय से कई स्तरों पर उठाया जाता रहा है, लेकिन इस पर कोई गंभीरता अब तक नजर नहीं आई है।

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के बाद सरकार अब यह कहकर अपनी पीठ थपथपा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद देश की जनता को रसोई गैस दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं।

खबरों के मुताबिक, संकट के दौरान देश में एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए घरेलू उत्पादन में साठ फीसद से अधिक की वृद्धि की गई है और अमेरिका, कनाडा तथा अल्जीरिया जैसे देशों से अतिरिक्त आयात की व्यवस्था भी की गई है। मगर सवाल यही है कि इन वैकल्पिक उपायों का असर जमीन पर नजर क्यों नहीं आ रहा है। आम लोगों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को लंबी कतारों में खड़े होकर गैस सिलेंडर का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है?

लोकतंत्र एक मजबूत विपक्ष के मुखर स्वर से ही जीवित रहता है

इसमें कोई दोराय नहीं कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सामने फिलहाल बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी हैं और संगठित होकर इनका सामना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मगर पिछले कुछ समय से 'इंडिया' के कुछ घटकों ने गठबंधन के दायित्वों से जुड़े जैसे सवाल उठाए हैं, उन पर विचार करके आगे की दिशा तय करने की चुनौती शायद सबके लिए अहम है। गौरतलब है कि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों और उसके बाद नीट-यूजी 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने सहित कई व्यापक महत्त्व के मुद्दों पर जनता के भीतर असंतोष के स्वर तीखे होने के बीच सोमवार को 'इंडिया' गठबंधन की बैठक हुई। माना जा रहा था कि कुछ दलों की नाराजगी का असर बैठक पर पड़ सकता है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले दलों के बीच कई मुद्दों पर साझा अभियान चलाने पर सहमति बनी।

मुख्य रूप से एसआइआर और चुनावों में वोटों की गड़बड़ी पर सुप्रीम

कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने के अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर सभी दल सहमत थे। नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई और समाज के कमजोर तबकों के मुद्दों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की भी मांग की गई। हालांकि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद कांग्रेस ने जिस तरह सत्ता में आई टीवीके के साथ नया मोर्चा बना लिया, उसके बाद द्रमुक का 'इंडिया' में साथ रहना वैसे भी मुश्किल था। इसी तरह, माकपा ने भी केरल में चुनाव के दौरान कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया। मतभेद के मुद्दों पर संवाद और एक-दूसरे को समान स्तर पर अहमियत देना गठबंधन को मजबूत करने का एक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब इसके सभी सदस्य-दलों के भीतर सामूहिक भावना के साथ राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की इच्छाशक्ति हो। जिस समय राजनीतिक चुनौतियां गहरा रही हों, वैसे में साझा मोर्चा मजबूत करने का रास्ता निकालने के लिए न्यूनतम बिंदुओं पर सहमति के रास्ते तैयार करने की जरूरत है। लोकतंत्र एक मजबूत विपक्ष के मुखर स्वर से ही जीवित रहता है। ऐसे में कुछ मतभेदों के बावजूद 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के बीच नए सिरे से मैदान में उतरने और हर दो महीने में बैठक करने पर बनी सहमति शायद वक्त का तकाजा भी है।

आज का कार्टून

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दरकार...

स्वास्थ्य क्षेत्र में दूसरे विकासशील देशों की बराबरी के लिए हमें काफी कुछ करना होगा। अमर्त्य सेन भी लगातार जोर देते रहे हैं कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी एकीकृत कार्ययोजना की सख्त जरूरत है। उनका मानना है कि आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक प्रगति भी उतनी ही जरूरी है। यदि हम चीन के साथ आर्थिक विकास की तुलना करें, तो उसके आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण उसका स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश करना रहा है। अपने नागरिकों को विश्व की स्पर्धा में आगे लाने के लिए भारत को आगे बढ़ना होगा। फिक्की के एक सर्वे के मुताबिक 65 फीसद भारतीय महंगे इलाज के कारण कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इनमें से तीन फीसद तो ऐसे हैं, जो बीमारी पर खर्च की वजह से गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं। इतना ही नहीं देश में बीमारी पर होने वाला 61 फीसद खर्च जेब से दिया जाता है। यानी इसके लिए न तो कोई बीमा होता है और न कोई दूसरी लोक कल्याणकारी योजना।

रवि शंकर

देश में आज भी जरूरत के मुकाबले पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। यही वजह है कि आबादी का बड़ा हिस्सा अब भी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। अस्पतालों और चिकित्सकों की उपलब्धता भी जनसंख्या घनत्व के हिसाब से बहुत कम है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं, आधारभूत संरचना, चिकित्सकों, कमरों, दवाइयों, कुशल और प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तथा दूसरी सुविधाओं की कमी है।

इन्हीं अभावों के बीच निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को विस्तार करने का मौका मिल गया, जिसका गरीब लोगों से कोई वास्ता नहीं। स्वास्थ्य सेवा किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्त्वपूर्ण मापदंड है, क्योंकि बिना स्वस्थ समाज के किसी भी देश का आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विकास संभव नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में स्वास्थ्य सेवाओं का क्षेत्र लगातार सुधार और विस्तार का केंद्र रहा है। आज इसे मजबूत बनाने की जरूरत है।

हालांकि, अभी भी हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार काम तो कर रही है, फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थिति दयनीय बनी हुई है। यही वजह है कि हर साल करोड़ों भारतीय इलाज पर बेतहाशा खर्च के कारण आर्थिक रूप से बर्बादी के कगार पर पहुंच जाते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पतालों के भारी-भरकम बिल भरने की वजह से भारत में हर साल करीब छह करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। ऐसे लोग इलाज के लिए भारी कर्ज लेते हैं। इसका प्रमुख कारण सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच नहीं होना है।

असली भारत गांव में बसता है, लेकिन यह दुखद ही है कि गांव के लोगों की सेहत का खयाल रखने वाले चिकित्सा केंद्र आज भी बदतर हैं। शहरों में निजी अस्पतालों की भरमार है। ये महंगे जरूर हैं, लेकिन आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। वहीं गांवों में सरकारी अस्पताल भी दूरदराज स्थित हैं और वहां योग्य चिकित्सकों की भी कमी है। ग्रामीण भारत की लगभग 70 फीसद आबादी केवल 30 फीसद चिकित्सकों पर निर्भर है।

भारत में प्रति एक हजार लोगों पर केवल आठ चिकित्सक उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य सेवाएं कितनी सुलभ हैं, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि भारत में केवल 30 फीसद लोग ही किसी न किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा से सुरक्षित हैं। बाकी लोग बीमारी की स्थिति में जेब से खर्च करने पर मजबूर होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञों की काफी कमी देखी जाती है। ऐसे में शहर और गांव के बीच एक ऐसी खाई बन गई है, जिसका परिणाम भविष्य में काफी भयावह हो सकता है।

भले ही देश में तरक्की के कितनी भी दावे किए जाएं, पर गांव में करीब 60 से 70 फीसद चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी होना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। ऐसे में भारत स्वस्थ कैसे बनेगा? यह एक बड़ा सवाल है। भले ही सरकार हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर करोड़ों रुपए का बजट पेश करती है, लेकिन आज भी देश की स्वास्थ्य सेवाएं सवालों के घेरे में हैं। जबकि शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे क्षेत्र हैं, जिससे मानव संसाधन को बेहतर बनाया जा सकता है।

अमर्त्य सेन का कहना है कि उदारीकरण के लिए चाहे जितने भी क्षेत्र खोल दें, शिक्षा और स्वास्थ्य दो ऐसे क्षेत्र हैं जिसे हर हाल में सरकारी क्षेत्र में ही होने चाहिए। मगर इस सलाह पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन, नार्वे, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में दुनिया की सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

दूसरी ओर, भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश में बिना ज्यादा पैसे खर्च किए अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाती हैं। जाहिर है, आबादी लगातार बढ़ने के बावजूद आधारभूत ढांचे में सुधार पर अब तक जितना ध्यान देना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया।

विचित्र बात है कि जब देश में इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी जरूरी संसाधन मौजूद हैं, तो व्यवस्था दुरुस्त क्यों नहीं की जा रही है। हालांकि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की घोषणा और क्रियान्वयन से यह उम्मीद जगी थी कि भारत की तस्वीर बदल जाएगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मगर आश्चर्य है कि यह अपनी कुल जीडीपी का करीब दो फीसद हिस्सा भी स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च नहीं करता है। यह इतनी बड़ी आबादी वाले देश के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। यह ठीक है कि आयुष्मान भारत योजना जैसे सरकारी कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है, मगर आज भी इसका आधा-अधूरा फायदा ही आम लोगों को मिल पाता है।

साफ है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में दूसरे विकासशील देशों की बराबरी के लिए हमें काफी कुछ करना होगा। अमर्त्य सेन भी लगातार जोर देते रहे हैं कि भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी एकीकृत कार्ययोजना की सख्त जरूरत है। उनका मानना है कि आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक प्रगति भी उतनी ही जरूरी है। यदि हम चीन के साथ आर्थिक विकास की तुलना करें, तो उसके आर्थिक विकास का बहुत बड़ा कारण उसका स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश करना रहा है।

अपने नागरिकों को विश्व की स्पर्धा में आगे लाने के लिए भारत को आगे बढ़ना होगा। फिक्की के एक सर्वे के मुताबिक 65 फीसद भारतीय महंगे इलाज के कारण कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इनमें से तीन फीसद तो ऐसे हैं, जो बीमारी पर खर्च की वजह से गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

इतना ही नहीं देश में बीमारी पर होने वाला 61 फीसद खर्च जेब से दिया जाता है। यानी इसके लिए न तो कोई बीमा होता है और न कोई दूसरी लोक कल्याणकारी योजना। वहीं हमारा देश दिल, गुर्दे और श्वास रोगों का घर बनता जा रहा है। मधुमेह के लिए तो उसे विश्व की राजधानी ही कहा जाने लगा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वे में यह बात सामने आई है कि 15 से 49 वर्ष आयु के पुरुषों में दिल की बीमारी मौत का प्रमुख कारण बन रही है। यह ठीक है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च की जाने वाली राशि का बजट में लगातार प्रावधान बढ़ाया जा रहा है, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में जितनी उपलब्धता होनी चाहिए, उतनी अभी भी नहीं हो पाई है।

दरअसल, किसी भी देश के लिए उसके नागरिकों का स्वास्थ्य एक बड़ी पूंजी होता है। यदि देश के निवासी स्वस्थ हैं, तो वहां की सरकार राष्ट्र की सुरक्षा और शिक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश एवं प्रगति पर ध्यान दे सकती है। देश में स्वास्थ्य संरचना, उपचार, परीक्षण और शोध पर निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि सबके स्वास्थ्य का सपना साकार हो सके और हमारे देश को इस मानव पूंजी का सार्वभौमिक लाभ प्राप्त हो सके।

स्कूल बैग से ज़्यादा भारी है सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ

भोर की पहली धूप के साथ जब लड़कियाँ घर की देहरी लाँघती हैं, तो उनके कंधों पर स्कूल बैग से कहीं अधिक भारी बोझ होता है। राजस्थान के एक छोटे कस्बे की प्रिया हो, या दिल्ली के किसी सरकारी विद्यालय की रोशनी; सुबह छह बजे उठकर, रसोई में चाय बनाकर, छोटे भाई-बहनों को तैयार करके जब वे बस की ओर दौड़ती हैं, तो यह दौड़ केवल विद्यालय तक नहीं होती। वे उस संसार में कदम रखती हैं जो उनसे कहता है: प्रश्न करो, आत्मविश्वास रखो, अपने सपनों को नाम दो। कक्षाओं में वे संविधान की समता पढ़ती हैं, विज्ञान में तर्क के सूत्र सीखती हैं, भाषा में अपनी अभिव्यक्ति को धार देती हैं। परंतु संध्या की छाया के साथ जब वही लड़कियाँ घर की ओर लौटती हैं, तो वे एक बिल्कुल भिन्न दुनिया में प्रवेश करती हैं।

अतुल मौर्य

यह दुनिया किताबों की भाषा नहीं बोलती। यहां आवाज़ का तेज़ होना असंस्कार माना जाता है, हँसी की ऊँचाई मापी जाती है। एक ओर कक्षा में शिक्षिका कहती हैं: 'बेटा, बोलो, संकोच मत करो'; दूसरी ओर घर में दादी टोकती हैं: 'इतनी ज़ोर से हँसते नहीं, लड़की हो।' यही वह अदृश्य विभाजन रेखा है जिसे हम प्रायः दैनंदिन जीवन की सामान्यता मानकर अनदेखा कर जाते हैं।

समाज अब लड़कियों की पढ़ाई का उस तरह विरोध नहीं करता जैसा कभी करता था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण) के अनुसार देश में 15-24 वर्ष की आयु की महिलाओं में साक्षरता दर 90 प्रतिशत तक पहुँच गई है यह निस्संदेह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। किंतु इस स्वीकार्यता की परतों के नीचे भी एक अदृश्य रेखा खिंची रहती है। मार्च 2025 में बिहार के दानापुर की खुशबू कुमारी की कहानी पूरे देश ने देखी, जिसने कक्षा 10 में 500 में से 399 अंक लाए, पर परिवार ने विज्ञान की जगह कला वर्ग में दाखिला दिलाया। खुशबू डॉक्टर बनना चाहती थीं। यह कोई अपवाद नहीं है। उच्च शिक्षा की अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट 2022-23 के आँकड़े बताते हैं कि उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात बढ़ा है, परंतु इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान में उनकी उपस्थिति अभी भी एक-तिहाई से कम है। शिक्षण, परिचर्या और मानविकी, ये क्षेत्र इसलिए सामाजिक रूप से मान्य हैं क्योंकि इनमें देखभाल और सेवा का भाव दिखता है और समाज स्त्री को इन्हीं भावों से जोड़कर देखने का आदी है।

अभियांत्रिकी, न्यायशास्त्र, राजनीति, रक्षा-सेवाएँ या वैज्ञानिक शोध जैसे क्षेत्रों में जाने वाली लड़कियाँ अभी भी सामाजिक कल्पनाशीलता की परिधि से बाहर हैं। जो इन क्षेत्रों की ओर जाती हैं, उन्हें प्रत्यक्ष प्रतिबंध से अधिक सूक्ष्म असहजताओं से गुजरना पड़ता है जैसे कि 'सेना में जाओगी, फिर शादी कौन करेगा?' या 'वकालत में घर कब सँभालोगी?' जैसे प्रश्न उनके सपनों को 'यथार्थ' की कसौटी पर बार-बार परखते हैं। धीरे-धीरे लड़की स्वयं भी यह आत्मसात करने लगती है कि उसके सपनों की एक 'सामाजिक सीमा' है। उसे आगे बढ़ने की स्वतंत्रता है परंतु केवल उतनी, जितनी से स्थापित सामाजिक संरचना असहज न हो।

शिक्षाशास्त्री प्रो. कृष्ण कुमार की दृष्टि में समाज स्त्री को केवल विधि-निषेधों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संकेतों की एक सूक्ष्म भाषा से गढ़ता है। पहनावा, चाल, आवाज़ का आरोह-अवरोह इत्यादि, ये सब मिलकर एक अघोषित पाठ्यक्रम रचते हैं। इसकी अभिव्यक्ति कभी-कभी बेहद ठोस होती है। दिल्ली के कुछ विश्वविद्यालयों में एक शोध के दौरान छात्राओं से पूछा गया कि वे कक्षा में प्रश्न पूछने से क्यों हिचकती हैं।

उत्तर चौंकाने वाले थे कि 'लड़के हँसते हैं', 'प्राध्यापक सीरियसली नहीं लेते', 'घर में माँ कहती हैं ज़्यादा बोलना अच्छा नहीं।' ये तीनों उत्तर तीन अलग-अलग दुनियाओं से आए थे परंतु एक ही निष्कर्ष पर मिलते थे : 'तुम्हारी आवाज़ का एक निर्धारित दायरा है।' शायद इसीलिए बहुत-सी लड़कियाँ कम आयु में ही दो भिन्न संसारों के बीच एक अदृश्य सेतु बनाना सीख लेती हैं।

विद्यालय में वे आत्मविश्वास से बोलती हैं, घर में संयम धारण करती हैं। वे जानती हैं कि किस परिसर में कितनी हँसी स्वीकार्य है, और कहाँ मौन ही समझदारी है। मनोविज्ञान इस प्रक्रिया को 'कोड-स्विचिंग' कहता है। कोड-स्विचिंग वह मानसिक श्रम है जो व्यक्ति को एक संदर्भ से दूसरे संदर्भ में जाते ही अपना व्यवहार, भाषा और अभिव्यक्ति बदलनी पड़ती है। यह श्रम अदृश्य है, थकाने वाला है, और अनिवार्यतः असमान क्योंकि यह लड़कियों से ही अपेक्षित है, लड़कों से नहीं।

तथापि परिवर्तन की धारा रुकती नहीं। बिहार सरकार द्वारा चलाई गई'साइकिल योजना'के द्वारा साइकिल मिलने के बाद जब लड़कियाँ पाँच किलोमीटर दूर के माध्यमिक विद्यालय जाने लगीं, तो पाँच वर्षों में राज्य की बाल विवाह दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज हुई। यह शोध 'अमेरिकन इकोनॉमिक जर्नल: अप्लाईड इकोनॉमिक्स' में प्रकाशित हुआ। एक साइकिल ने केवल दूरी नहीं घटाई; उसने लड़की के लिए एक समय का स्वामित्व दिया, एक स्वतंत्रता दी।

प्रत्येक पीढ़ी में कुछ लड़कियाँ निर्धारित सीमाओं को थोड़ा और पीछे धकेलती हैं। झारखंड की मरियम, जिसने घर वालों के विरोध के बाद भी कानून की पढ़ाई जारी रखी और आज अपने जिले की पहली महिला वकील है, वह किसी आंदोलन की देन नहीं है; वह उस छोटी बातचीत की देन है जो उसकी माँ ने एक रात उसके पिता से की थी। बदलाव हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं आता, वह अक्सर घरों के भीतर होने वाली उन छोटी-छोटी बातचीतों से उगता है जो खामोशी को तोड़ती हैं।

शिक्षा का वास्तविक अर्थ मनुष्य को केवल आजीविका के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन के बारे में सोचने, प्रश्न करने और चुनाव करने की क्षमता से लैस करना है। विद्यालय जाने वाली लड़कियाँ प्रतिदिन लौटती हैं। परंतु उनके साथ जो प्रश्न लौटते हैं; वे प्रश्न जिन्हें वे कक्षाओं में नहीं पूछ सकतीं, जो उनके मन की गहराई में सुलगते रहते हैं, उन्हें समाज सुनने की कोशिश नहीं करता। अब समय आ गया है कि हम उनकी परीक्षाओं के अंकों से अधिक, उनके अनुभवों को पढ़ना सीखें।

सुरक्षा, ट्रैफिक व अपराध नियंत्रण हमारी प्राथमिकता : एसएसपी

धनबाद (कासं) : फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से आयोजित एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब सहित जिले के कई वरीय पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि धनबाद में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए प्रमुख इलाकों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यापक योजना पर कार्य चल रहा है। उन्होंने व्यापारियों से भी अपने प्रतिष्ठानों पर अधिक संख्या में सीसीटीवी कैंमरे लगाने की अपील की ताकि किसी घटना के बाद अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में सहायता मिल सके।

उन्होंने बताया कि शहर में ट्रैफिक सिग्नल लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है तथा इसके लिए टेंडर भी हो चुका है। जल्द ही कार्य प्रारंभ होने से यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा। साथ ही ऑटो और टोटो चालकों की मनमानी तथा लापरवाही से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने कहा

कि पुलिस का उद्देश्य आम लोगों और व्यापारियों के बीच विश्वास का माहौल कायम करना है। किसी भी शिकायत या अपराध की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था को और सशक्त बनाया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत डायल ११२ पर सूचना दें, जिस पर तत्काल प्रतिक्रिया दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर की यातायात समस्या के समाधान के लिए केवल पुलिस प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि आम नागरिकों को भी यातायात नियमों का पालन कर सहयोग देना होगा। चैन छिनतई जैसी घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण के लिए पुलिस गंभीरता से काम कर रही है और इस दिशा में लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, जल्द ही इसपर पूर्ण अंकुश लगेगा।

एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि जिले में संगठित अपराध पर काफी हद तक लगाम लगाई जा चुकी है। यदि किसी व्यापारी या नागरिक से कोई रंगदारी मांगता है तो वह किसी भी परिस्थिति में पैसा न दे और तत्काल पुलिस को सूचना दे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अपराधी धनबाद को निशाना बनाने का प्रयास करेगा तो उसे पुलिस की ओर से करारा जवाब मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने पार्किंग, सड़क जाम, चौकचौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, नो-पार्किंग क्षेत्रों की सूची सार्वजनिक करने, साइबर अपराध पर नियंत्रण तथा ऑटो-टोटो चालकों की लापरवाही पर कार्रवाई जैसी कई समस्याएं पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखीं। साथ ही विनोद बिहारी महतो चौक के पास पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग भी की गई।

व्यापारियों ने रात्री गश्ती को और मजबूत करने, व्यापारियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा थाना स्तर पर पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विभिन्न ५६ व्यापारी संगठनों से आए प्रतिनिधियों ने कहा कि जिले में पुलिस की सक्रियता के कारण सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। अपराधी गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगा है और रंगदारी के आतंक से व्यापारियों को काफी मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि आज व्यापारी वर्ग पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में व्यापार कर रहा है। कार्यक्रम में कृषि बाजार प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से इंस्पेक्टर कार्यालय खोलने की पहल के लिए भी एसएसपी को धन्यवाद दिया गया। व्यापारियों ने कहा कि अपराध नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई के कारण पुलिस व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास लगातार बढ़ा है।

इस अवसर पर एसडीपीओ बाघमारा अजीत बिमल, एसडीपीओ सिंदरी प्रकाश चंद्र महतो, डीएसपी मुख्यालय कुमार विनोद, डीएसपी विधिब्यवस्था प्रकाश सोय, एसडीपीओ निरसा लिलेश्वर महतो, डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव, डीएसपी ट्रैफिक रोहित कुमार साव, विभिन्न थाना प्रभारी, व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

डालसा ने राहगीरों के बीच बांटा पेयजल व ओआरएस

धनबाद (कासं) : बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन सह प्रधान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर डालसा की ओर से हीरापुर क्षेत्र स्थित हरिमंदिर के समीप राहत सेवा अभियान चलाया गया।

इस दौरान राहगीरों, मजदूरों एवं स्थानीय लोगों के बीच ठंडा पेयजल तथा ओआरएस का वितरण किया गया। अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने इस मौके पर कहा कि भीषण गर्मी और लू के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी को दूर करने के लिए ओआरएस एवं शीतल पेयजल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अत्यधिक गर्मी के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की गई।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने इस पहल का लाभ उठाया और डालसा के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि गर्मी के इस कठिन दौर में इस प्रकार की सेवा गतिविधियां आमजन को राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि शहर वह विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी तरह के जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को गर्मी से राहत मिल सके।

धनबादमया रेलखंड पर दौड़ी कवच सुरक्षा, ट्रेन संचालन होगा और सुरक्षित

धनबाद (कासं) : भारतीय रेलवे देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में शामिल हावड़ानई दिल्ली रूट पर ट्रेन परिचालन को और सुरक्षित बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसी कड़ी में धनबादमया रेलखंड के सरमाटांड़ से निमियाघाट तक ७६ किलोमीटर सेक्शन में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच ४.० लागू कर दी गई है, जिसके बाद इस खंड में ट्रेनें कवच सुरक्षा घेरे में संचालित होने लगी हैं।

रेलवे के अनुसार अगले चरण में निमियाघाट से प्रधानखंता तक कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। सितंबर तक निमियाघाट से तेतुल्मारी और अक्टूबर तक तेतुल्मारी से धनबाद होते हुए प्रधानखंता तक कवच प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रेलवे ने अपने नेटवर्क के तीन सेक्शनों में कुल १६३ रूट किलोमीटर पर कवच वर्जन ४.० को चालू किया है। इनमें धनबाद मंडल का सरमाटांड़निमियाघाट ७६ किलोमीटर सेक्शन, डीडीयू मंडल का फ्लाईओवर केबिन-भभुआ रोड ४३ किलोमीटर तथा सासारामफेसर ४४ किलोमीटर सेक्शन शामिल हैं। कवच ४.० एक अत्याधुनिक स्वदेशी ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो सिग्नल पासिंग एट डेंजर यानी एसपीएडी की स्थिति में स्वतः सुरक्षा प्रदान करता है। यह आमनेसामने, पीछे से और साइड से होने वाली ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में सक्षम है। साथ ही ओवरस्पीडिंग की लगातार निगरानी कर आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक भी लगा सकता है। माइक्रोप्रोसेसर, जीपीएस और रेडियो संचार तकनीक पर आधारित यह प्रणाली कम दृश्यता, कोहरे और प्रतिकूल मौसम में भी सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करती है। इसके अलावा गलत दिशा में ट्रेन चलने, रिवर्स मूवमेंट और लेवल क्रॉसिंग गेट की स्थिति को लेकर भी लोको पायलट को स्वतः अलर्ट मिलता है।

धनबाद रेल मंडल के डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने बताया कि कवच वर्जन ४.० भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का सबसे उन्नत संस्करण है। इसे परिचालन अनुभव और स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर लगातार तकनीकी रूप से विकसित किया गया है। आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित यह प्रणाली भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगी।

धनबाद मंडल में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिनसत चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप १२७३ यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे ८.८६ लाख जुमनि के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया।

महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को ले 15 को कलश यात्रा

धनबाद (कासं) : सहयोगी नगर सेक्टर ३ में नवनिर्मित भव्य श्री श्री विश्वनाथ महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आगामी १५, १६ और १७ जून को आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय अनुष्ठान को लेकर पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहेगा और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की उम्मीद है। यह बातें मंदिर परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान मंदिर कमिटी के सदस्य उदय प्रताप सिंह ने कही।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार, १५ को सुबह ७ बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा।

कलश यात्रा की समाप्ति के बाद प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े विशेष पूजाअर्चना का विधान शुरू किया जाएगा। इसी दिन संध्याकाल में आरोही नाट्य मंच, पुटकी के कलाकारों द्वारा शिव आत्म लिंगम नाटक का शानदार मंचन किया जाएगा। दूसरे दिन यानी मंगलवार, १६ को वेदी पूजन, अन्नाधिवास (अन्न दिवस) और देवीदेवताओं का नगर भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद शाम को कला निकेतन, भूली द्वारा कृष्ण लीला एवं महारथी कर्ण नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं अनुष्ठान के अंतिम दिन बुधवार, १७ को मुख्य आयोजन होगा, जिसमें वेदी पूजन के साथ सभी मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी और महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इसके पश्चात विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में कलाकारों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह एवं संध्या भजन का भी आयोजन रखा गया है।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के मृत्युंजय तिवारी, केशव नायक, राजेश कुमार, हरी सिंह और उदय प्रताप सिंह सहित सभी सदस्य तनमन से जुटे हुए हैं।

डीडीसी ने सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत स्वीकृत और प्रगतिशील सड़क परियोजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की। बैठक में जिला विकास शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी और पथ निर्माण विभाग (पथ प्रमंडल, धनबाद) के कार्यपालक अभियंता मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान उन्होंने जिले में चल रही विभिन्न स्वीकृत और प्रगतिशील पथ परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि भू-अर्जन की प्रक्रियाओं में हो रहे विलंब के कारण कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भूअर्जन से जुड़ी सभी बाधाओं को आपसी समन्वय के साथ जल्द से जल्द दूर करने का निर्देश दिया। कहा इससे विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी और योजनाएं समय पर पूरी हो सकेगी। साथ में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी करें ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इन सड़कों का लाभ मिल सके।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, दहेज हत्या का आरोप

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना मटियाला पंचायत के मचामहुल गांव की है। घटना के बाद ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मचामहुल गांव निवासी काशी गोप की २१ वर्षीय पत्नी फुलटुसी देवी की बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके वाले मौके पर पहुंचे और हत्या का आरोप

लगाते हुए हंगामा करने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोविंदपुर थाना पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद भेज दिया। मृतका के चचेरे भाई अनिल महतो ने बताया कि फुलटुसी देवी की शादी पिछले वर्ष काशी गोप के साथ हुई थी। शादी में करीब पांच लाख रुपये दहेज भी दिया गया था। आरोप है कि इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर फुलटुसी को प्रताड़ित किया जाता था और बीती रात उसकी हत्या कर दी गई। इधर घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा। रिपोर्ट और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस फरार ससुराल पक्ष के लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं मृतका के परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं। अब सभी की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के निष्कर्ष पर टिकी हुई है।

पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास

कतरास (ससे) : वार्ड नंबर ५ की पार्षद निरुपमा देवी के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। गजलीटॉड़ शहीद स्मारक एवं कतरी नदी ब्रिज के समीप आयोजित एक गरिमामई कार्यक्रम में पार्षद निरुपमा देवी ने पारंपरिक रूप से नारियल फोड़कर पीसीसी पथ निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। यह महत्वपूर्ण पीसीसी सड़क अंगारपथरा ओपी से लेकर कतरी नदी तक बनाई जाएगी। इस मार्ग के पक्का हो जाने से स्थानीय निवासियों और राहगीरों को आवागमन में हो रही भारी परेशानियों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

इस शुभ अवसर पर स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए वार्ड पार्षद निरुपमा देवी ने कहा कि वार्ड नंबर ५ का चहुंमुखी विकास और यहाँ के नागरिकों को हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराना ही मेरी मुख्य प्राथमिकता है। अंगार पथरा ओपी से कतरी नदी तक की यह सड़क व शहीद स्मारक जाने वाले रास्ते में काफी समय से जर्जर स्थिति में थी, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को आनेजाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस पीसीसी पथ के निर्माण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। विकास का यह पहिया रुकने वाला नहीं है, और आने वाले समय में वार्ड के अन्य आंतरिक रास्तों को भी दुरुस्त किया जाएगा। पानी के मुद्दों पर उन्होंने माडा अधिकारी से ग्रामीणों के बीच मोबाइल से बात कर क्षेत्र का निरीक्षण करने का आग्रह की और जल्द से जल्द पानी उपलब्ध कराने की मांग रखी है। क्षेत्रीय जनता में हर्ष का माहौल शिलान्यास के इस मौके पर स्थानीय ग्रामीणों में श्रीकांत सिंह, अजय सिंह, सच्चिदानंद सिंह, मुन्नी देवी ने वार्ड के गणमान्य लोगों ने नारियल फोड़े जाने और काम शुरू होने पर खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने पार्षद निरुपमा देवी का आभार जताते हुए कहा कि इस सड़क के बनने से बरसात के दिनों में होने वाले जलजमाव और कीचड़ की समस्या से स्थाई राहत मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे। मौके पर समाजसेवी सोनी पासवान, टिंकू पंडित, राजन सिंह, भूषण सिंह आदि मौजूद थे।

विधायक चंद्रदेव महतो ने बांटी पूजन सामग्री

बलियापुर (ससे) : आदिवासी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में बलियापुर प्रखंड सभागार में कल्याण विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान विधायक ने विभिन्न पंचायतों के जाहेर थान एवं सरना स्थलों के लिए पूजन सामग्री का वितरण किया। योजना का उद्देश्य आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित एवं सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में परसंबनिया, बालीचिरका, कुशमाटांड़, आमझर तथा रांगामाटी पंचायतों के लाभुकों को पूजन सामग्री प्रदान की गई। लाभार्थियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए सरकार और विधायक के प्रति आभार जताया। मौके पर विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं और धार्मिक स्थल उनकी पहचान हैं। जाहेर थान और सरना स्थल प्रकृति पूजा एवं सामाजिक आस्था के केंद्र हैं, जिनके संरक्षण और विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में प्रखंड प्रशासन, कल्याण विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विस्थापित परिवार को मिला रोजगार का सहारा

धनबाद (कासं) : मेयर संजीव सिंह और झरिया विधायक रागिनी सिंह ने एक बार फिर जनसेवा और सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए बेलगड़िया टाउनशिप में रहने वाले एक जरूरतमंद विस्थापित परिवार की सहायता की है। सरकार की मंशा विस्थापित परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है और इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए बेलगड़िया निवासी शंभु प्रसाद वर्मा को ईरिक्शा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

जानकारी के अनुसार अत्यंत गरीब परिवार से आने वाले बुजुर्ग शंभु प्रसाद वर्मा के लिए योजना के तहत जमा की जाने वाली प्रारंभिक राशि का प्रबंध करना भी मुश्किल हो रहा था। उन्होंने अपनी सामर्थ्य के अनुसार कुछ राशि स्वयं जमा की, लेकिन शेष रकम की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। इस बात की जानकारी मिलने पर मेयर संजीव सिंह और विधायक रागिनी सिंह ने आगे बढ़कर आर्थिक सहयोग किया, जिससे शंभु प्रसाद वर्मा को ईरिक्शा योजना का लाभ मिल सका।

ईरिक्शा मिलने से अब शंभु प्रसाद के सामने रोजगार का नया रास्ता खुल गया है। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और उनका परिवार आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। लाभुक शंभु प्रसाद वर्मा ने भावुक होते हुए कहा, मैं बहुत गरीब परिवार से हूं। ईरिक्शा लेने की इच्छा थी, लेकिन पैसे की कमी के कारण योजना का लाभ नहीं ले पा रहा था। मेयर संजीव सिंह और विधायक रागिनी सिंह ने मेरी मदद कर मेरा सपना पूरा किया है। अब मैं मेहनत करके अपने परिवार का पालनपोषण कर सकूंगा। इसके लिए मैं उनका दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मेयर संजीव सिंह ने कहा, सरकार की मंशा है कि विस्थापित परिवार आत्मनिर्भर बनें और सम्मानपूर्वक अपना जीवन यापन करें। शंभु प्रसाद वर्मा को ईरिक्शा उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया है। आगे भी जरूरतमंद लोगों की सहायता और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

वहीं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा, विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शंभु प्रसाद वर्मा को ईरिक्शा उपलब्ध कराना केवल एक व्यक्ति की मदद नहीं, बल्कि एक परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। आगे भी क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

केदुआटांड़ में पौधारोपण

बलियापुर (ससे) : भिखराजपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य दिवाकर महतो के नेतृत्व में बलियापुर के केंदुआटांड़ शिक्षा नाम पुस्तकालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम चलाया। बैठक में पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्र के विभिन्न स्कूल कॉलेज समेत अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण कार्यक्रम अभियान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मौके पर राजकुमार महतो, अजय मंडल, कमलेश दत्ता, पप्पू मोदक, राकेश मंडल, उमेश महतो आदि मौजूद थे।

जिला समन्वय समिति की बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता (एसी) सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), अंचल अधिकारी (सीओ) एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं एवं झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन कार्य की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन लाभुकों का सत्यापन पूर्ण हो चुका है, उन्हें अविलंब राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी लाभुक का नाम योजना से विलोपित करने से पूर्व निर्धारित प्रक्रिया का पूर्णतः पालन किया जाए। इसके तहत सत्यापन शिविर आयोजित कर मामले की सुनवाई, नोटिस तामिला, अभिलेखों की जांच तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं मुखिया के सत्यापन के उपरांत ही विलोपन की कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर आम सूचना भी प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने कहा कि किसी भी पात्र लाभुक को सत्यापन प्रक्रिया के कारण अनावश्यक आर्थिक नुकसान नहीं होना चाहिए। यदि कोई लाभुक जीवित एवं पात्र पाया जाता है तो उसका भुगतान तत्काल बहाल किया जाए।

हाल के दिनों में कुछ यूजर आईडी हैक होने तथा अनधिकृत निकासी की घटनाओं को देखते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को साइबर सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि यूजर आईडी एवं पासवर्ड का नियमित सत्यापन एवं आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जाए। भुगतान संबंधी कार्य केवल अधिकृत कंप्यूटर एवं कार्यालय के अधिकृत इंटरनेट नेटवर्क से ही किए जाएं। भुगतान प्रणाली से जुड़े कंप्यूटरों में अनावश्यक सॉफ्टवेयर या एप्लिकेशन इंस्टॉल नहीं* किए जाएं तथा एंटीवायरस एवं अन्य सुरक्षा उपायों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, यूजर आईडी, पासवर्ड एवं ओटीपी को पूरी तरह गोपनीय रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने का निर्देश दिया गया।

बैठक में मनरेगा के स्थान आगामी ०१ जुलाई से लागू होने वाली जी-राम-जी योजना की तैयारियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि वर्तमान में संचालित योजनाओं एवं लंबित कार्यों को ३० जून तक हर हाल में पूर्ण किया जाए।

उन्होंने अबुआ आवास योजना, दीदी बाड़ी योजना एवं अन्य ऐसी योजनाओं की समीक्षा की जिनमें व्यय शून्य या अपेक्षाकृत कम रहा है। संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, मनरेगा की सभी लंबित देन दारियों की एमआईएस प्रविष्टि ३० जून तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

शिक्षा विभाग द्वारा *जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से शुरू की जाने वाली योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने *सभी बीडीओ एवं सीओ को आवश्यक जानकारी साझा करने तथा संबंधित प्रस्तावों को ग्रामसभा से पारित कराने की प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का भौतिक सत्यापन (फिजिकल रिव्यू) किया जाए तथा निर्माणाधीन भवनों को अगले तीन माह के भीतर पूर्ण कराया जाए।

जहां भूमि विवाद के कारण कार्य प्रभावित है, वहां संबंधित एजेंसियां एवं अंचल अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर समस्या का समाधान करें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि चिह्नित करने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए संबंधित अंचल अधिकारी नियंत्रण पदाधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने सभी कार्यदायी एजेंसियों से गुणवत्तापूर्ण एवं आकर्षक आंगनबाड़ी भवन निर्माण सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रगति की भी समीक्षा* की गई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि प्रत्येक माह यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि कितने जन्म एवं मृत्यु दर्ज हुए तथा कितने प्रमाण पत्र जारी किए गए। यह जानकारी जिला समन्वय समिति की बैठक में साझा की जाएगी। साथ ही सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि योजनाओं की प्रगति से संबंधित आंकड़े एवं प्रतिवेदन प्रत्येक माह निर्धारित गूगल शीट में अद्यतन रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी बीडीओ एवं सीओ को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत स्तर पर मतदाता सहायता केंद्र स्थापित करने, पंचायत केंद्रों में कलर प्रिंटिंग मशीन की सुनिश्चित करने तथा एईआरओ एवं ईआरओ के कार्यों की निगरानी के लिए वरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति संबंधी जारी निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं।

बैठक में जनगणना-२०२७ की तैयारियों के तहत चल रहे हाउस-टू-हाउस मैपिंग कार्य की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्रगति को संतोषजनक बताया, हालांकि शेष कार्यों को आज देर रात तक हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप पूर्ण किए जाएं ताकि आगामी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं हो।

सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा संवाद आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सभागार में संयंत्र के विभिन्न विभागों के सुरक्षा अधिकारियों के साथ लाइन ऑफ फायर प्रबंधन विषय पर एक महत्वपूर्ण सुरक्षा संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, दुर्घटना निवारण उपायों तथा सुरक्षित कार्य प्रणालियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से लाइन ऑफ फायर की अवधारणा, इससे जुड़े संभावित जोखिमों, नियंत्रण उपायों तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों की जानकारी साझा की गई। सत्र में उदाहरणों और व्यावहारिक परिस्थितियों के माध्यम से कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में लाइन ऑफ फायर प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर कार्यवाहक अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने सभी सुरक्षा अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों में विद्यमान संभावित खतरों, जोखिम नियंत्रण उपायों तथा सुरक्षा प्रबंधन की प्रभावशीलता पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने अधिकारियों से कर्मचारियों के बीच लाइन ऑफ फायर संबंधी जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने तथा सुरक्षा नियमों एवं प्रक्रियाओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। संवाद के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित सुरक्षा पहलों, सर्वोत्तम प्रथाओं तथा कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों से संबंधित अनुभव साझा किए। बैठक में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने, जोखिम-आधारित सुरक्षा प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सामूहिक एवं सतत प्रयासों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम बनाना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय परिसर में जिला प्रशासन एवं ओएनजीसी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद के तहत १० दिव्यांगजनों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन करना नहीं है, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। उन्होंने कहा कि जो लोग कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं, यदि उनके चेहरे पर थोड़ी देर के लिए भी मुस्कान लाई जा सके तो यह प्रशासन की बड़ी सफलता होगी। उन्होंने इसे सामाजिक जिम्मेदारी एवं समाज को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

उपायुक्त ने कहा कि जिन लोगों के पास अपनी आवश्यकताओं से अधिक संसाधन उपलब्ध हैं, उन्हें अपनी जरूरतों को सीमित एवं नियंत्रित रखते हुए अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग समाजहित के कार्यों में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। मानवीय संवेदनाओं के साथ लोगों के दर्द को समझना और उसे दूर करने का प्रयास करना हम सभी का दायित्व है।

उपायुक्त ने बताया कि समाहरणालय में प्रति सप्ताह आयोजित होने वाले लोकसंवाद कार्यक्रम में दिव्यांगजनों द्वारा बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने की मांग लगातार रखी जा रही थी। मांग की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीएसआर के माध्यम से पहल करते हुए बैट्री चलित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई, जिससे दिव्यांगजन अपनी दैनिक गतिविधियों को अधिक सुगमता के साथ संचालित कर सकेंगे।

ट्राई साइकिल प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों ने जिला प्रशासन एवं ओएनजीसी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। उपायुक्त ने लाभुकों से संवाद कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर श्रीमती पूर्णिमा कुमारी, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी (चास) प्रांजल ढांडा, सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, ओएनजीसी के एसेट मैनेजर राजीव सिन्हा, सीएसआर हेड डॉली कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भारत की विरासत को जीवंत रखने के लिए सामूहिक साधना जरूरी : डॉ. संध्या पुरेचा

बोकारो (ससे): भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाली प्रदर्शन कलाओं (संगीत, नृत्य और नाटक) की सर्वोच्च राष्ट्रीय संस्था संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष, कालिदास सम्मान व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना, कोरियोग्राफर तथा लेखिका डॉ. संध्या पुरेचा ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के भविष्य को लेकर एक दूरदर्शी और प्रभावी रूपरेखा प्रस्तुत की है, जिसे उन्होंने साधना का नाम दिया है। जीडब्ल्यू २० की अध्यक्षा रह चुकीं डॉ. पुरेचा ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मीट द आर्टिस्ट के अनुभवों के आधार पर कला जगत की चुनौतियों और कला नीति पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय संस्कृति की वास्तविक शक्ति केवल उसके अतीत में नहीं, बल्कि वर्तमान में उसके जीवंत बने रहने और भविष्य के लिए उसकी प्रासंगिकता में निहित है।

डॉ. पुरेचा के अनुसार, साधना की यह रूपरेखा ५ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिसमें जीवंत विरासत का संरक्षण (एस), गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से शिक्षण (ए), शास्त्र

और व्यवहार का संवाद (डी), विरासत-आधारित नवाचार (एच) तथा राष्ट्रीय पहचान व सॉफ्ट पावर के रूप में कलाएं (ए) शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि संगीत नाटक अकादमी छऊ और कुटियाट्टम जैसी लुप्तप्राय विधाओं में विशेष प्रशिक्षण देकर नई पीढ़ी को तैयार कर रही है। परंपरा और नवाचार को एक-दूसरे का पूरक बताते हुए उन्होंने कहा कि जड़ों से जुड़ा बदलाव ही कला को दीर्घायु बनाता है।

आज के वैश्विक युग में कला को देश की सॉफ्ट पावर बताते हुए डॉ. पुरेचा ने अकादेमी की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर २०२४ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय भारतीय नृत्य संगोष्ठी और जनवरी २०२५ के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रस्तुत जयति जय मम भारतम् इसके जीवंत उदाहरण हैं। इस भव्य प्रस्तुति में देश भर के ५००० से अधिक लोक एवं जनजातीय कलाकारों ने भाग लिया था, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा लार्जेस्ट इंडियन फोक वैरायटी डांस के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक संरक्षण केवल संस्थाओं के भरोसे संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए कलाकारों, शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और दर्शकों को मिलकर सामूहिक साधना करनी होगी।

चंदनकियारी के बेटी बबीता हेम्ब्रम को मिलेगा बिस्मिलाह खां युवा पुरस्कार

चंदनकियारी बोकारो (ससे): झारखंड राज्य तथा जनजाति समाज के लिए गर्व का विषय है कि बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत संथाल लाघला ग्राम की प्रतिभाशाली लोक कलाकार बबीता हेम्ब्रम को संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने हेतु चयनित किया गया है। सुश्री बबीता हेम्ब्रम ने संथाली लोकनृत्य एवं लोकसंगीत के संरक्षण, संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अपनी प्रतिभा, समर्पण और निरंतर साधना के माध्यम से उन्होंने न केवल झारखंड बल्कि पूरे आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर क्षेत्र के कलाकारों, सांस्कृतिक प्रेमियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में हर्ष का वातावरण है। यह सम्मान संथाली लोककला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान प्रदान करेगा तथा युवा कलाकारों को अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु प्रेरित करेगा। चंदनकियारी का यह दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। इसके पूर्व खेदाबेडा, चंदनकियारी के छऊ कलाकार परीक्षित महतो को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिल चुका है।

छऊ केंद्र, चंदनकियारी के समन्वयक डॉ. संजय ने सुश्री बबीता हेम्ब्रम की प्रतिभा एवं सांस्कृतिक योगदान को देखते हुए उनके नाम की अनुशंसा की थी। उनके चयन पर डॉ. संजय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे झारखंड, विशेषकर संथाल समुदाय के लिए गौरव का विषय है। बबीता हेम्ब्रम की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सांस्कृतिक संस्थाओं, कलाकारों एवं आम नागरिकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

डीपीएस कर्मी बबीता के आकस्मिक निधन पर विद्यालय परिवार मर्माहत

बोकारो (ससे): सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत लेक रोड पर बुधवार की देर रात दो कारों के बीच हुई भीषण टक्कर में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की वरिष्ठ महिला कर्मचारी बबीता कुमारी (५१) का आकस्मिक निधन हो गया। जबकि उनके पति इस्पातकर्मी मनोज कुमार और बेटी विशाखा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का बोकारो जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है तथा उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। मृतका बबीता डीपीएस बोकारो के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थीं। उनके आकस्मिक निधन से पूरा विद्यालय परिवार मर्माहत है और में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बबीता अत्यंत ही मृदुभाषी, सुशील और कर्मठ कर्मी थीं। उनके निधन से विद्यालय परिवार को एक अपूरणीय क्षति हुई है। विद्यालय तथा विद्यार्थियों के हित में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

दुःख की इस घड़ी में पूरा डीपीएस बोकारो परिवार पीड़ित परिवार के साथ है।

उल्लेखनीय है कि बुधवार की रात बबीता अपनी कार में सवार होकर अपने पति और पुत्री के साथ राम मंदिर की तरफ से लेक रोड पार करते हुए सेक्टर-३ की तरफ मुड़ीं। उसी बीच सेक्टर- ९ से राम मंदिर की ओर जा रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अर्टिगा कार काफी बेकाबू रफ्तार में थी। घटना के बाद पुलिस ने घायलों को आनन-फानन में बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान बबीता ने दम तोड़ दिया। जबकि, उनके पति और पुत्री जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

बता दें कि बबीता डीपीएस बोकारो के स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाओं के लिए जानी जाती थीं। स्कूल का बच्चा-बच्चा उन्हें बेहद चाहता था। विद्यालय के बच्चों के बीच वे काफी लोकप्रिय थीं। जब भी किसी बच्चे की तबीयत तनिक भी बिगड़ती थी, तो वे एक मां की तरह उसका पूरा ख्याल रखा करती थीं। यही नहीं, साहित्यिक विधा की भी वह खूब धनी थीं। उनकी कविताएं उनके भाव बनकर सदैव लोगों का मन मोह लिया करती थीं। वह अपने पीछे एक पुत्र को भी छोड़ गई हैं। उनके आकस्मिक निधन पर विद्यालय के समस्त कर्मियों ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा घायल परिजनों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

झामुमो की बैठक में बीएलए की नियुक्ति एवं बूथ कमिटी के गठन पर चर्चा

डुमरी (ससे): बीएलए-२ की नियुक्ति एवं बूथ कमिटी के गठन को लेकर गुरुवार को जामतारा के करियारी स्थित पार्टी कार्यालय में झामुमो डुमरी प्रखंड कमिटी की बैठक हुई। पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डुमरी विधानसभा प्रभारी सह केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अखिलेश महतो राजू मुख्य रूप से उपस्थित थे।बैठक में पार्टी के नियुक्त बीएलए सहित पंचायत सचिव,अध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।बैठक में आये बीएलए को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उनके कार्यों की जानकारी विस्तार से दी गयी। साथ ही गिरिडीह में १४ जून को पार्टी स्तर पर होने वाले जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह सम्मेलन में भाग लेने का निर्देश दिया गया।

वहीं बैठक में आये पार्टी के पंचायत अध्यक्ष व सचिवों को बूथ कमिटी के गठन का निर्देश दिया गया।बताया गया कि बूथ कमिटी के गठन की प्रक्रिया १८ जून से शुरू हो रही है।बूथ कमिटी में ५ महिला और ५ पुरुष का चुनाव करना है।मौके पर केंद्रीय कमिटी सदस्य कारी बरकत अली पूर्व जिप सदस्य भोला सिंह, राजकुमार पांडेय, सरफुद्दीन अंसारी, मिथलेश महतो, डेगनारायन महतो, नन्दलाल शर्मा,पंकज महतो, संध्या राज, असलम अंसारी, विजय यादव, खुर्शीद अंसारी आदि उपस्थित थे।

उत्पाद विभाग को 7.20 लाख रुपये का राजस्व की प्राप्ति

मधुबनी, (ईएमएस): उत्पाद विभाग ने शराबबंदी कानून के तहत विभिन्न मामलों में जब्त वाहनों के निष्पादन की दिशा में बड़ी कार्रवाई करते हुए ३५ वाहनों की सफल नीलामी की। इस नीलामी से विभाग को कुल ७ लाख २० हजार ६०० रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उत्पाद अधीक्षक विजयकांत ठाकुर ने बताया कि न्यायालय के निर्देश के आलोक में आयोजित इस नीलामी प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार संपन्न कराया गया।

जिले में शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत जब्त किए गए वाहनों की नीलामी प्रक्रिया बुधवार को उत्पाद अधीक्षक कार्यालय परिसर में देर शाम तक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए उत्पाद अधीक्षक विजयकांत ठाकुर ने बताया कि न्यायालय के आदेश के आलोक में आयोजित नीलामी में चार पहिया, तीन पहिया एवं दो पहिया वाहनों सहित कुल २४१ जब्त वाहनों को शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि नीलामी में भाग लेने के लिए विभाग को कुल ३७ आवेदन प्राप्त हुए थे। प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया अपनाई गई, जिसके बाद ३५ वाहनों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई।

विधायक ने जनता दरबार लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

डुमरी (ससे): जेएलकेएम सुप्रीमो सह स्थानीय विधायक जयराम महतो ने गुरुवार को डुमरी के कारियारी स्थित अपने आवासीय कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया।इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने विधायक के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं।जनता दरबार में शामिल लोग विभिन्न मुद्दों जैसे सड़क निर्माण,पेयजल,बिजली,स्वास्थ्य सेवाएं,शिक्षा, भूमि विवाद तथा अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर पहुंचे थे।विधायक ने सभी लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उसके समाधान के निर्देश दिए।विधायक ने कहा कि जनता के बीच रहना और उनकी समस्याओं को सुनना मेरी प्राथमिकता है।उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता दरबार नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों की समस्याओं का त्वरित निपटारा हो सके।कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ता,पंचायत प्रतिनिधि तथा आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।जनता दरबार में कई समस्याओं पर मौके पर ही समाधान किया गया।यह जनता दरबार डुमरी क्षेत्र में विधायक की सक्रियता और जन-सेवा की भावना को दर्शाता है साथ ही लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक भी है।उक्त जानकारी जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो ने दी है।

दुर्गापुर में नेत्रदान का संदेश लेकर बांटा गया छाता

दुर्गापुर (ससे): अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, दुर्गापुर बिधाननगर शाखा ने नेत्रदान जागरूकता अभियान के तहत अनूठी पहल की। गर्मी के प्रकोप को देखते हुए शाखा की सदस्यों ने रास्ते में एक फल विक्रेता को छाता प्रदान किया। इस छाते पर 'नेत्रदान महादान' का संदेश छपवाया गया है, ताकि राह चलते लोगों तक नेत्रदान के महत्व की जानकारी पहुंचे और समाज में जागरूकता बढ़े। शाखा की अध्यक्ष, अनिता माहेश्वरी ने बताया कि भीषण गर्मी में छाता जहां फल विक्रेता को राहत देगा, वहीं इस पर अंकित संदेश सैकड़ों लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करेगा। शाखा आगे भी इस तरह के रचनात्मक कार्यों से समाज सेवा करती रहेगी।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

एनजीटी की रोक के बाद भी जारी है अवैध बालू खनन, दो वाहन जब्त

धनबाद (कासं) : मानसून को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने १० जून से नदियों से बालू उठाव पर देशभर में रोक लगा दी है। इसके बावजूद धनबाद में अवैध बालू खनन का कारोबार बेखौफ जारी है। तड़के सुबह खनन विभाग की टीम ने सुरक्षा बलों के साथ विभिन्न इलाकों में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान बिना वैध परमिट के बालू लदे दो वाहनों को जब्त किया गया, जबकि तेलमच्चो घाट पर अवैध खनन करते मिले धंधेबाज टीम को देखकर फरार हो गए।

खनन विभाग की टीम माइनिंग इंस्पेक्टर श्यामानंद सिंह और ब्रह्मदेव यादव के नेतृत्व में

सुबह निरीक्षण पर निकली। सबसे पहले बरटांड़ बस स्टैंड के समीप धैया रोड पर बालू लदे दो ४०७ वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान दोनों वाहनों के चालकों द्वारा बालू परिवहन से संबंधित कोई वैध परमिट प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद जेएच१० एटी८७५४ और जेएच१० बीजे७४४९ नंबर के दोनों वाहनों को जब्त कर धनबाद थाना के सुपुर्द कर दिया गया। जब्त वाहनों से करीब ४ सौ सीएफटी बालू बरामद किया गया। इसके बाद टीम तेलमच्चो बालू घाट पहुंची, जहां प्रतिबंध के बावजूद दामोदर नदी से ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू निकाला और लोड किया जा रहा था। खनन विभाग की टीम को देखते ही अवैध धंधेबाज ट्रैक्टरों की चाबी लेकर मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके पर अवैध खनन के प्रमाण जुटाए और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एनजीटी की रोक के बावजूद दिनदहाड़े हो रहे अवैध खनन ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस तरह से नदी घाटों पर खुलेआम बालू निकासी जारी है, उससे अवैध कारोबारियों के बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब सवाल यह है कि आखिर किसकी शह पर यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है और संबंधित विभाग इस पर प्रभावी अंकुश लगाने में कब तक सफल हो पाएगा। फिलहाल खनन विभाग ने कार्रवाई तेज करने का दावा किया है, लेकिन प्रतिबंध के बावजूद जारी अवैध खनन प्रशासनिक निगरानी और कानून के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में ऐसे धंधेबाजों पर कितनी सख्ती से कार्रवाई होती है।

मेयर व विधायक ने किया पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण

झरिया (ससे) : झरिया के जूता गेट से भौंरा बाजार तक ४ इंच व्यास के नए पाइप बिछाकर जलापूर्ति के लिए दिए जा रहे नए कनेक्शन के कार्य में हो रही देरी को लेकर मेयर संजीव सिंह एवं झरिया विधायक रागिनी सिंह ने स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों ने मेयर एवं विधायक को आश्वस्त किया कि पाइपलाइन बिछाने और नए कनेक्शन से संबंधित शेष कार्य अगले २४ घंटे के भीतर पूरा कर लिया जाएगा तथा क्षेत्र में जलापूर्ति पुनः शुरू कर दी जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी कारणों और कनेक्शन कार्य के चलते आपूर्ति बाधित हुई थी, जिसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है। मेयर संजीव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्य को युद्धस्तर पर पूरा कर निर्धारित समय के भीतर जलापूर्ति बहाल की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति शुरू की जाए। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को नियमित और सुचारू पेयजल उपलब्ध कराना आवश्यक है तथा इस कार्य की लगातार निगरानी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

शहीद विभूति महतो की पुण्यतिथि मनी

बलियापुर (ससे) : थाना के समीप विभूति मैदान में शहीद विभूति महतो पुण्यतिथि मनाई

गई। मुख्य अतिथि विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि पुलिस जुल्म के खिलाफ विभूति महतो ने आवाज उठाई थी। उन्हें गोली का शिकार होना पड़ा। कहा कि स्व. विभूति महतो एक गरीब परिवार से आते हैं। लेकिन कभी अपने को पद व पैसे के सामने झुका नहीं। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के साथ-साथ कदम भी बढ़ाते थे। वह हमेशा सरकारी तंत्र के खिलाफ आवाज को बुलंद किया है। उसी आवाज के क्रम में दुकानदार एवं उसे सुरक्षा देने वाले पुलिस के साथ धक्कामुक्की हुई। जिस क्रम में विभूति महतो शरीक थे। पुलिस लाठी चलाई, गोली भी चलाना शुरु किया। जिसे विभूति महतो जख्मी हुए और घटनास्थल पर ही मौत हो गए। आज के समय में भी बहुत विभूति महतो तथा उनके साथियों ने जो कदम उठाया था। वह पूरा प्रासंगिक है और इसका प्रासंगिकता मौजूदा समय में बढ़ गया है। इसलिए विभूति महतो का हर साल याद करते हैं। संकल्प के साथ संगठित होने का प्रयास जारी है।

विभूति महतो के तस्वीर पर माल्यार्पण करने वालों में विधायक चन्द्रदेव महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो, मासस प्रखंड अध्यक्ष मुखिया गणेश महतो, नलीन महतो, प्रेम महतो, काशीनाथ मंडल, रजत महतो आदि थे। शाम को मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए विभूति मैदान पहुंचे।

लाइव म्यूजिक विथ पेंटिंग थीम पर वर्कशॉप

धनबाद (कासं) : हॉबी सेंटर और डार्क क्लब डाइमेंशन में छठा कैंनवस पेंटिंग वर्कशॉप के इवेंट में लाइव म्यूजिक विथ लाइव पेंटिंग थीम पर काम किया गया। पेंटिंग आर्टिस्ट शिव शंकर धर, जोइता व सोनी धर के निर्देशन में कृष्णा बर्नाली मुखर्जी और सुमंत चेन्जिंग के लाइव सिंगिंग के आनंदमयी संगीतमय सांस्कृतिक कलाकार, गुरप्रीत लीट, शुभा किरण, निकिता सिंह ने एक से बढ़कर एक कृष्णाकृष्णा, दर्शनीय व कैथोलिक पेंटिंग आर्टिस्ट की। वर्कशॉप के एक कलाकार ने कहा कि संगीत के रंगीन में चित्रकारी करना एक बहुत ही मनोरंजन और सुखद माहौल था। इस वर्कशॉप के सभी होनहार पेंटिंग कलाकारों को प्रतिष्ठा पत्र प्रदान किया गया है। इस मौके पर शिव शंकर धर ने कहा कि लाइव म्यूजिक विथ लाइव पेंटिंग थीम पर एक रिलैक्सिंग रोमन पेंटिंग वर्कशॉप में किया गया था। इस थीम पर आधारित कार्यशाला में एक खास विषय जैसे लैंडस्केप, फूल, सेनेरी या मून मैजिक पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसमें सार्वजानिक का उपयोग कर बहुत ही बेहतरीन चित्रकारी की गई। वर्कशॉप में उन्होंने कहा कि वह पिछले ३० वर्षों से हॉबी सेंटर में पेंटिंग सीख रही हैं और वे पेंटिंग में पुरातनपंथी कलाकार हैं लेकिन पेंटिंग में इतनी गहराई है कि वह रोज कुछ ना कुछ समानता को विशेषज्ञ आर्टिस्टिक पेंटिंग आर्टिस्ट शिव शंकर धर से सीखती हैं। घरेलू एवं वैज्ञानिक महिलाओं के संदर्भ में कहा गया है कि उनके कैनवास पेंटिंग वर्कशॉप में कला सीखने और अपने तनाव को कम करने का एक शानदार तरीका है।

आइसा ने की माले कार्यालय में बैठक

गोविंदपुर (ससे) : ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) के

प्रदेश पदाधिकारियों की गुरुवार को रतनपुर स्थित भाकपामाले कार्यालय में बैठक हुई। जिसमें झारखंड के विश्वविद्यालयों में लागू क्लस्टर सिस्टम को रद्द करने, नीट, सीयूईटी, जेएसएससीसीजीएल समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ राज्य भर में लगातार १० दिनों तक हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। अभियान के माध्यम से २ लाख छात्रों को आइसा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए आइसा के प्रदेश उपाध्यक्ष जयजीत मुखर्जी ने बताया कि आगामी ४ जुलाई को रांची में हजारों छात्र एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से इस्तीफे की मांग उठाएंगे। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की गलत नीति के कारण शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है। बैठक में आइसा के प्रदेश अध्यक्ष विभा पुष्पदीप, प्रदेश सचिव त्रिलोकी नाथ, अमन पांडेय, रितेश मिश्रा, स्नेहा महतो, संजना मेहता, विजय कुमार, रंजीत सिंह, गुड्डू कुमार आदि ने भाग लिया।

कॉ. गुणवंत राय मेहता नहीं रहे, शोक की लहर

धनबाद (कासं) : सीपीएम के जिला कमिटी के वरिष्ठ सदस्य तथा सीटू से संबद्ध बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के संस्थापक सदस्य कॉमरेड गुणवंत राय मेहता (७६) का निधन आज एसएनएमएमसीएच धनबाद में हो गया है। वो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर बीटीआर भवन जिला कार्यालय का झंडा झुका दिया गया। पार्थिव शरीर पर सीपीएम का झंडा वरिष्ठ

नेता गोपीकांत बख्शी, जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर ने ओढ़ाया। उनके निधन पर पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपीकांत बख्शी, जिला सचिव विकास कुमार ठाकुर, रामकृष्ण पासवान, मानस चटर्जी, स्वपन माजी, राम बालक धारी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। दिवंगत कॉमरेड मेहता जी अपने परिवार में पुत्र सुनील मेहता को छोड़ गए हैं। पत्नी कमला मेहता का भी निधन वर्ष २०२१ में हो चुका है। कामरेड मेहता जी पार्टी के पूर्णकालीन कार्यकर्ता रहे। आपातकाल में जेल भी गए और मजदूरों को अधिकार दिलाने और संगठित करने में सारा जीवन अर्पित कर दिये।

निधन का समाचार सुनकर जनवादी महिला समिति की नेत्री रानी मिश्रा, ज्ञानविज्ञान समिति की शर्मिष्ठा सेनगुप्ता, आर के मिश्रा आदि उनके आवास पर पहुंच कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। तेलमोच्चो घाट पर अंत्येष्टि की गई।

पंचायत सचिवालय में लगी शहीद शक्ति की तस्वीर

कतरास (ससे) : कपूरिया पंचायत सचिवालय के ऑडिटोरियम में मुखिया ममता देवी की ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झारखंड आंदोलन के प्रणेता शहीद शक्तिनाथ महतो के चित्रों पर पुष्पांजलि निर्भयता करने के साथ हुई। ग्रामसभा में शहीद शक्ति के चित्र सचिवालय में स्थापना का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद दीवार पर शहीद की तस्वीर लगाई गई। शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक समिति की ओर से पंचायत पंचायत भवन, भवन एवं स्मारक को अंगवस्त्र का दर्जा दिया गया। मुखिया ममता देवी ने कहा कि शक्तिनाथ महतो के त्याग, बलिदान और बलिदान के कारण ही झारखंड राज्य का निर्माण संभव हो सका। ऐसे महापुरुषों का चित्र पंचायत सचिवालय एवं कार्यालय में स्थापित कर उनमें गौरव की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य गठन के २६ साल बाद भी आंदोलनकारियों और उनके अवशेषों को सम्मान नहीं मिला है और उन्हें अपने अधिकारों और सम्मान के लिए भटकाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही झारखंड के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मिलकर शहीद शक्ति की जीवनी को लेकर उनके पाठ्यक्रम में शामिल होने की मांग की जाएगी, ताकि उनके बच्चे के संघर्ष और समर्पण से प्रेरणा प्राप्त हो सके। उन्होंने बच्चों से भी बच्चों के आदर्शों एवं विचारों का अन्वेषण करने का अनुरोध किया।

मुखिया पति दिनेश महतो, रामचरित राय, मीरा देवी, सीता देवी, लक्ष्मी देवी, पूर्व सरपंच ठाकुर प्रसाद मठ मौजूद थे। मेमोरियल कमिटी की ओर से शहीद पुत्री अंजना देवी, पुत्रवधू सुमन महतो, गौरी देवी, शिव प्रसाद महतो, नरेश महतो आदि उपस्थित थे।

सभी प्रखंडों में विशेष मैपिंग कैम्प का आयोजन

धनबाद (कासं) : जिला निर्वाचन पदाधिकारीसहउपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के निमित्त शत प्रतिशत मतदाताओं का मैपिंग पूरा करने के उद्देश्य से जिले के सभी प्रखंड, धनबाद नगर निगम तथा चिरकुंडा नगर परिषद के विभिन्न वार्डों में विशेष मैपिंग कैंप का आयोजन किया गया। इस क्रम में ३८ सिन्दरी विधान सभा अंतर्गत बलियापुर प्रखण्ड के ग्राम पंचायत अलकडीहा, आमझर, कुसमाटाड़, मुकुन्दा एवं चाँदकुईयाँ में स्थित मतदान केंद्रों में विशेष मैपिग कैम्प का आयोजन किया गया। सभी कैम्प के सफल आयोजन एवं सतत् निगरानी के लिए नोडल पदाधिकारी एवं सहयोगी पदाधिकारीयों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। बलियापुर में आयोजित कैम्प में सिन्दरी विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारीसहअपर समाहर्ता विनोद कुमार ने ग्राम पंचायत आमझर एवं मुकुन्दा के अंतर्गत आनेवाले मतदान संख्या २७९ से २८५ तक एवं मतदान केन्द्र संख्या २८६ से २९० के बीएलओ के मैंपिंग कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित मतदान केन्द्र के बीएलओ को दो दिनों के अंदर लक्ष्य पुरा करने का निर्देश दिया।मौके पर जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, एईआरओ प्रभास चन्द्र दास, बीपीआरओ मो. आलम, पंचायत सचिव एवं बीएलओ सुपरवाईजर उपस्थित थे।

रसिक हांसदा को दी गई श्रद्धांजलि

केन्दुआ (ससे) : गोधर स्थित शाहिद मैदान में शहीद रसिक हांसदा के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष झारखंड सरकार के विधायक सह मुख्य सचेतक अतिथि मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित हुए। उन्होंने शहीद रसिक हांसदा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शहीद रसिक हांसदा मजदूरों के मसीहा थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन शोषित पीड़ित के हक अधिकार के लिए समर्पित कर दिया। हमें उनके अधूरे सपनों को साकार करना ही, उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। झामुमो नेता सह शहीद रसिक हांसदा के पुत्र महादेव हांसदा ने अतिथियों का स्वागत किया। पर जिला अध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा लखी सोरेन, जिला सचिव मन्नू आलम, नीलम मिश्रा, केंद्रीय सदस्य, सपन बनर्जी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय नेता, उमाशंकर चौहान झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन जोनल अध्यक्ष, विश्वजीत महतो, वेबसाइट प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान, झारखंड मुक्ति मोर्चा पूर्व केंद्रीय सदस्य नकुल महतो, झारखंड मुक्ति मोर्चा संगठन सचिव मनोज रवानी, मनोज महतो, मदन महतो, अजय रवानी आदि शामिल थे।

खटाल में मनाया गया लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन

धनबाद (कासं) : बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन प्राथमिक विद्यालय, बारामुडी खटाल में सभी वर्गों के लोगों की उपस्थिति में मनाई गया । सर्वप्रथम गोपाल यादव अपने संबोधन में लालू प्रसाद यादव का जन्म से लेकर आज तक की विभिन्न सामाजिक कार्य एवं उपलब्धियां आदि पर विचार देते हुए लोगों को

उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के विभिन्न तबके को सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक एवं शैक्षिक स्तर पर आगे बढ़ने और बढ़ाने में सहयोग की अपील की। उसके बाद एससी, एसटी, ओबीसी संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम सुधा के द्वारा केक काटकर लालू के चित्र पर केक खिलाते हुए लालू जी के सामाजिक न्याय के विचारों पर प्रकाश डाला। लालू यादव के जन्मदिन के अवसर पर कई गणमान्य सदस्यों ने उपस्थित होकर लालू यादव को चित्र पर केक खिलाते हुए अपनेअपने विचार दिए। सभी लोगों ने लालू यादव को स्वस्थ और सुरक्षित रह कर और सामाजिक न्याय के धारा के लोगों को मजबूत करने की कामना की। कार्यक्रम में ओम सुधा, गोपाल यादव, महेश यादव, बसंत यादव, अशोक कुमार आदि मौजूद थे। अंत में उपस्थित सभी सदस्यों को लालूप्रसाद के जन्मदिन के अवसर पर लड्डू और केक सबों को खिलाकर उनके स्वस्थ रहने की नारे को बुलंद किया गया और खुशियां मनाई गई।

एसपी कबड्डी ग्रुप धनबाद के हिमांशु कुमार का चयन

धनबाद (कासं) : धनबाद के लिए गर्व का विषय है कि एसपी कबड्डी ग्रुप धनबाद के होनहार खिलाड़ी हिमांशु कुमार का चयन झारखंड प्रीमियर लीग कबड्डी सीजन२ के लिए हुआ है।

झारखंड राज्य कबड्डी संघ द्वारा आयोजित ट्रायल में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। कड़े मुकाबले और प्रतिस्पर्धा के बीच हिमांशु कुमार ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर सीजन२ में अपनी जगह सुनिश्चित की।

इस उपलब्धि पर एसपी कबड्डी ग्रुप धनबाद के प्रेसिडेंट एवं हेड कोच पप्पु कुमार यादव ने हिमांशु कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का यह परिणाम है। यह उपलब्धि धनबाद के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मौके पर एसपी कबड्डी ग्रुप धनबाद के गार्जियन स्वरूप बड़े भाई सरोज कुमार प्रसाद, कोषाध्यक्ष सनी राय, मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार, कोच दीपक कुमार, अंकित कुमार पासवान एवं मां शारदा चैरिटेबल ट्रस्ट के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने हिमांशु कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और शानदार प्रदर्शन की कामना की।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १०७७ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया।

पावरलिफ्टिंग के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

कतरास (ससे) : गुजराती स्कूल रोड स्थित आर्य व्यायामशाला एवं योग मंदिर ट्रस्ट परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में झारखंड स्टेट पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता के बेंच प्रेस स्पर्धा में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल जीतने वाले पांच खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित खिलाड़ियों में मोहम्मद शकरुद्दीन शाह, अभय बर्मन, मोहम्मद हसनैन, आयुष गुप्ता एवं आकाश रवानी शामिल हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कुमार झा एवं महासचिव गुरुजी दुर्गाराम व अधिवक्ता दीपनारायण ने खिलाड़ियों को शॉल ओढ़ाकर तथा बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान व्यायामशाला के सदस्यों ने खिलाड़ियों का मुंह मीठा कराकर उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई।

समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विजय कुमार झा ने कहा कि वर्ष १९५६ से आर्य व्यायामशाला के खिलाड़ी लगातार विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर कतरास का मानसम्मान बढ़ाते आ रहे हैं, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की

बात है। उन्होंने कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी संपत्ति है और युवाओं को खेल एवं व्यायाम के प्रति जागरूक होना चाहिए।

ज्ञात हो कि रांची में आयोजित तीन दिवसीय झारखंड स्टेट क्लासिक बेंच प्रेस, इक्विप्ड बेंच प्रेस एवं पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में आर्य व्यायामशाला के पांचों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में राज्यभर से लगभग ५०० खिलाड़ियों ने भाग लिया था। व्यायामशाला के सभी खिलाड़ियों ने अपनेअपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर कतरास एवं धनबाद जिले का नाम रौशन किया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कुमार झा, गुरूजी दुर्गाराम, धनबाद बार के वरीय अधिवक्ता दीपनारायण भट्टाचार्य, सचिव रणधीर बर्मन, संगठन सचिव दीपक कुमार गुप्ता, रंजन सिंह, कालाचंद बाउरी सहित व्यायामशाला के पदाधिकारी, खिलाड़ी एवं सदस्य उपस्थित थे। सभी ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आजसू ने निकाला मशाल जुलूस

कतरास (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र के बांसजोड़ा गांव में हुई गोलीबारी और किशुन रवानी हत्याकांड की निष्पक्ष जांच तथा सीबीआई जांच की मांग को लेकर आजसू पार्टी ने भव्य मशाल जुलूस निकाला। जुलूस का नेतृत्व पार्टी के केंद्रीय सचिव सुभाष रवानी एवं जिला प्रधान महासचिव रामाशंकर तिवारी ने किया। मशाल जुलूस लुतीपहाड़ी स्थित अंबेडकर चौक से शुरू होकर बाघमारा थाना होते हुए इंदिरा चौक तक पहुंचा, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो उपस्थित थे। वहीं केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव सह पर्यवेक्षक राधेश्याम गोस्वामी, केंद्रीय महासचिव संतोष महतो, जिला प्रभारी अजय सिंह, जिला अध्यक्ष मंटू महतो सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि बांसजोड़ा की घटना जघन्य अपराध की श्रेणी में आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आजसू नेताओं और कार्यकर्ताओं पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया, जिसमें गोलीबारी, बमबाजी और मारपीट की घटनाएं हुईं। साथ ही एक गहरी साजिश के तहत किशुन रवानी की हत्या कराई गई। उन्होंने कहा कि घटना से पूर्व थाना प्रभारी को सूचना दिए जाने के बावजूद अपराधियों द्वारा वारदात को अंजाम देना पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़ा करता है, जिसकी गंभीर जांच होनी चाहिए।

वहीं केंद्रीय महासचिव सह बार एसोसिएशन अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कोल इंडिया एवं बीसीसीएल प्रबंधन से बांसजोड़ा साइडिंग में कथित कोयला चोरी की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। उन्होंने घटना में शामिल नकाबपोश अपराधियों की पहचान सार्वजनिक करने, गोलीबारी में प्रयुक्त हथियारों की फॉरेंसिक जांच कराने तथा एफएसएल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई।

नेताओं ने चेतावनी दी कि दोषियों को सजा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर न्याय की मांग को लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया जाएगा। वक्ताओं ने एक स्वर में किशुन रवानी हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई।

इस अवसर पर डुमरी की पूर्व प्रत्याशी यशोदा देवी, नवीन महतो, राकेश गयाली, संजय महतो, नरेश महतो, करण महतो, गौतम गोप, प्रेम कुमार तिवारी, बिशु महतो, शिवा प्रसाद, राजू रजवार, रतिलाल महतो सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार

जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद।

Email: drda.dhanbad@gmail.com

-:मनरेगा नियुक्ति सूचना:-

जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद कार्यालय के ज्ञापांक 460 दिनांक 23.05.206 द्वारा मनरेगा अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत संविदा आधारित रिक्त पदों तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष) ,तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता के समकक्ष), लेखा सहायक एंव कम्प्यूटर सहायक के पद हेतु चयनित निम्नलिखित अभ्यर्थियों को कार्यालय में पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अन्दर योगदान देने हेतु पत्र निर्गत किया गया है–

श्री ज्ञानी आलोक (नव नियुक्त तकनीकी सहायक/कनीय अभियंता)
श्री प्रवीण कुमार, (नव नियुक्त तकनीकी सहायक/कनीय अभियंता)
मो0 सदाम हुसैन अंसारी, (नव नियुक्त तकनीकी सहायक/कनीय अभियंता)
श्री आशिश कुमार पंण्डित, (नव नियुक्त कम्प्यूटर सहायक)
श्री दिलीप कुमार साव, (नव नियुक्त लेखा सहायक)

उपरोक्त नव नियुक्त कर्मियों के द्वारा अबतक कार्यालय में योगदान नही किया गया है।

अतः निर्देश दिया जाता है कि पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अन्दर अपना योगदान अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। योगदान समर्पित नही करने की स्थिति में यह माना जाएगा कि आप उक्त पद विशेष पर कार्य करने हेतु ईच्छुक नही है। जिसके कारण आपकी नियुक्ति को रद्द करने की अनुशंसा कर दिया जाएगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, धनबाद।

PR 382162 (Rural Development) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार

उपायुक्त का कार्यालय (जिला समाज कल्याण शाखा), धनबाद

समाहरणालय भवन, भूतल, कमरा नम्बर - 16

दूरभाष- 9431515566, Email ID - dswo-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

-:: संशोधित पत्र ::-

एतद द्वारा सूचित किया जाता है, कि कार्यालय पत्रांक–705, दिनांक–12.05.2026, (PR No. 379621) से Model DDRC के स्थापना/संचालन हेतु इच्छुक स्वयं सेवी/गैर सरकारी/अन्य संस्थानों से Proposal of Expression of Interest के आमंत्रण हेतु सूचना (Notice) प्रकाशित की गई है। उक्त सूचना के अनुसार प्रस्ताव प्राप्ति की अन्तिम तिथि तक मात्र 02 (दो) प्रस्ताव प्राप्त होने के कारण Proposal प्राप्ति एवं खोलने की तिथि को निम्न अनुसार संशोधित किया जाता है :–

Last Date/ Time for Submission of proposal	:-	17.06.2026, 03:00 PM
Date and time of opening of Proposals/Technical Bid	:-	17.06.2026, 05:00 PM

इसे इस हद तक संशोधित समझा जाय तथा संबंधित Notice की शेष कंडिकाएँ यथावत रहेंगी।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
धनबाद

PR 382185 Social Welfare,Women and Child Development (26-27)_D

झारखण्ड सरकार

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

अति अल्पकालीन निविदा सूचना सं0 – 04/2026–27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सरकार के उप सचिव का पत्रांक 601 (रा0) विभाग दिनांक 19/05/2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अन्तर्गत बोकारो जिले में वित्तीय वर्श 2025–26 तक पुराने केजों एवं विभागीय अनुदान से अधिष्ठापित RAS/Bio-floc Pond /Bio-floc Tank में पंगेशियस/GIFT तिलापिया/अन्य उपयुक्त बीजों का संचयन किया जाना है। उक्त के आलोक में निबंधित एवं प्रमाणित फर्म से उक्त बीजों की आपूर्ति हेतु 'इच्छा की अभिव्यक्ति' के तहत् मुहरबन्द निविदा आमंत्रण सूचना निम्नवत रूप से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु परिमाण विपत्र कार्यालय से क्रय कर उसी परिमाण विपत्र में निविदा/दर स्वीकार किया जाएगा।

1. निविदादाता का नाम	–	जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो।
2. अग्रधन राशि	–	मो0 101000/– रू0 (मो0 एक लाख एक हाजार रू0 मात्र) (क्र0 – 01 में वर्णित नाम से बोकारो में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट)
3. मत्स्य कृशक को पंगेशियस/GIFT	–	अधिकतम मो0 1.50/- रू0 प्रति पीस परिवहन व्यय सहित। तिलापिया/अन्य उपयुक्त बीज
4. परिमाण विपत्र का मूल्य	–	मो0 11000/- रु0 (मो0 ग्यारह हजार रू0) मात्र।
5. परिमाण विपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	–	विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 22.06.2026 तक (कार्यालय अवधि में)।
6. निविदा डालने की अंतिम तिथि व समय	–	दिनांक 23.06.2026 को 11/00 बजे पूर्वाह्न तक।
7. निविदा खोलने का स्थान	–	सहाहरणालय सभा कक्ष, बोकारो में।
8. निविदा खोलने की तिथि एंव समय	–	दिनांक 23.06.2026 को 12/30 बजे अपराह्न।

निविदा की शर्तें https://bokaro.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो के सूचना पट्ट पर किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

PR 382118 Fish (26-27)_D

बाढ़ और आपदाओं से निपटने को प्रशासन अलर्ट तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

मधुबनी, (ईएमएस) : मानसून के दौरान संभावित बाढ़, जलजमाव और वर्षाजनित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने स्पष्ट कहा है कि आपदा पीड़ितों तक त्वरित और समयबद्ध राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तटबंधों की निगरानी, जलनिकासी, चापाकलों की मरम्मत और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी, संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी एवं अभियंता शामिल हुए। बैठक में संभावित बाढ़, अत्यधिक वर्षा से उत्पन्न जलजमाव, वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम तथा आपदा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाढ़ से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर लें।

उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। नगर निकायों को जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और कार्यपालक अभियंताओं द्वारा तटबंधों के संयुक्त निरीक्षण की समीक्षा करते हुए डीएम ने नियमित निगरानी और क्षतिग्रस्त स्थलों पर तत्काल मरम्मत कार्य कराने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर सभी पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी जरूरतमंद राहत से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने अपर समाहर्ता आपदा को निर्देश दिया गया कि सभी अंचलाधिकारी अपने क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुरूप निजी नावों के लिए एकरारनामा सुनिश्चित करें तथा क्षतिग्रस्त सरकारी नावों की मरम्मत शीघ्र कराएं।

बाढ़ आश्रय स्थलों में पेयजल, शौचालय, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया. स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ राहत कार्यों के लिए एंटी-स्नेक वेनम, जीवन रक्षक दवाएं, हैलोजन टैबलेट, ब्लीचिंग पाउडर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया। वहीं पीएचईडी विभाग को खराब चापाकलों की मरम्मत में तेजी लाने तथा संभावित प्रभावित क्षेत्रों में नए चापाकलों की स्थापना की अग्रिम तैयारी करने को कहा गया।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को मानसून अवधि के दौरान पूर्ण सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में आमजन को हर संभव सहायता समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

अति अल्पकालीन निविदा सूचना सं0 –02/2026–27

एतद् द्वारा Formulated Spawn Feed के निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेता को सूचित किया जाता है कि सरकार के सचिव का पत्रांक 601 (रा0) विभाग दिनांक 19/05/2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में तालाब तथा जला ाय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्वार याजना अन्तर्गत बोकारो जिला में मत्स्य बीज उत्पादकों एवं मत्स्य पालकों को **Factory Formulated Extruded Mash Feed एवं Floating Fish Feed** उपलब्ध कराने हेतु प्रतिष्ठानो अथवा अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु परिमाण विपत्र कार्यालय से क्रय कर उसी परिमाण विपत्र में निविदा/दर स्वीकार किया जाएगा।

1. निविदादाता का नाम– जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह –मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो।
2. **अग्रधन राशि–मो0 15000/–रू0** (मो0 पन्द्रह हाजार रू0 मात्र) (क्र0–01 में वर्णित नाम से बोकारो में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट)
3. मत्स्य बीज उत्पादको को मत्स्य स्पॉन से मत्स्य– अधिकतम मो0 **2000/**.रू0 का फैक्ट्री फॉरमूलेटेड एक्सट्रूडेड बीज की तैयारी हेतु फॉरमूलेटेड मैश फीड मैश फीड परिवहन व्यय सहित।
4. परिमाण विपत्र का मूल्य – मो0 **5100/-** रु0 (मो0 पॉच हजार एक सौ रू0) मात्र।
5. परिमाण विपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि – विज्ञापन प्रका न की तिथि से **22.06.2026** तक (कार्यालय अवधि में)।
6. निविदा डालने की अंतिम तिथि व समय – दिनांक **23.06.2026** को समय **11:00** बजे पूर्वाहन् तक।
7. निविदा खोलने का स्थान– समाहरणालय सभा कक्ष, बोकारो में।
8. निविदा खोलने की तिथि एंव समय – दिनांक **23.06.2026** को समय **12:30** बजे अपराह्न।

निविदा की शर्तें https://bokaro.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो के सूचना पट्ट पर किसी भी कार्यदिवस में देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बोकारो।

PR.NO.382114 Fish(26-27):D

बिहार में जल्द होगी 8054 पदों पर राजस्व कर्मचारियों की बहाली : शिक्षा मंत्री

पटना (एर्जेसी): बिहार में जल्द ही ८०५४ पदों पर राजस्व कर्मचारियों की बहाली होगी। शिक्षा मंत्री दिलीप जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि १५ जून के बाद कभी भी इसकी वैकेंसी का ऐलान हो सकता है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य में राजस्व कर्मियों की भारी कमी है, जिसके कारण कई सारे काम पेंडिंग में है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने बताया कि राज्य में राजस्व कर्मचारियों की भारी कमी को देखते हुए नई बहाली प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग से रोस्टर क्लियरेंस मिलने के बाद १५ जून के बाद रिक्त पदों के लिए वैकेंसी निकाली जाएगी। इसके अलावा पंचायत भवनों में कामकाज प्रभावित होने के कारण डाटा एंट्री ऑपरेटर कम क्लर्क के पदों पर भी अगले १० से १५ दिनों में बहाली का प्रस्ताव भेजा जाएगा, ताकि पंचायत स्तर पर लंबित कार्यों का निष्पादन तेजी से हो सके।

मंत्री ने कहा कि जमाबंदी सुधार, वंशावली नामांतरण और भूमि संबंधी अन्य मामलों को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें मिल रही हैं। जिसके समाधान के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीनों का लैंड बैंक तैयार किया जाएगा, जिसके बाद भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यालय-जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो।

सूचना

एतद् द्वारा सभी संबंधित वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि आपके वाहन का पथकर बकाया है। आपकों निदेश दिया जाता है कि अपने वाहन का पथकर का भुगतान एक सप्ताह के अंदर करना सुनिश्चित करें, अन्यथा मोटरवाहन अधिनियम 1988 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उक्त सभी वाहनों की सूची निम्नवत है–

S.No	Regn No	Regn Date	Vehicle Class	Owner Name	Tax Due From	Tax Due Upto	Tax Amount
1	BEV3481	05-Dec-88	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	25600
2	BEV3483	05-Dec-88	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	25600
3	BHO1104	02-Apr-76	Goods Carrier	SAIL	02-Oct-24	01-Oct-26	33600
4	BHO1642	04-Aug-76	Goods Carrier	SAIL	04-Nov-24	03-Nov-26	33600
5	BHO1643	04-Aug-76	Goods Carrier	SAIL	04-Nov-24	03-Nov-26	33600
6	BHO1924	25-Sep-76	Goods Carrier	SAIL	28-Dec-24	27-Dec-26	33600
7	BHO2102	08-Nov-76	Goods Carrier	SAIL	08-Nov-24	07-Nov-26	33600
8	BHO2103	08-Nov-76	Goods Carrier	SAIL	08-Nov-24	07-Nov-26	33600
9	BHO2315	22-Dec-76	Goods Carrier	SAIL	22-Dec-24	21-Dec-26	33600
10	BHO5454	02-Mar-79	Goods Carrier	SAIL	02-Dec-24	01-Dec-26	25600
11	BHR7579	01-Jan-75	Goods Carrier	L SINGH	01-Jan-25	31-Dec-26	24000
12	BHU2383	07-Jan-82	Goods Carrier	SAIL	07-Jan-25	06-Jan-27	25600
13	BHU4903	02-Feb-83	Goods Carrier	SAIL	23-Nov-24	22-Nov-26	25600
14	BHU4905	02-Feb-83	Goods Carrier	SAIL	02-Nov-24	01-Nov-26	25600
15	BHU6555	28-May-81	Goods Carrier	RAM JAIN	28-Nov-24	27-May-26	19200
16	BHU8003	01-Mar-83	Goods Carrier	ANIL KUMAR	28-Aug-24	27-May-26	23800
17	BPO7984	30-May-86	Goods Carrier	SAIL	29-Nov-24	28-Nov-26	25600
18	BPO9461	23-Sep-86	Goods Carrier	SAIL	22-Dec-24	21-Dec-26	8000
19	BPU8387	24-Jul-87	Goods Carrier	SANTOSH KUMAR	24-Oct-24	23-Apr-26	22800
20	BPU9046	13-Jan-87	Goods Carrier	SAIL	12-Oct-24	11-Oct-26	14400
21	BPU9085	24-Mar-87	Goods Carrier	SAIL	10-Dec-24	09-Dec-26	25600
22	BPU9089	24-Mar-87	Goods Carrier	SAIL	10-Dec-24	09-Dec-26	25600
23	BPU9149	10-Jun-87	Goods Carrier	SAIL	10-Dec-24	09-Dec-26	25600
24	BPU9152	10-Jun-87	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	25600
25	BPU9172	19-Jun-87	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	25600
26	BPU9256	10-Nov-87	Goods Carrier	SAIL	10-Nov-24	09-Nov-26	25600
27	BR16G3693	19-Dec-00	Goods Carrier	RAJIB NANDI	26-Mar-24	25-Mar-26	9600
28	BR201360	23-Aug-89	Goods Carrier	SAIL	22-Nov-24	21-Nov-26	25600
29	BR201997	14-Sep-89	Goods Carrier	SAIL	14-Dec-24	13-Dec-26	9600
30	BR204792	11-Jan-90	Goods Carrier	SAIL	11-Oct-24	10-Oct-26	9600
31	BR208751	15-May-90	Goods Carrier	MR AJAY SONI	15-Feb-25	14-Feb-27	9600
32	BR20A2744	04-Dec-90	Goods Carrier	BANSAL UDYOG	04-Dec-24	03-Dec-26	9600
33	BR20A3025	31-Dec-90	Goods Carrier	SAIL	03-Dec-24	02-Dec-26	9600
34	BR20A3824	16-Feb-91	Goods Carrier	SAIL	16-Nov-24	15-Nov-26	9600
35	BR20A3825	14-Feb-91	Goods Carrier	SAIL	14-Feb-25	13-Feb-27	9600
36	BR20A3979	27-Feb-91	Goods Carrier	SAIL	27-Nov-24	26-Nov-26	14400
37	BR20A3980	27-Feb-91	Goods Carrier	SAIL	27-Feb-25	26-Feb-27	14400
38	BR20A4777	12-Apr-91	Goods Carrier	SAIL	12-Oct-24	11-Oct-26	9600
39	BR20B3872	22-Mar-93	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	9600
40	BR20B9534	02-Aug-94	Goods Carrier	M/S MITTAL AGENCY	02-Aug-24	01-Aug-29	9000
41	BR20G0038	07-Dec-94	Goods Carrier	SERVICE CENTER	01-Dec-24	30-Nov-26	9600
42	BR20G0108	30-Aug-91	Goods Carrier	SAIL	30-Nov-24	29-Nov-26	9600
43	BR20G0109	30-Aug-91	Goods Carrier	BANSAL UDYOG	30-Nov-24	29-Nov-26	9600
44	BR20G0150	04-Feb-92	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	25600
45	BR20G0153	05-Mar-92	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	9600
46	BR20G0154	05-Mar-92	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	9600
47	BR20G0157	05-Mar-92	Goods Carrier	SAIL	05-Dec-24	04-Dec-26	9600
48	BR20G0175	05-Aug-92	Goods Carrier	SAIL	05-Nov-24	04-Nov-26	9600
49	BR20G0244	26-Nov-93	Goods Carrier	VINEET KUMAR	26-Feb-25	25-May-26	15000
50	BR20G0248	06-Dec-93	Goods Carrier	SAIL	02-Dec-24	01-Dec-26	9600
51	BR20G0262	01-Feb-94	Goods Carrier	MITTU YADAV	01-May-24	30-Apr-26	9600
52	BR20G0271	19-Apr-94	Goods Carrier	SAIL	19-Oct-24	18-Oct-26	9600
53	BR20G0591	15-Apr-96	Goods Carrier	CCL	14-Oct-24	13-Oct-26	25600
54	BR20G0636	24-Jan-91	Goods Carrier	NILESH KUMAR YADAV	24-Sep-24	23-Mar-26	24000
55	BR20G0724	10-Nov-97	Goods Carrier	SAIL	10-Nov-24	09-Nov-26	11200
56	BR20G0729	03-Dec-97	Goods Carrier	SAIL	02-Dec-24	01-Dec-26	27200
57	BR20G0745	18-Mar-98	Goods Carrier	SRI S.MAHTO	18-Mar-24	17-Mar-26	9600
58	BR20G0990	28-Apr-00	Goods Carrier	THE ADDL.CONTROLLER	28-Jan-25	27-Jan-27	25600
59	BR20G8496	08-Jan-92	Goods Carrier	TANKU SINGH	08-Apr-24	07-Apr-26	27200
60	BR20G8810	25-Aug-99	Goods Carrier	JAMIL MIYAN	25-Aug-24	24-May-26	8400
61	BR20M1998	14-Sep-89	Goods Carrier	SAIL	14-Dec-24	13-Dec-26	9600
62	BRL6658	01-Jan-65	Goods Carrier	ARBIND KUMAR	01-Apr-24	31-Mar-26	17600
63	BRW8547	23-Jul-71	Goods Carrier	SAIL	23-Oct-24	22-Oct-26	24000
64	BRW8550	24-Jul-71	Goods Carrier	SAIL	24-Jan-25	23-Jan-27	24000
65	BRY3021	23-Jan-82	Goods Carrier	CCL	23-Oct-24	22-Oct-26	25600
66	BRY3022	23-Jan-82	Goods Carrier	CCL	23-Oct-24	22-Oct-26	25600
67	BRY4646	26-Jun-85	Goods Carrier	CCL	24-Nov-24	23-Nov-26	25600
68	BRY4852	23-Apr-85	Goods Carrier	CCL	23-Oct-24	22-Oct-26	25600
69	CG04HB3288	20-Feb-09	Goods Carrier	RAKESH KUMAR	17-Mar-24	16-Mar-26	57600
70	HR55G2281	07-Dec-07	Goods Carrier	MS DUBEY CRANES	19-Aug-24	18-Aug-26	17600
71	HR55M1804	17-Jan-11	Goods Carrier	RAJESH KUMAR	26-Jul-24	25-Apr-26	35000
72	HR634508	01-Jan-04	Goods Carrier	MANJU SINGH	15-Jun-24	14-Mar-26	23800
73	JH05H8811	04-Sep-04	Goods Carrier	SALABAT MAHATO	04-Sep-24	03-Sep-29	22500
74	JH09A1209	02-Aug-01	Goods Carrier	ANIL KUMAR MANDAL	02-Nov-24	01-Nov-26	11200
75	JH09AA3397	01-Oct-15	Goods Carrier	DHANANJAY KUMAR SINGH	01-Apr-24	31-Mar-26	57600
76	JH09AA3419	12-May-03	Goods Carrier	ADITYA KUMAR	08-Sep-24	07-Jun-26	23800
77	JH09AA4682	12-Sep-15	Goods Carrier	SITA DEVI	12-Sep-24	11-Sep-26	12800
78	JH09AA5096	15-Jul-15	Goods Carrier	DINESH KUMAR MAHTO	15-Jul-24	14-Apr-26	35000
79	JH09AA5584	23-Sep-15	Goods Carrier	FAZAL AHMAD	23-Jun-24	22-Mar-26	50400
80	JH09AA7141	09-Jul-15	Goods Carrier	INTERNATIONAL COMMERCE LTD	09-Jul-24	08-Jul-26	12800
81	JH09AA9894	10-Aug-15	Goods Carrier	BIBHUTI SINGH	31-Oct-24	30-Oct-34	22500
82	JH09AB1157	29-Feb-16	Goods Carrier	NIRANJAN KUMAR SINGH	29-May-24	28-May-26	0
83	JH09AB1336	19-Jan-16	Goods Carrier	RAKESH KR MAHTHA	19-Jan-25	18-Apr-26	13000
84	JH09AB2030	09-Feb-16	Goods Carrier	AYUB ANSARI	08-May-24	07-May-26	12800
85	JH09AB2884	19-Jan-16	Goods Carrier	DEGAN MAHATO	27-Feb-25	26-Feb-35	22500
86	JH09AB3761	05-Nov-12	Goods Carrier	TARKESHWAR YADAV	01-Sep-24	31-May-26	40600
87	JH09AB6962	09-Feb-16	Goods Carrier	HINDUSTAN FABRICATORS	09-Aug-24	08-May-26	26600
88	JH09AB8554	10-Feb-16	Goods Carrier	KABAL SINGH	10-Aug-24	09-May-26	64400
89	JH09AB8887	29-Dec-15	Goods Carrier	MR NAKUL NAYAK	29-Dec-24	28-Dec-26	16000
90	JH09AC0706	11-Mar-11	Goods Carrier	SUNIL KUMAR	03-Nov-24	02-May-26	30000
91	JH09AC1176	19-May-14	Goods Carrier	MUKESH KUMAR MAHTO	26-May-24	25-May-26	12800
92	JH09AC1777	11-Dec-07	Goods Carrier	MUNNA MAHATO	28-Jul-24	27-Apr-26	40600
93	JH09AC4852	11-Apr-16	Goods Carrier	ARUN KUMAR MAHTO	11-Jan-25	10-Apr-26	29000
94	JH09AC6957	08-May-09	Goods Carrier	VIKASH KUMAR	04-May-24	03-May-26	27200
95	JH09AC7795	11-Jun-16	Goods Carrier	MD SAHJAHAN ANSARI	11-Jun-24	10-Mar-26	40600
96	JH09AC7836	03-Jul-16	Goods Carrier	SUBHENDU NARAYAN SHEKHAR	18-Nov-24	17-Nov-26	12800
97	JH09AD0219	21-Feb-12	Goods Carrier	SUDHIR RAY	12-Aug-24	11-May-26	40600
98	JH09AD0662	19-Apr-08	Goods Carrier	RAJLAXMI KUMARI	07-Apr-24	06-Apr-26	27200
99	JH09AD0989	28-Jul-16	Goods Carrier	BINOD MAHTO	27-Jul-24	26-Apr-26	35000
100	JH09AD1304	01-Dec-10	Goods Carrier	MR RAKESH KUMAR OJHA	17-Nov-24	16-May-26	20400
101	JH09AD2079	06-Sep-16	Goods Carrier	RAKESH SHARMA	06-Jun-24	05-Jun-26	73600
102	JH09AD2900	09-Sep-16	Goods Carrier	SHUBHAM KUMAR GOND	09-Mar-25	08-Jun-26	36000
103	JH09AD2911	21-Feb-12	Goods Carrier	SONU KUMAR SINGH	08-Mar-25	07-Jun-26	12000
104	JH09AD3195	21-Apr-12	Goods Carrier	SUDHIR RAY	12-May-24	11-May-26	46400
105	JH09AD3775	22-Aug-16	Goods Carrier	VIVEKANAND PANDEY	11-Feb-25	10-May-26	8000
106	JH09AD4284	13-Oct-16	Goods Carrier	ANIL KUMAR YADAV	13-Jan-25	12-Apr-26	29000
107	JH09AD5270	22-May-10	Goods Carrier	JITENDRA KUMAR SINGH	24-Jun-24	23-Mar-26	40600
108	JH09AD8390	06-Aug-16	Goods Carrier	GOPALJI PANDEY	03-Apr-24	02-Apr-26	12800
109	JH09AD9210	31-Oct-05	Goods Carrier	E M V TRAINING SCHOOL	21-Oct-24	20-Apr-26	20400
110	JH09AD9921	26-Sep-16	Goods Carrier	SHREE MAHAKAL LOGISTICS	26-Sep-24	25-Mar-26	55200
111	JH09AE0268	17-Nov-09	Goods Carrier	DILIP ORAON	10-May-24	09-May-26	27200
112	JH09AE1744	30-Nov-16	Goods Carrier	RAVI KUMAR	05-May-24	04-May-26	49600
113	JH09AE2348	02-Dec-16	Goods Carrier	MD FAHIMUDDIN ANSARI	02-Sep-24	01-Jun-26	40600
114	JH09AE4466	01-Dec-16	Goods Carrier	MS KRISHNA SINGH	01-Jun-24	31-May-26	22400
115	JH09AE4997	28-Nov-16	Goods Carrier	IMRAN ANSARI	28-Nov-24	27-May-26	30000
116	JH09AE6043	30-Nov-09	Goods Carrier	FULDEV NAGESIYA	10-Nov-24	09-May-26	20400
117	JH09AE6700	28-Nov-16	Goods Carrier	AJAY KUMAR JAISWAL	28-Nov-24	27-May-26	30000
118	JH09AE7373	26-Jun-13	Goods Carrier	MR SANDIP KR GUPTA	26-Jun-24	25-Jun-26	0
119	JH09AE7543	20-Jan-17	Goods Carrier	ANAND DEV SINGH	20-Jan-25	19-Apr-26	46000
120	JH09AE7789	22-Aug-11	Goods Carrier	MUKESH YADAV	20-Sep-24	19-Mar-26	43200
121	JH09AE8541	01-Dec-16	Goods Carrier	SANTOSH KUMAR SHARMA	01-Mar-25	28-Feb-27	12800
122	JH09AE9144	30-Nov-16	Goods Carrier	M/S RAVI KUMAR	05-May-24	04-May-26	49600
123	JH09AF2437	26-Apr-17	Goods Carrier	VIKASH KUMAR SINGH	18-Aug-24	17-May-26	40600
124	JH09AF4221	07-Apr-17	Goods Carrier	MR RAJIV RANJAN	28-May-24	27-May-26	73600
125	JH09AF4321	07-Apr-17	Goods Carrier	MR RAJIV RANJAN	28-Aug-24	27-May-26	64400
126	JH09AF4366	25-Mar-17	Goods Carrier	SHAHBAAZ AHMED	09-Mar-25	08-Jun-26	46000
127	JH09AF4620	06-Mar-17	Goods Carrier	SUNIL KUMAR DWIVEDI	11-Aug-24	10-May-26	50400
128	JH09AF5105	06-Mar-17	Goods Carrier	PRAMOD KUMAR RANA	30-Jul-24	29-Apr-26	50400
129	JH09AF5687	24-Mar-17	Goods Carrier	FARZANA PARWEEN	04-Jun-24	03-Jun-26	40000
130	JH09AF6982	27-Mar-17	Goods Carrier	KAPIL DEO NAYAK	07-Dec-24	06-Jun-26	34800
131	JH09AF7079	15-Mar-17	Goods Carrier	AFTAB ALAM	07-Sep-24	06-Jun-26	7000
132	JH09AF8490	15-Mar-17	Goods Carrier	MD IRSHAD ALAM	24-Feb-25	23-May-26	46000
133	JH09AF9019	21-Apr-17	Goods Carrier	AMIT KUMAR	30-Sep-24	29-Mar-26	55200
134	JH09AF9756	15-Mar-17	Goods Carrier	YOUDHA MAHTO	30-Apr-24	29-Apr-26	12800
135	JH09AG8003	22-Aug-17	Goods Carrier	M/S H N CONSTRUCTION PVT LTD	30-Apr-24	29-Apr-26	19200
136	JH09AH2482	13-Oct-17	Goods Carrier	MD ELIYAS ANSARI	26-Sep-24	25-Mar-26	20400
137	JH09AH3294	18-Jan-17	Goods Carrier	AMIT KUMAR SINGH	08-Nov-24	07-May-26	42000
138	JH09AH4652	11-Nov-17	Goods Carrier	SAMSUL HAK	12-Jan-25	11-Jan-27	6400
139	JH09AH4732	28-Sep-17	Goods Carrier	RAVI RAJ	08-Sep-24	07-Jun-26	23800
140	JH09AH5304	09-Nov-17	Goods Carrier	MANOJ KUMAR YADAV	20-Oct-24	19-Apr-26	37200
141	JH09AH5422	28-Sep-17	Goods Carrier	RAVI RAJ	14-Sep-24	13-Mar-26	20400
142	JH09AH8005	13-Oct-17	Goods Carrier	MD ILYAS ANSARI	26-Sep-24	25-Mar-26	20400
143	JH09AH8726	28-Sep-17	Goods Carrier	RAVI RAJ	14-Sep-24	13-Mar-26	20400
144	JH09AH9135	28-Sep-17	Goods Carrier	RAVI RAJ	14-Dec-24	13-Mar-26	17000
145	JH09AJ0159	23-Dec-17	Goods Carrier	MD NAUSHAD	11-Jun-24	10-Mar-26	61600
146	JH09AJ0316	05-Dec-17	Goods Carrier	AMIT MINES PRIVATE LTD	20-Oct-24	19-Oct-26	46400
147	JH09AJ0613	10-Jan-18	Goods Carrier	RAJU KR SINGH	30-Mar-24	29-Mar-26	73600
148	JH09AJ1922	30-Nov-17	Goods Carrier	KARAN PRADHAN	28-Oct-24	27-Apr-26	34800
149	JH09AJ2023	11-Dec-17	Goods Carrier	RAVI RAJ	28-Nov-24	27-May-26	30000
150	JH09AJ4527	25-Nov-17	Goods Carrier	GOPAL CHANDRA GORAI	18-Oct-24	17-Apr-26	4800
151	JH09AJ7601	11-May-16	Goods Carrier	DHIRENDRA KUMAR YADAV	20-Sep-24	19-Mar-26	43200
152	JH09AJ8188	10-Feb-18	Goods Carrier	GANGA PD NAYAK	25-Jan-25	24-Apr-26	25000
153	JH09AJ8330	10-Jan-18	Goods Carrier	DHIRENDRA SINGH	30-Sep-24	29-Mar-26	55200
154	JH09AJ8537	23-Jan-18	Goods Carrier	CHANDAN KUMAR SINGH	04-Oct-24	03-Apr-26	55200
155	JH09AJ9302	10-Jan-18	Goods Carrier	DHIRENDRA SINGH	30-Mar-24	29-Mar-26	73600
156	JH09AJ9365	05-Dec-17	Goods Carrier	AMIT MINES PRIVATE LTD	19-Jan-25	18-Apr-26	29000
157	JH09AK1004	28-Feb-18	Goods Carrier	VIVEK KR LOHANI	17-Feb-25	16-May-26	29000
158	JH09AK1250	06-Apr-18	Goods Carrier	DHIRAJ KR CHATURVEDI	04-Jan-25	03-Apr-26	46000
159	JH09AK2806	26-May-10	Goods Carrier	RAVINDRA PRASAD GUPTA	09-Aug-24	08-May-26	50400
160	JH09AK3557	01-Mar-18	Goods Carrier	SHREE BABA PETROL CENTRE	18-May-24	17-May-26	73600
161	JH09AK4118	19-Apr-18	Goods Carrier	MITHLESH KUMAR SINGH	30-Jun-24	29-Jun-26	6400
162	JH09AK6890	06-Apr-18	Goods Carrier	M/S PROJECT EQUIPMENTS AND CON CO	19-Mar-24	18-Mar-26	46400
163	JH09AK7414	04-Apr-18	Goods Carrier	M/S KRISHNA SINGH	19-Jun-24	18-Jun-26	22400
164	JH09AK9075	23-Apr-18	Goods Carrier	SURAJ KR SAW	28-May-24	27-May-26	0
165	JH09AL0075	11-Jul-18	Goods Carrier	KABAL SINGH	30-Sep-24	29-Mar-26	58800
166	JH09AL0437	29-May-18	Goods Carrier	MANJIT KUMAR	18-Feb-25	17-May-26	8000
167	JH09AL3063	15-Jun-18	Goods Carrier	DHANU GHOSHAL	12-Dec-24	11-Mar-26	46000
168	JH09AL3338	04-Jun-18	Goods Carrier	AMIT MINES P LTD	16-Nov-24	15-Nov-26	46400
169	JH09AL3381	31-Jul-18	Goods Carrier	RAJ KISHOR MAHTO	23-Oct-24	22-Apr-26	34800
170	JH09AL3477	31-Jul-18	Goods Carrier	ASHOK KR SINGH	19-Apr-24	18-Apr-26	73600
171	JH09AL4315	11-Sep-14	Goods Carrier	HARE RAM PODDAR	28-Dec-24	27-Mar-26	17000
172	JH09AL5210	11-Dec-07	Goods Carrier	VINEET KUMAR	01-May-24	30-Apr-26	46400
173	JH09AM0023	22-Aug-18	Goods Carrier	MOHAMMAD ILIYAS ALAM	14-Mar-24	13-Mar-26	57600
174	JH09AM1219	24-Sep-18	Goods Carrier	RAMIZ RAJA	14-Feb-25	13-May-26	17000
175	JH09AM3143	24-Aug-18	Goods Carrier	NITYANAND GORAIN	11-Nov-24	10-May-26	43200
176	JH09AM3724	24-Aug-18	Goods Carrier	T A ENTERPRISES	11-Feb-25	10-May-26	31000
177	JH09AM4186	08-Sep-18	Goods Carrier	PRITAM PAUL	28-Aug-24	27-May-26	40600
178	JH09AM5415	22-Sep-18	Goods Carrier	MD ALI ANSARI	28-Nov-24	27-May-26	55200
179	JH09AM5572	12-Jun-14	Goods Carrier	RAJ KISHOR YADAV	12-Jul-24	11-Apr-26	64400
180	JH09AM8684	24-Aug-18	Goods Carrier	SHARIF KHAN	11-Aug-24	10-May-26	43400
181	JH09AM9190	12-Sep-18	Goods Carrier	PROJECT EQUIPMENTS AND CON COMPANY	25-Jul-24	24-Jul-26	9600
182	JH09AN2442	12-Dec-18	Goods Carrier	RAVI RAJ	05-Sep-24	04-Jun-26	23800
183	JH09AN3302	12-Dec-18	Goods Carrier	RAVI RAJ	05-Sep-24	04-Jun-26	23800
184	JH09AN5250	12-Dec-18	Goods Carrier	SHAMANT KUMAR VERMA	04-Dec-24	03-Jun-26	20400
185	JH09AN6948	12-Dec-18	Goods Carrier	RAVI RAJ	05-Dec-24	04-Jun-26	20400

आदेशानुसार
जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो।

PR 382123 (Transport) 26-27 (D)

कार्यालय, अनुमंडल-सह-जिला कृषि पदाधिकारी, जामताड़ा।

तालाब नीलामी द्वारा बंदोबस्ती सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के अधीनस्थ अनुमंडलीय कृषि प्रक्षेत्र, जामताड़ा, बीज गुणन प्रक्षेत्र, नाला एवं बीज गुणन प्रक्षेत्र, बेना, जामताड़ा के पोखरों का मत्स्य पालन हेतु तालाब नीलामी दिनांकः–16.06.2026 को 1:00 बजे अपराह्न में रखा गया था, जिसका PR NO - 381363 के द्वारा प्रकाशन किया गया था।

कृषि निदेशक, झारखंड, रॉची के पत्रांक–2345 दिनांक–02.06.2026 के द्वारा निर्देश प्राप्त हुआ है कि दिनांक–16.06.2026 से 18.06.2026 तक कृषि व्यापार मेला, मोहराबादी, रॉची में आयोजित किया जा रहा है।

दिनांक–16.06.2026 को 1:00 बजे अपराह्न में मत्स्य पालन हेतु तालाब नीलामी अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

अनुमंडल–सह–जिला कृषि पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 382177 (District) 26-27 (D)

कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, बोकारो

किसान भाईओं के लिये आम सूचना

किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16.06.2026 से 30.06.2026 तक खरीफ मौसम में डिजिटल कृषि रथ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें निर्धारित स्थानों पर किसान गोष्टी के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ–साथ महत्वपूर्ण विषय यथा दलहन एवं तेलहन की उन्नत खेती, प्राकृतिक खेती संतुलित उर्वरक प्रबंध, वैकल्पिक कृषि, समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा की जायेगी। किसान भाईयों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विभागीय योजनाओं का लाभ उठायें।

कृषि रथ–01

दिनांक	पंचायत	प्रखंड	प्रसारकर्मी का नाम	मोबाईल सं0
16.06.2026	उलगोडा	चास	श्री तारकेश्वर कुमार महतो, सहायक तकनीकी प्रबंधक, चास	7909084973
17.06.2026	कुरा			
18.06.2026	बिजुलिया			
19.06.2026	राधानगर			
20.06.2026	लंका	चन्दनकियारी	सुश्री हर्षवती लागुरी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, चन्दनकियारी	9128857585
21.06.2026	लालपुर			
22.06.2026	लाघला			
23.06.2026	भोजुडीह पं0			
24.06.2026	ढेन्ढे	गोमिया	श्री बबलु सिंह, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, गोमिया	9308730583
25.06.2026	कण्डेर			
26.06.2026	बडकीसीधावारा			
27.06.2026	ससबेडा			
28.06.2026	बाराडीह	नावाडीह	श्री संतोष कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक, नावाडीह	9155232753
29.06.2026	नावाडीह			
30.06.2026	पलामू			

कृषि रथ–02

दिनांक	पंचायत	प्रखंड	प्रसारकर्मी का नाम	मोबाईल सं0
16.06.2026	खुटरी	जरीडीह	श्री रवि कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक, जरीडीह	6202296814
17.06.2026	भस्की			
18.06.2026	बेलडीह			
19.06.2026	सोनपुरा	कसमार	श्री अरुण कुमार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, कसमार	7004827371
20.06.2026	मंजुरा			
21.06.2026	टांगटोना			
22.06.2026	दारिद	पेटरवार	श्री नवीन कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक, पेटरवार	9431540222
23.06.2026	चलकरी द0			
24.06.2026	अरजुवा			
25.06.2026	जरीडीह पं0	बेरमो	श्री सार्जन महतो, सहायक तकनीकी प्रबंधक, बेरमो	7903823205
26.06.2026	बोरिया उ0			
27.06.2026	अरमो			
28.06.2026	बंदियो	चन्द्रपुरा	श्री अनिल कुमार गौतम, सहायक तकनीकी प्रबंधक, चन्द्रपुरा	7991193693
29.06.2026	तुरियो			
30.06.2026	कुरुम्बा			

जिला कृषि पदाधिकारी–सह–
परियोजना निदेशक, आत्मा, बोकारो

PR 382107 Agriculture(26-27).D

बिहार विधान परिषद चुनाव में सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

पटना,(ईएमएस): बिहार विधान परिषद चुनाव में सभी १० उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत दर्ज की है, जिससे मतदान की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। पटना में, इन सभी विजयी प्रत्याशियों ने ११ जून को बिहार विधानमंडल में अपने जीत के प्रमाण पत्र हासिल किए। इस बार विधान परिषद की कुल १० सीटों के लिए केवल १० उम्मीदवार मैदान में थे, जिससे उनके निर्विरोध निर्वाचन का मार्ग प्रशस्त हो गया।

सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए यह चुनाव बेहद सफल रहा। भारतीय जनता पार्टी के चारों उम्मीदवार संजय मयूख, पवन सिंह, शीला पंडित और अनिल ठाकुर निर्विरोध विधान पार्षद निर्वाचित हुए। इसी तरह जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के निशांत कुमार, भारती मेहता, शिवरानी देवी और ललन प्रसाद भी बिना किसी चुनौती के जीत हासिल करने में कामयाब रहे। बता दें कि ललन प्रसाद ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा खाली की गई सीट पर उपचुनाव के माध्यम से जीत दर्ज की है, जो एनडीए के लिए एक और उपलब्धि है।

एनडीए गठबंधन के तहत लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उम्मीदवार अशरफ अंसारी ने भी निर्विरोध जीत दर्ज की। चिराग पासवान के करीबी अंसारी के लिए यह उनके राजनीतिक करियर की पहली महत्वपूर्ण जीत है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुनील कुमार सिंह, जिन्हें राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई के रूप में जाना जाता है, भी निर्विरोध विधान परिषद सदस्य चुने गए। राज्यसभा चुनाव में मिली चुनौतियों के विपरीत, आरजेडी को इस चुनाव में कोई बाधा नहीं झेलनी पड़ी।

हालांकि, निर्विरोध जीत की खुशी के बीच एक घटक दल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के लिए निराशाजनक खबर भी सामने आई। उनके बेटे दीपक प्रकाश, जो बिहार के पंचायती राज मंत्री हैं, को इस बार विधान परिषद के लिए टिकट नहीं मिल पाया।

मंत्री पद पर बने रहने के लिए दीपक प्रकाश को अगले छह महीने के भीतर किसी भी सदन का सदस्य बनना अनिवार्य है, जिसके लिए अब उन्हें विधानसभा उपचुनाव में उतरने या कोई अन्य विकल्प तलाशने पर विचार करना पड़ सकता है।

वाराणसी में भूटान बनाएगा बौद्ध मंदिर

लखनऊ (ईएमएस): उप्र की धार्मिक राजधानी वाराणसी में बौद्ध पर्यटन को नई गति देने के लिए राज्य सरकार ने रॉयल गवर्नमेंट ऑफ भूटान को बौद्ध मंदिर एवं गेस्ट हाउस निर्माण के लिए दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस संबंध में पर्यटन विभाग और भूटान सरकार के प्रतिनिधियों के बीच लीज डीड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और अपर मुख्य सचिव पर्यटन अमृत अभिजात की उपस्थिति में हुए इस समझौते के तहत वाराणसी के अजईपुर, परगना कोलअसला, तहसील पिंडरा स्थित दो एकड़ भूमि ३० वर्ष की लीज पर भूटान सरकार को दी जाएगी। इसके लिए वार्षिक किराया मात्र एक रुपये निर्धारित किया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ करेगा। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। समझौते पर भूटान की ओर से उप मिशन प्रमुख ताशी पेल्डन ने हस्ताक्षर किए।

574 करोड़ की विकसित होगी डुमरी स्पोर्ट्स सिटी : खेल मंत्री श्रेयसी

पटना (एजेंसी): बिहार के खेल मंत्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को डुमरी स्पोर्ट्स सिटी परियोजना की प्रगति पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग १०० एकड़ में विकसित होने वाली इस परियोजना के लिए ५७४ करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने परियोजना को राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के अनुरूप विकसित करने के लिए विशेषज्ञ परामर्शदाता की सेवाएं लेने और मासिक समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सरकार का मानना है कि डुमरी स्पोर्ट्स सिटी भविष्य में खेल प्रशिक्षण, खेल उद्योग और अन्य सहायक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगी।

बैठक में अरवल, मधेपुरा और किशनगंज में जिला उत्कृष्टता केंद्रों का संचालन १५ जून से शुरू करने का निर्णय लिया गया। इन केंद्रों में कबड्डी, बैडमिंटन और ताइक्वांडो का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि सिवान, मुंगेर और जमुई में फुटबॉल उत्कृष्टता केंद्र विकसित किए जाएंगे। साथ ही पंचायत स्पोर्ट्स क्लबों को सक्रिय करने और राज्य की सभी पंचायतों में खेल मैदान विकसित करने की दिशा में भी तेजी लाने का फैसला लिया गया। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

बैठक में खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने पर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। प्रस्ताव रखा गया कि ओलंपिक पदक विजेताओं के साथ भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को भी 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के तहत लेवल-९ की सरकारी नौकरी का लाभ दिया जाए। इसके अलावा नवंबर २०२६ में राजगीर में भारत-न्यूजीलैंड रग्बी सीरीज, दिसंबर में एफआईएच प्रो लीग और अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई। सरकार ने स्पष्ट किया कि बिहार को देश के अग्रणी खेल राज्यों में स्थापित करने के लिए खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण, रोजगार और शिक्षा को जोड़कर व्यापक खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद का जन्मदिन मनाया गया

मधुबनी, (ईएमएस): राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय रेल मंत्री रह चुके लालू प्रसाद यादव का ७९ वां जन्मदिन राजद जिला कार्यालय कीर्तन भवन रोड, मधुबनी में धूमधाम से मनाया गया। जिला अध्यक्ष राम अशीष यादव की अध्यक्षता एवं झंझारपुर सांगठनिक जिला अध्यक्ष वीर बहादुर राय के संचालन में आयोजित जन्मदिन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री के जन्म दिन समारोह में राजद के कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक दूसरे को खिलाया और संकल्प लिया कि लालू प्रसाद यादव के विचारों का बिहार बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक न्याय, गरीबों, पिछड़ों, दलितों एवं वंचितों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती देने वाले लालू जी के संघर्षपूर्ण जीवन से हम सभी को निरंतर प्रेरणा मिलती है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि उनको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन प्रदान करें, ताकि आपका मार्गदर्शन समाज और देश को आगे भी मिलता रहे। जन्मोत्सव दिवस समारोह मे श्विष्णु देव राम, श्रीनारायण महतो, रामबहादुर यादव, राजकुमार यादव, चुल्हाई कामत , चंन्द्रशेखर झा सुमन समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिहार कैबिनेट के फैसलों से विकास को मिलेगी नई रफ्तार : सीएम

पटना (एजेंसी): बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में गुरुवार को राज्य के सर्वांगीण विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों से विकास योजनाओं को नई गति मिलेगी और आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। कैबिनेट के निर्णयों को विकसित बिहार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इन फैसलों से विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इसको लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया (द) पर पोस्ट किया है।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा कि कैबिनेट के निर्णय सुशासन, किसान कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पारदर्शिता और आपदा प्रबंधन को नई गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित बिहार के संकल्प को लेकर लगातार काम कर रही है। मंत्रिमंडल ने कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने, बाढ़ सुरक्षा उपायों को प्रभावी करने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे को बढ़ाने से जुड़े

प्रस्तावों को स्वीकृति दी। इसके अलावा पेंशन भुगतान व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सरकार का मानना है कि इन कदमों से किसानों, बुजुर्गों और जरूरतमंद वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा।

कैबिनेट ने ई-गवर्नेंस को मजबूत करने तथा सरकारी सेवाओं में डिजिटल पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से भी कई प्रस्तावों को मंजूरी दी। आपदा प्रबंधन और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। सरकार ने कहा कि जनकल्याण, विकास और सुशासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता लगातार जारी रहेगी और इसी संकल्प के साथ राज्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

ठनका गिरने से पिता-पुत्र समेत 4 की मौत

खगड़िया (एजेंसी): खगड़िया जिले में आज सुबह-सुबह हुई बारिश ने लोगों को राहत तो दी, लेकिन इस दौरान ठनका गिरने से ४ लोगों की जान भी चली गई। मृतकों में शामिल पिता-पुत्र समेत चार लोग शामिल है, जबकि तीन लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घटना गोगरी प्रखंड के पौरा थाना अंतर्गत बलतारा पंचायत स्थित फुलबड़िया बहियार अवस्थित दुखहरण बाबा स्थान के पास का है। मृतकों में शामिल पिता आशुतोष यादव (२६), पुत्र अंकेश कुमार (१०) समेत विद्यानंद यादव (६२) शामिल हैं। इसके अलावा नारदपुर गांव में भी एक युवक जिसकी पहचान कुश कुमार के रूप में हुई, की मौत हुई है। इस घटना में घायल लोगों की इलाज चौथम सीएचसी में चल रहा है। चिकित्सकों ने घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताया है। घटना की पुष्टि गोगरी सीओ दीपक कुमार ने की है।

यूपी के मेडिकल-डेंटल कॉलेजों में बनेंगे 'धर्मांतरण रोकथाम सेल : राज्यपाल

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश की राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने राज्य के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में धर्मांतरण रोकथाम सेल गठित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

यह फैसला किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) और संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में सामने आए कथित धर्मांतरण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए लिया गया है। राजभवन के इस आदेश के बाद, अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय ने अपने सभी संबद्ध संस्थानों को तुरंत इस सेल का गठन करने और इसकी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश जारी कर दिया है। यह विशेष सेल मुख्य रूप से धर्मांतरण की रोकथाम, कॉलेज परिसर की निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगा। विद्यार्थियों, रेजिडेंट डॉक्टरों और स्टाफ के बीच जागरुकता अभियान चलाएगा। शिकायतों की तुरंत जांच, रिपोर्टिंग और संबंधित अधिकारियों को सूचित करने की व्यवस्था भी इसमें होगी।

राज्यपाल ने सभी संस्थानों में इस सेल को प्रभावी बनाने और अनुपालन रिपोर्ट समयबद्ध रूप से मांगने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में 37 पीसीएस को मिला आईएएस बनने का मौका, डीपीसी बैठक में नामों पर मुहर

लखनऊ (ईएमएस) : उत्तर प्रदेश प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के ३७ अधिकारियों के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार को हुई विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में अधिकारियों के नामों पर सहमति बनी। अब यूपीएससी और केंद्र सरकार की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन अधिकारियों की पदोन्नति संबंधी अधिसूचना जारी की जाएगी।

प्रोन्नति के लिए चयनित अधिकारियों में वर्ष १९९७ बैच के हरिश्चंद्र, वर्ष १९९९ बैच के प्रभूनाथ, वर्ष २००२ बैच की अंजू कटियार, वर्ष २००४ बैच के अमर पाल सिंह तथा वर्ष २००८ बैच के आलोक वर्मा शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष २०१० बैच के डॉ. विश्राम, अशोक कुमार कनौजिया, पुष्पराज सिंह, संजय कुमार सिंह, राज कुमार द्विवेदी, राकेश कुमार पटेल, सुशीला और आलोक कुमार को भी प्रोन्नति सूची में स्थान मिला है। वर्ष २०११ बैच से वैभव मिश्रा, विवेक श्रीवास्तव, योगानंद पांडेय, प्रदीप कुमार यादव, अमित कुमार, पूनम निगम, डॉ. नितिन मदान, हर्ष देव पांडेय, शैलेंद्र कुमार सिंह, नरेंद्र बहादुर सिंह, संतोष बहादुर सिंह, पंकज वर्मा, विजय कुमार सिंह द्वितीय, अतुल कुमार, अमित सिंह, प्रियंका सिंह, अमित कुमार, डॉ. सुनील कुमार वर्मा, गरिमा स्वरूप, संदीप कुमार, राकेश कुमार सिंह तथा डॉ. वैभव शर्मा को प्रोन्नति के लिए चयनित किया गया है। वर्ष २०१२ बैच के विश्वभूषण भूषण मिश्रा भी सूची में शामिल हैं।

डीपीसी के लिए मुख्य सचिव एसपी गोयल व प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज दिल्ली गए थे। प्रोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकांश अधिकारी वर्तमान में अपर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी, विकास प्राधिकरणों के सचिव, विशेष सचिव, चुनाव, राजस्व, जीएसटी और अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्यरत हैं। इन अधिकारियों के आईएएस बनने से प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे को अनुभवी अधिकारियों का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि आईएएस पदोन्नति कोटे की रिक्तियों को भरने के लिए लंबे समय से प्रक्रिया चल रही थी। अधिकारियों के सेवा अभिलेख, सतर्कता जांच और गोपनीय प्रविष्टियों के परीक्षण के बाद डीपीसी में नामों पर विचार किया गया। डीपीसी की संस्तुति के बाद प्रस्ताव केंद्र सरकार और संघ लोक सेवा आयोग की औपचारिक स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। अंतिम अधिसूचना जारी होते ही चयनित अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बन जाएंगे।

ऊर्जा मंत्री ने पॉवर कारपोरेशन चेयरमैन से पूछा-बिना पूछे बिजली महंगी क्यों की

लखनऊ (ईएमएस): यूपी के ऊर्जा मंत्री और पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। ऊर्जा मंत्री के एक पत्र ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यूपीपीसीएल के चेयरमैन आशीष गोयल पर बड़ा हमला करते हुए पत्र में लिखा है कि मेरे विभाग के फैसले मुझे न्यूज चैनल से पता चलते हैं। बिना बताए मुख्यालय से कहां गायब रहते हैं? इसके साथ ही विभाग से जुड़े कई अन्य विषयों का भी जिक्र किया है।

ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल चेयरमैन को कड़ा पत्र लिखकर सवाल किया है कि जून २०२६ के बिजली बिलों में १० फीसदी फ्यूल-पॉवर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) लगाने का फैसला बिना उन्हें बताए और बिना उनकी अनुमति के कैसे लिया गया? ऊर्जा मंत्री ने लिखै है इस फैसले से सरकार की छवि खराब हुई है और विभाग की बदनामी हुई है। उन्होंने पूछा है कि इतने महत्वपूर्ण फैसले पर मंत्री को विश्वास में क्यों नहीं लिया गया? यही नहीं, उर्जा मंत्री ने चेयरमैन की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं।

GIRIDIH MUNICIPAL CORPORATION
Near Ambedkar Bhawan, Giridih, Jharkhand – 815301
E-Mail: giridihmunicipalcorporation@gmail.com

No.: UDD/GMC/III/01/26-27 Date: 10-06-2026
Notice Inviting Tender National Competitive Bidding
Short Tender Notice

1.	Name of the Work	Request for Proposal for Selection of Consultant for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Commercial Complex on the land of Old Municipal Corporation Office near Tower Chowk in Giridih, Jharkhand.
2.	Mode of submission of bids	Online Tender
3.	Tender Fee & Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) to be submitted online through the e-procurement website	Cost of Tender Document: 5,000/- *(Rupees Five Thousand) only (Non-refundable)* Earnest Money Deposit (EMD) – Rs. 10,000/- *(Rs. Ten Thousand)* only
4.	Date of starting of sale of online Tender	16/06/2026 at 14:00 Hrs.
5.	Date of Start of Submission of online Bids	16/06/2026 at 14:00 Hrs.
6.	Last Date/Time for submission of online bids	01/07/2026 at 17:00 Hrs.
7.	Date of Online Bid Opening	02/07/2026 at 17:30 Hrs.
8.	Helpline no.	+91 653 2250279

Note: Only e-tender will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in

Deputy Municipal Commissioner,
Giridih Municipal Corporation
PR.NO.382189 Urban Development(26-27):D

GIRIDIH MUNICIPAL CORPORATION
Near Ambedkar Bhawan,Giridih,Jharkhand – 815301
E-Mail: giridihmunicipalcorporation@gmail.com

NIT No.: UDD/GMC/II/01/26-27 Date: 10-06-2026
Notice Inviting Tender National Competitive Bidding
Short Tender Notice

1.	Name of the Work	Request for Proposal for Selection of Consultant for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Commercial Complex on the land of Mine Council at Alkapuri in Giridih, Jharkhand.
2.	Mode of submission of bids	Online Tender
3.	Tender Fee & Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) to be submitted online through the e-procurement website	Cost of Tender Document: 5,000/- *(Rupees Five Thousand) only (Non-refundable)* Earnest Money Deposit (EMD) – Rs. 10,000/- *(Rs. Ten Thousand) only*
4.	Date of starting of sale of online Tender	16/06/2026 at 14:00 Hrs
5.	Date of Start of Submission of online Bids	16/06/2026 at 14:00 Hrs
6.	Last Date/Time for submission of online bids	01/07/2026 at 17:00 Hrs
7.	Date of Online Bid Opening	02/07/2026 at 17:30 Hrs
8.	Helpline no.	+91 653 2250279

Note: Only e-tender will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in

PR 382188 Urban Development(26-27).D
Deputy Municipal Commissioner, Giridih Municipal Corporation

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाईण्ड बिल्डिग, प्रथम तल्ला, एल0सी0 रोड, धनबाद

ई- अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 06/RWD/DHANBAD/26-27 दिनांक :- 11.06.2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेम्डर कॉल संख्या
				अंक में	अक्षर में		
1	DMFT 08/26-27	बलियापुर	परसबनिया से मार्शलिंग यार्ड तक पथ निर्माण	291.900	दो करोड़ एकानवे लाख नब्बे हजार	15 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– **14.06.2026**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– **28.06.2026** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– **29.06.2026** अपराह्न 3.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद, पिन– 826001
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0326–3554757

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR 382157 (Rural Work Department) 26-27 (D)

ई - प्रोक्योरमेन्ट सेल
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, जामताड़ा

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

टेन्डर रेफरेन्स नं0– BCD/EE,Jamtara/11/Jamtara/2026-27, दिनांक– 10.06.2026

1. कार्य का नाम :–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि(रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Construction of 06 Additional class room (G+2) for Residential Upgraded (Girls) High School, Kundahit, Jamtara, for the year 2026-2027.	1,33,12,200.00	2,67,000.00	10,000.00	09 माह

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि / समय :– दिनांक– 02.07.2026 के 11.00 AM
3. ई–निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय :– दिनांक– 09.07.2026 के 11.00 AM तक
4. ई–निविदा की तिथि / समय :– दिनांक– 10.07.2026 के 12.00 Noon
5. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, जामताड़ा।
6. प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 94313–69703
7. ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 94313–69703

- परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
- निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार होगी।
- निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

अन्य नियम एवं शर्त्ते पूर्ववत रहेगी।

नोडल पदाधिकारी, ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, जामताड़ा

PR 382164 Building (26-27)_D

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना
खुली ई-निविदा

निम्नलिखित **ई-निविदाओं** को **www.ireps.gov.in** लिंक के अंतर्गत देखा जा सकता है। ऐसी ई-निविदा के प्रस्ताव केवल **www.ireps.gov.in→लॉगिन→ई-निविदा स्टोर्स/सप्लाई** लिंक पर जाकर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किए जा सकते हैं। विक्रेता विशेष निविदा या आईआरईपीएस से संबंधित जानकारी, यदि कोई हो, के संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं, डेपुटी सीएमएम/एम-II/सीएलडब्ल्यू/ चित्तरंजन, 9163340708 अथवा एएमएम/एम, 9163340706 (सूचना सं. ए से डी के लिए) तथा डेपुटी सीएमएम/एचक्यू/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 9163340711 अथवा एएमएम/एचक्यू-II, 9163340724 (सूचना सं. ई के लिए)। **कार्यालय का पता:** पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन का कार्यालय।

[ए] संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-टेंडर/19/0162, दिनांक: 09/06/2026। क्रम संख्या [1]। निविदा सं.: 75264023। मद का संक्षिप्त विवरण: विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/154, अल्ट.-3 अथवा नवीनतम के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी लोको के लिए हेड स्टॉक अस्से.। (सेट का विवरण संलग्न हैं)। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। **मात्रा: 434.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये):** रु. 20,00,000.00। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय (भामास): 17/07/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।**

[बी] संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-टेंडर/19/0162, दिनांक: 09/06/2026। क्रम संख्या [1]। निविदा सं.: 75264088। मद का संक्षिप्त विवरण: डब्ल्यूएजी-9एचसी लोको के लिए विंडो, आरेख/विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/014, अल्ट.-6 के अनुसार, श्रेणी सं. आर/9/0017। [प्रत्येक सेट में संलग्न सेट के विवरण के अनुसार मदें सम्मिलित हैं]। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। **मात्रा: 323.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये):** रु. 3,81,070.00। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय (भामास): 17/07/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।**

[सी] संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-टेंडर/19/0162, दिनांक: 09/06/2026। क्रम संख्या [1]। निविदा सं.: 75264032। मद का संक्षिप्त विवरण: डब्ल्यूएजी-9एचसी लोको के लिए सम्पूर्ण रूफ अस्से.। विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/154, अल्ट.-3 अथवा नवीनतम के अनुसार, श्रेणी सं. आर/9/0081। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। **मात्रा: 328.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये):** रु. 20,00,000.00। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय (भामास): 01/08/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।**

[डी] संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-टेंडर/19/0162, दिनांक: 09/06/2026। क्रम संख्या [1]। निविदा सं.: 75264080। मद का संक्षिप्त विवरण: सीएलडब्ल्यू की विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/013, अल्ट.-6 के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी के लिए एम/सी रूम डोर, श्रेणी सं. आर/9/0090। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]। **मात्रा: 347.00 सेट। बयाना राशि जमा (रुपये):** रु. 4,05,290.00। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय (भामास): 07/07/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।**

[ई] संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-टेंडर/19/0162, दिनांक: 09/06/2026। क्रम संख्या; निविदा सं.; मद का संक्षिप्त विवरण; मात्रा; बयाना राशि जमा (रुपये); निविदा बंद होने की तारीख एवं समय (भामास) निम्नलिखित हैं: **[1]; 70260091;** आरेख सं. एसके-डीपी-3848, अल्ट.-1 एवं विनिर्देश सं. एमपी.0.2800.19 (संशो. 01) जून 2019 के अनुसार डब्ल्यूएजी-9एचसी हेतु बुल गीयर 107 टीथ। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 72 महीने]; **4245.00 संख्यक;** रु. 50,00,000.00; **01/07/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। [2]; 70260084;** विनिर्देश 1209-01.013-014, अल्ट.-9 के अनुसार सम्पूर्ण गीयर केस। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]; **5170.00 संख्यक;** रु. 20,00,000.00; **08/07/2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।**

[PR4/372] पीसीएमएम/चिरेका/चित्तरंजन
हमें अनुसरण करें: www.facebook.com/clwrailways

29 को 1018 नए असिस्टेंट प्रोफेसरों को मिलेगा नियुक्ति पत्र, सीएम हेमंत सोरेन करेंगे वितरण

रांची (एजेंसी): झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन २९ जून को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (गङ्डउ) द्वारा अनुशंसित १०१८ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इनमें कक्षा १ से ५ तथा कक्षा ६ से ८ तक के लिए चयनित सहायक आचार्य शामिल हैं।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोग की अनुशंसा के बाद सभी अभ्यर्थियों की जिला स्तर पर काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले महीने ३१९ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए थे। इनमें १९८ अभ्यर्थी कक्षा १ से ५ तथा १२१ अभ्यर्थी कक्षा ६ से ८ के लिए चयनित हुए थे।

राज्य सरकार अब तक करीब १० हजार सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र दे चुकी है। कुल २६,००१ स्वीकृत पदों के विरुद्ध बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की अनुशंसा की गई है, हालांकि अभी भी कई पद रिक्त हैं।

इधर, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने झारखंड माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत ४६६ अभ्यर्थियों को विभिन्न विषयों में माध्यमिक आचार्य एवं विशेष शिक्षा आचार्य पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया है।

आयोग ने मानवशास्त्र, दर्शनशास्त्र, गृह विज्ञान, भूगर्भशास्त्र तथा एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस सहित विभिन्न विषयों के अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए बुलाया है। यह प्रक्रिया १८ और १९ जून को नामकोम स्थित आयोग कार्यालय में दो पालियों में आयोजित होगी।

24 जून को मिलेगा अंतिम अवसर

आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी निर्धारित तिथि पर दस्तावेज सत्यापन में शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें २४ जून को अंतिम अवसर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को अतिरिक्त मौका नहीं मिलेगा

आयोग के अनुसार दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाना अंतिम चयन नहीं माना जाएगा। प्रमाणपत्रों की जांच पूरी होने के बाद योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को भेजी जाएगी।

गौरतलब है कि झारखंड में पहली बार माध्यमिक आचार्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया संचालित की जा रही है, जिससे राज्य के शिक्षा क्षेत्र को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

15 तक अन-मैप्ड मतदाता करा सकेंगे अपनी मैपिंग

रांची (एजेंसी): राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले मतदाताओं की मैपिंग प्रक्रिया १५ जून तक जारी रहेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि इसके बाद इन्यूमरेशन फॉर्म की छपाई और प्रशिक्षण संबंधी कार्य शुरू किए जाएंगे। उन्होंने सभी अन-मैप्ड मतदाताओं से जल्द से जल्द अपने बीएलओ से संपर्क कर मैपिंग कराने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि २३ मई को अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची सभी मतदान केंद्रों तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर सर्चेबल फॉर्मेट में प्रकाशित किए जाने के बाद इस अभियान में तेजी आई है। वर्तमान में राज्य के कुल ७८.६० प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य में २ करोड़ ८ लाख ६ हजार २११ मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है।

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तिथि में बदलाव, आवेदन की तारीख भी बदली

रांची (एजेंसी): झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद ने पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए नई परीक्षा तिथि की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी गई है, जिससे अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। परिषद की ओर से जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार अब झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा १२ जुलाई २०२६ को आयोजित की जाएगी। पहले जारी कार्यक्रम में परीक्षा की तिथि अलग निर्धारित थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों और अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शेड्यूल में बदलाव किया गया है।

अब 22 जून तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

जेसीईसीईबी ने अभ्यर्थियों को राहत देते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी है। पहले आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि १७ जून निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर २२ जून २०२६ कर दिया गया है। ऐसे में जो छात्र किसी कारणवश अब तक आवेदन नहीं कर सके हैं, वे निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। परिषद ने उम्मीदवारों से आवेदन पत्र भरते समय सभी जानकारियां सावधानीपूर्वक दर्ज करने की अपील की है।

आवेदन में सुधार के लिए भी मिलेगा मौका

ऑनलाइन आवेदन भरने के दौरान यदि किसी अभ्यर्थी से कोई त्रुटि हो जाती है तो उसे सुधारने के लिए भी विशेष अवसर दिया जाएगा। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उम्मीदवार २३ जून और २४ जून २०२६ को अपने आवेदन पत्र में आवश्यक सुधार कर सकेंगे। इससे पहले फॉर्म करेक्शन की

तिथि १८ और १९ जून निर्धारित की गई थी।

परीक्षा से चार दिन पहले जारी होगा एडमिट कार्ड

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एडमिट कार्ड परीक्षा से चार दिन पहले परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। उम्मीदवार अपने पंजीकरण विवरण के माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। परिषद ने सलाह दी है कि एडमिट कार्ड जारी होते ही उसे डाउनलोड कर सभी विवरणों की जांच कर लें।

झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र निम्नलिखित शहरों में बनाए जाएंगे- रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, दुमका, पलामू, हजारीबाग, चाईबासा। परीक्षा केंद्रों की अंतिम जानकारी एडमिट कार्ड में उपलब्ध कराई जाएगी।

धनबाद में 16 हजार से अधिक परीक्षार्थियों की संभावना

शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार धनबाद जिले में इस वर्ष करीब १६ हजार से अधिक अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने की संभावना है। परीक्षा तिथि में बदलाव के बाद छात्रों को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त समय का उपयोग अभ्यर्थियों को अपने कमजोर विषयों पर ध्यान देने और बेहतर तैयारी के लिए करना चाहिए।

एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर पर दौड़ रहे 35367 वाहन हाई कोर्ट ने परिवहन सचिव को भेजा नोटिस

रांची (एजेंसी): टैक्स चोरी और फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। झारखंड में एक नंबर पर ३५ हजार से अधिक वाहन दौड़ रहे हैं। मामले में अब हाई कोर्ट सख्त हो गया है। परिवहन सचिव को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने राज्य में एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर पर ३५,३६७ वाहनों के संचालन के आरोपों को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की।

अदालत ने परिवहन सचिव को नोटिस जारी कर १० जुलाई तक विस्तृत जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में मिथुन कुमार की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई है। कहा गया है कि कर चोरी से जुड़ा यह मामला तब सामने आया जब राज्य के परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में व्यावसायिक वाहनों के डेटा की जांच की।

जांच में पाया गया कि हजारों वाणिज्यिक वाहनों ने अवैध रूप से केवल एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर का इस्तेमाल किया था, ताकि वे रोड टैक्स, बीमा और फिटनेस सर्टिफिकेट से जुड़े नियमों की अनदेखी कर सकें।

सरकारी आंकड़ों के आधार पर प्रार्थी ने दावा किया है कि राज्य में हजारों वाहन एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ संचालित हो रहे हैं। प्रार्थी के अनुसार इस प्रकार की अनियमितता से सड़क दुर्घटनाओं, आपराधिक घटनाओं की जांच तथा वाहन स्वामित्व की पहचान से जुड़े मामलों में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कई बसों का नियमों के विपरीत हो रहा कंवर्जन

सुनवाई के दौरान बसों के मोडिफिकेशन और उनके कथित गलत कंवर्जन का मुद्दा भी उठाया गया। अदालत को बताया गया कि टैक्स बचाने के उद्देश्य से कई बसों का नियमों के विपरीत कंवर्जन किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है और विशेष रूप से स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। याचिका में राज्य में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए हैं। प्रार्थी पक्ष का आरोप है कि लाइसेंस निर्गत करने से पहले आवश्यक जांच और सत्यापन की प्रक्रिया नियमों के अनुरूप नहीं अपनाई जा रही है। कई मामलों में निचले स्तर पर ही औपचारिकताएं पूरी कर दी जाती हैं। फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस के उपयोग का भी आरोप लगाया गया है।

राज्यसभा की दोनों सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत तय, बीजेपी की मंशा उजागर हुई : विनोद कुमार पांडेय

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने दावा किया है कि झारखंड में हो रहे राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के दोनों प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि गठबंधन के पास पर्याप्त समर्थन है और चुनाव परिणाम को लेकर किसी तरह का संशय नहीं है। पांडेय जामताड़ा के दुलाडीह नगर भवन में आयोजित झामुमो के जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विनोद कुमार पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में एक निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन देकर राज्य का राजनीतिक माहौल खराब करने का प्रयास किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम के जरिए जनता के बीच भ्रम फैलाने और गलत संदेश देने की कोशिश की गई है।

राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की आशंकाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर पांडेय ने कहा कि विधायकों की खरीद-फरोख्त की चर्चा तब शुरू हुई जब चुनाव मैदान में तीसरे प्रत्याशी

की एंट्री हुई। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा की राजनीतिक मंशा साफ दिखाई देती है। उनके अनुसार, चुनाव को अनावश्यक रूप से त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया गया है। झामुमो नेता ने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि देश की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसने अपना उम्मीदवार उतारने के बजाय एक निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन क्यों दिया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा के पास पर्याप्त राजनीतिक ताकत है तो उसे सीधे अपने उम्मीदवार के साथ चुनाव मैदान में उतरना चाहिए था।

मिडिल ईस्ट में तीन दिन में तीसरे भारतीय जहाज पर अटैक, ओमान के पास जलवीर पर हमला

नई दिल्ली(ईएमएस): ओमान तट के पास बुधवार को हुए हमले के २४ घंटे बीतने तक एक और हमला रिपोर्ट किया गया है। ये हमला ओमान के शिनास बंदरगाह के पास एक जहाज पर हुआ है। इस शिप का नाम एमटी जलवीर है और सामने आई तस्वीरों में समुद्र के बीच इस शिप को जलते हुए देखा जा सकता है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

अधिकारियों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उन्हें गुरुवार को शिनास बंदरगाह के पास एक पोत (वेसल) से संबंधित घटना की सूचना मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। बयान के अनुसार, घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। फिलहाल घटना के कारणों और संभावित प्रभावों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इस हमले की जानकारी ओमान में भारतीय एंबेसी की ओर से दी गई है। मामले में और जानकारी जुटाई जा रही है।

तीन भारतीय नाविकों की मौत

बता दें कि ओमान तट के पास बीते बुधवार को भी एक कमर्शियल जहाज पर हमला होने की बात सामने आई थी। इस जहाज पर कुल २८ लोग सवार थे। इनमें से २४ भारतीय थे। दुखद बात यह है कि इस हमले के बाद ३ भारतीय लापता हो गए थे, जिनकी मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि २१ भारतीय को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये घटना १० जून की है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। जिस जहाज पर हमला किया गया था उसका नाम सेटेबेलो था।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने की कड़ी निंदा

तेल टैंक पर हुए अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि होने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम ओमान के तट पर वाणिज्यिक पोत सेट्टेबेलो पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। पोत पर सवार २४ भारतीय चालक दल के सदस्यों में से २१ को अब तक बचा लिया गया है और ३ भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।

गृहणियां अब राष्ट्र निर्माता, मासिक मूल्य 30,000 तय:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने गृहणियों के संबंध में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, जिसमें उन्हें केवल होममेकर नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माता (नेशन बिल्डर) बताया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि घर और परिवार की देखभाल में उनके योगदान का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे अनदेखा नहीं कर सकते है। इस योगदान को मान्यता देकर सर्वोच्च न्यायालय ने गृहणियों की मासिक आय ३०,००० निर्धारित की है। जस्टिस संजय करोल और कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा, घरेलू महिलाएं घर में योगदान देती हैं। वे राष्ट्र निर्माता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने होममेकर शब्द को अब नेशन बिल्डर की पहचान भी मिलने की

उम्मीद जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुआवजे की गणना करते समय घरेलू देखभाल सेवाओं के नुकसान को एक अलग मद के रूप में शामिल किया जाए, और इसके लिए गृहणी की काल्पनिक मासिक आय ३०,००० रुपये तय की गई। यह फैसला गृहणियों के अमूल्य श्रम को कानूनी और आर्थिक मान्यता प्रदान करता है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कि देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश इस विषय की निगरानी करने , ताकि गृहणियों के योगदान को उचित और न्यायसंगत कानूनी मान्यता मिल सके। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि गृहिणियों का घरेलू श्रम और परिवार की देखभाल में दिया गया समय समाज और अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस अब मुआवजे के निर्धारण में स्पष्ट रूप से मान्यता दी जाएगी।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी को दी चेतावनी

'दीदी' तय करें अभिषेक को रखेंगी या मुझे छोड़ेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस): टीएमसी को फिर से एक बड़ा झटका लगा है। अब टीएमसी से सांसद और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के करीबी कल्याण बनर्जी ने पार्टी छोडऩे की धमकी दी है। कल्याण बनर्जी, अभिषेक बनर्जी से नाराज चल रहे हैं। उन्होंने ममता बनर्जी से यह तक कह दिया है कि या तो अभिषेक बनर्जी को रखिए या फिर मुझे छोड़ दीजिए। उन्होंने कहा कि मुझे जो कहना है, मैंने 'दीदी' से कह दिया है। कल्याण बनर्जी वरिष्ठ अधिवक्ता भी हैं।

जब पत्रकारों ने पूछा कि आप टीएमसी के साथ हैं, तो कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं ममता दीदी के साथ हूं। अभिषेक पर आरोप लगाते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि वो घमंडी हो गए हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आदर नहीं करते हैं। कल्याण बनर्जी के अनुसार अब वो अभिषेक का केस नहीं लड़ेंगे। कल्याण ने कहा कि अभिषेक के काम करने के तरीकों को लेकर पार्टी में असंतोष है। उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी अभिषेक के साथ मिलकर पार्टी चलाना चाहती हैं तो मैं नहीं रहूंगा।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं अभिषेक बनर्जी का कोई भी केस नहीं लड़ूंगा क्योंकि मुझे उनका घमंडी रवैया पसंद नहीं है। मैंने इस पेशे में ४५ साल बिताए हैं। ये सभी लोग मेरे साथ जूनियर के तौर पर काम कर चुके हैं। वह मेरी बेइज्जती कैसे कर सकते हैं? राजनीति में भी मैं उनसे सीनियर हूं। वह ऐसा नहीं कर सकते। उन्हें यह समझना होगा कि उन्हीं की वजह से हम हारे हैं। उन्हें यह भी समझना होगा कि पार्टी उन्हीं की वजह से इस संकट का सामना कर रही है। मैं बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं दीदी से गुजारिश करूंगा अगर आप अभिषेक बनर्जी से अलग हो जाती हैं, तो मैं आपके साथ हूं। उन्होंने हमारी पार्टी को बर्बाद कर दिया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

नीति आयोग की बैठक-

प्रशिक्षित किया गया है.

नीति आयोग के समक्ष झारखंड ने रखी मांगें-

० जल जीवन मिशन की बकाया ६००० करोड़ राशि जल्द हो जारी.

० कोयला कंपनियों पर १.३६ लाख करोड़ का बकाया का हो भुगतान.

० डीएमएफटी के मानकों में संशोधन की हुई मांग.

० भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सरल बनाने का किया आग्रह.

० स्कूली शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं के एकीकृत राशि देने पर जोर.

० पीपीपी मोड में ६ नए मेडिकल कॉलेजों में से ४ को स्वीकृति मिल चुकी है शेष २ की स्वीकृति जल्द प्रदान करने की मांग.

० झारखंड को राष्ट्रीय, एशियाई और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं तथा खेल महाकुंभों की मेजबानी का अवसर देने का आग्रह.

० झारखण्ड के ७ जिले डीवीसी कमांड एरिया के अंतर्गत हैं और १२-१३ जिले सीसीएल, ईसीएल एवं अन्य केंद्रीय उपक्रमों के उच्च कमांड एरिया में आते हैं. इन क्षेत्रों में सामाजिक आधारभूत संरचना निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण और भूमि स्वामित्व संबंधी अनुमति प्रक्रियाओं में राज्य सरकार को आवश्यक छूट और सरलीकरण प्रदान किया जाए.

नीति आयोग के समक्ष मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि राज्य में १२७६ दवा दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं और मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीट बढ़ाने का प्रस्ताव लंबित है. एआई आधारित डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं. राज्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है. उन्होंने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मांग की. खेल संघों में सुधार और पारदर्शिता की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया.

नीति आयोग की शासी परिषद की ११वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में १० लाख से अधिक पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं. १.५ लाख एकड़ में फलदार पौधरोपण किया गया है. झारखंड का आम अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है. उन्होंने कृषि को कुपोषण से लड़ने के प्रभावी साधन के रूप में प्रस्तुत किया.

राज्य सरकार एआई आधारित सेमी डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है. इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर भी काम जारी है. डेटा शेयरिंग को समयबद्ध बनाने का आग्रह केंद्र से किया गया और डीबीटी में पारदर्शिता और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने पर जोर दिया गया.

मणिपुर में कुकी समुदाय---

इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई गांव से १३ मई को नगा समुदाय के ६ लोगों का अपहरण कर लिया गया था। करीब २९ दिन बाद, ९ जून को कराम वैफेई गांव से ६ शव मिले। माना जा रहा है कि ये शव उन्हीं छह लोगों के हैं, जिन्हें अगवा किया गया था। पुलिस के अनुसार, सभी शव बुधवार रात करीब २ बजे पोरोम्पाट स्थित अस्पताल लाए गए। शवों के पहुंचने की खबर मिलते ही वहां सैकड़ों लोग जुट गए। भीड़ के कारण तनाव बढ़ गया, जिसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोडऩे पड़े। इस घटना के विरोध में कई जगह प्रदर्शन हुए। सेनापति जिले के करोंग इलाके में कुछ लोगों ने सामान से भरे ट्रकों में आग लगा दी। नगा पीपुल्स फ्रंट के कार्यालय में तोडफ़ोड़ की गई। वहीं, तमेंगलोंग जिले के तामेई इलाके में भी लोगों ने हंगामा किया।

बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर फिलहाल बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल हस्तक्षेप से किया इनकार • टीएमसी की याचिका पर अगली सुनवाई 16 को

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की नियुक्ति को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल विपक्ष के नेता के पद पर बने रहेंगे।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब विधानसभा अध्यक्ष

रथींद्रनाथ बोस ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया और तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। टीएमसी का तर्क है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर आधारित नहीं हो सकती। पार्टी का कहना है कि इस पद के निर्धारण में सदन में दलों की वास्तविक संख्या, राजनीतिक परिस्थितियों और संसदीय परंपराओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए उसने इस जिम्मेदारी के लिए सोवंदेब चट्टोपाध्याय को चुना था और अध्यक्ष का निर्णय लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है।

दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी को आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता मिल चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद उनकी स्थिति फिलहाल यथावत बनी रहेगी। अदालत के इस अंतरिम रुख को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे विधानसभा के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है। वहीं टीएमसी इसे अपने राजनीतिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं से जुड़ा मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एक बागी विधायक को विपक्ष का नेता बनाकर स्थापित परंपराओं से हटकर निर्णय लिया है। टीएमसी का कहना है कि इससे सदन की राजनीतिक संरचना और विपक्षी दलों की भूमिका प्रभावित हुई है। मामले की अगली सुनवाई १६ जून को निर्धारित की गई है।

केले का शेक पीने के हैं शौकीन तो पहले जान लीजिए इसके नुकसान

बहुत से लोगों को केला खाने की जगह उसका शेक पीना काफी अच्छा लगता है। हालांकि, केले के शेक को पीने से आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को केले का शेक बनाकर पीना काफी अच्छा लगता है। कभी सुबह नाश्ते के समय तो कभी इवनिंग स्नैक टाइम पर जब हल्की भूख लगती है तो ऐसे में केले का शेक आपको फुलर अहसास करवाता है। केले का शेक बनाने में बहुत अधिक समय भी नहीं लगता है और यह बहुत अधिक टेस्टी भी होता है, इसलिए हर कोई इसे पीना काफी पसंद करता है।

लेकिन क्या आपको पता है कि केले के शेक को सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। केला और दूध एक अच्छा कॉम्बिनेशन नहीं है। हालांकि, दोनों ही अपने आप में बेहद पौष्टिक हैं, लेकिन इन्हें एक अच्छा फूड कॉम्बिनेशन नहीं माना जाता है। जब केले को दूध में ब्लेंड करके उसका शेक बनाया जाता है तो इससे आपकी सेहत को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि केले का शेक बनाकर पीना एक अच्छा आइडिया क्यों नहीं है-

बढ़ सकता है वजन

अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो ऐसे में केले का शेक पीना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है। केले के शेक में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, खासकर अगर इसे फुल-फैट दूध, चीनी या आइसक्रीम के साथ बनाया जाए। इन्हें बार-बार पीने से आपका वजन बढ़ सकता है।

ब्लड शुगर हो सकता है स्पाइक

अगर आपको डायबिटीज या इंसुलिन रेसिस्टेंस की शिकायत है तो ऐसे में आपको केले का शेक बनाकर पीने से परहेज करना चाहिए। केले में नेचुरल शुगर होती है और जब इसे शेक के रूप में दूध के साथ ब्लेंड करके पिया जाता है, तो यह शुगर ब्लडस्ट्रीम में तेजी से अब्जॉर्ब हो जाती है। कई बार इसमें हम स्वीटनर या अन्य हाई शुगर फ्रूट को भी शामिल कर लेते हैं, जिससे आपकी स्थिति और भी खराब हो सकती है।

डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं

अगर आप केले का शेक अधिक मात्रा में लेते हैं तो इससे आपको डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि केले में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। जब लोग जरूरत से ज्यादा केले का शेक पीते हैं तो उन्हें ब्लोटिंग, गैस या कब्ज की शिकायत हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर आप लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ऐसे में केले को दूध के साथ मिलाकर पीने से आपको काफी परेशानी हो सकती है।

कैविटी का बढ़ जाता है रिस्क

केले में नेचुरल शुगर होती है, और जब शेक के रूप में इसे लिक्विड फॉर्म में पिया जाता है तो इससे वे दांतों पर चिपक सकते हैं। जिससे कैविटी का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। खासतौर से, अगर आप ओरल हाइजीन का सही तरह से ख्याल नहीं रखते हैं तो ऐसे में समय के साथ आपको दांतों से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे प्लाक बनने और दांतों की सड़न की शिकायत भी हो सकती है।

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है यह मिनरल, मिलते हैं ये 3 फायदे

सोडियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स के बारे में तो आप सभी जानते होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि मैग्निशियम हमारे शरीर के लिए क्यों जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए हमें कई तरह की विटामिन और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है, अधिकतर हम कैल्शियम, सोडियम आयरन को ही तरजीह देते हैं, लेकिन आपको बता दें कि मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उतना ही जरूरी है इसकी कमी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती है। मैग्नीशियमसे हमें क्या क्या-फायदे हो सकत हैं, इस बारे में आइए जानते हैं।

मैग्निशियम हमारे लिए क्यों जरूरी है

सोडियम कैल्शियम और पोटेशियम के बाद मैग्नीशियमफोर्थ मोस्ट कॉमन मिनरल है, इससे न सिर्फ मसल्स को फायदा होता है बल्कि इससे नर्व फंक्शन और बोन फॉरमेशन करने में भी मदद मिलती है। यह बोन स्ट्रक्चर और उम्र बढ़ाने के साथ बोन डेंसिटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह एंग्जाइटी, इनसोम्निया, माइग्रेन मैं भी मदद कर सकता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है और ब्रेन को आराम देने में मदद करता है, जिससे कोर्टिसोललेवल कम होता है।

रोजाना हमें 200 ग्राम से 300 ग्राम तक मैग्नीशियम की जरूरत होती है। एक्सपर्ट बताते है कि अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, आप एंटाएसिड पर रहते हैं, आपको क्रॉनिक डायरिया है अल्कोहल का सेवन करते हैं और स्मोकिंग करते हैं तो इससे मैग्नीशियम का अब्जॉर्प्शन नहीं हो पाता है।

मैग्नीशियम के सोर्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू, कद्दू के बीज, एवोकाडो, पालक या हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है।

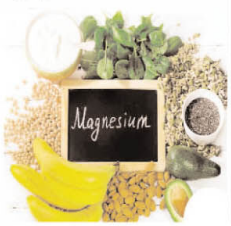

एक दिन में इतने पिस्ता खाने से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें

क्या आप भी वजन घटाना चाहती हैं? तो पिस्ता को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि एक दिन में कितने पिस्ता खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

ड्राई फ्रूट्स को हेल्थ के लिए हमेशा फायदेमंद माना जाता है। हेल्दी ड्राइफ्रूट्स में बादाम, अखरोट और काजू की सबसे ज्यादा बात की जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पिस्ता गुणों की खादान है। पिस्ता सिर्फ हेल्थ के लिए फायदेमंद ही नहीं, बल्कि वजन मैनेज में भी मदद करता है। पिस्ता में ऐसे फाइबर कंटेंट होते हैं जो फूड क्रेविंग्स और भूख को कंट्रोल करते हैं, जिससे वजन को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

ऐसे तो सोशल मीडिया पर वजन मैंटेन करने के लिए कई सारे टिप्स मौजूद हैं, जिसमें तरह-तरह के नट्स और ड्राईफ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन पिस्ता में दूसरे ड्राईफ्रूट्स के मुकाबले कम कैलोरीज होती हैं, जो वजन को मैनेज करने में मदद करती है। अब सवाल उठता है कि वजन मैनेज करने के लिए एक दिन में कितना पिस्ता खाना चाहिए, इसके लिए हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता एक बेहतरीन हेल्दी स्नेक है। पिस्ता खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना वजन मैनेज करना चाहते हैं।

पिस्ता खाने से कंपलीट हाई क्वालिटी प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रियंट है। वजन कंट्रोल करने में पिस्ता मददगार साबित हो सकता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपको फुल महसूस कराते हैं। इससे आप अपने खाने की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं और ओवर इटिंग से भी बच सकते हैं।

पिस्ता को लेकर कई तरह की रिसर्च सामने आ चुकी हैं, जिनमें पिस्ता को बेहतरीन स्नेक बताया गया है। क्योंकि इसमें मौजूद तत्वों से डाइजेशन स्लो होता है और भूख भी कम लगती है। नाश्ते और लंच के बीच लगने वाली भूख के लिए पिस्ता एक बेहतरीन स्नेक की तरह हो सकता है।

क्यों दूसरे ड्राईफ्रूट्स के बीच पिस्ता चुनें?

जब भी ड्राईफ्रूट्स या नट्स की बात आती है, तो ज्यादातर लोगों की पसंद बादाम और अखरोट रहते हैं. लेकिन पिस्ता में सबसे कम कैलोरी होती होती है। कम कैलोरी होने की वजह से आप इसे खाना फायदेमंद हो सकता है. एक पिस्ता में सिर्फ 3 कैलोरी होती है, वहीं एक बादाम में 10 कैलोरी मौजूद होती है। पिस्ता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन बी भी मौजूद होता है। बादाम के बाद हरे नट्स में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

एक दिन में कितना पिस्ता खाएं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 28 ग्राम कैलिफोर्निया पिस्ता में 6 ग्राम प्रोटीन और 3 ग्राम फाइबर मिलता है। एक दिन में लगभग 28 ग्राम पिस्ता खाना आपको वजन मैंटेन करने में मदद कर सकता है। पिस्ता में 30 तरह के जरूरी न्यूट्रियंट्स होते हैं और 90 पर्सेंट अनसेचुरेटेड हार्ट-हेल्दी फैट मौजूद होते हैं।

पिस्ता खाने के फायदे

- पिस्ता बॉडी मास इंडेक्स कंट्रोल करने में भी मदद करता है। पिस्ता को लिमिट और कंट्रोल तरह से खाने से वजन के साथ-साथ लटकता पेट भी कम हो सकता है।
- पिस्ता वजन घटाने के साथ-साथ दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल लेवल कंट्रोल में रहते हैं, जिससे दिल की तंदरुस्ती बनी रहती है.
- पिस्ता को आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है। पिस्ता में एक ऐसा तत्व मौजूद होता है, जो आंखों की रोशनी तेज करने में मदद कर सकता है।
- पिस्ता में मौजूद तत्व, डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।
- पिस्ता में मेमलाटोनिन नाम का एक तत्व होता है जो नींद की समस्या को दूर करता है. साथ ही पिस्ता में कई ऐसे तत्व होते हैं जो मौसमी बीमारियों से भी शरीर को बचाते हैं।

क्या पिस्ता बढ़ा सकता है वजन?

पिस्ता खाने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा खाना नुकसान पहुंचा सकता है। पिस्ता भी अगर लिमिट में खाया जाए तो वह शरीर का वजन नहीं बढ़ाता है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद रहता है। पिस्ता को लिमिट में खाने के लिए ऐसी सलाह दी जाती है कि इसे शेल वाला पिस्ता यानी बिना छिले हुए पिस्ता लेने चाहिए।

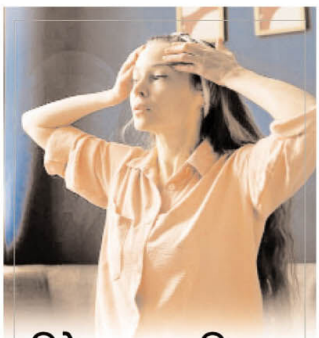

डिप्रेशन का शिकार होने से पहले नजर आते हैं ये 6 लक्षण

डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है ,जिसका समय पर इलाज जरूरी होता है। आजकल के दौर में युवा नौजवान डिप्रेशन के चपेट में तेजी से आ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह मालूम ही नहीं चलता है कि वो डिप्रेशन के शिकार हैं,कई बार मामला हाथ से निकल जाता है। ऐसे में हम आपको वो 6 लक्षण बता रहे हैं जो डिप्रेशन का शिकार होने से पहले किसी भी व्यक्ति में नजर आता है।

अगर आप बहुत ज्यादा खा रहे हैं या बहुत कम खा रहे हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। तनाव के कारण आपको ज्यादा भूख लगती है। तनाव को कम करने के लिए लोग अच्छा खाना खाना चाहते हैं इससे उन्हें सुकून मिलता है, वहीं तनाव के कारण भोजन को लोग बोझ समझने लगते हैं। दोनों ही स्थिति डिप्रेशन की तरफ इशारा करती है।

दुख और निराशा की भावना डिप्रेशन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अगर आप किसी भी काम को करने से पहले निराश हो जाते हैं या छोटी छोटी बातों पर दुखी हो जाते हैं तो आपको इसे डिप्रेशन का लक्षण समझना चाहिए

आपको बार बार मीठा खाने की क्रेविंग होती है यह भी डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। दरअसल तनाव होने पर शरीर को अधिक कैलोरी की जरूरत पड़ती है और इससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ जाती है।

पहले जिस काम को आप खूब आनंद लेकर करते थे और अब आपको उस काम में बिल्कुल भी रुचि नहीं है तो यह भी डिप्रेशन की शुरुआती लक्षणों की तरफ इशारा करता है।

डिप्रेशन से प्रभावित लोग खाने के लिए मन नहीं करता और वे भोजन को एक बोझ मान सकते हैं।

अगर आप बिल्कुल भी सो नहीं पाते हैं या बहुत अधिक देर सोते हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। चिंता के कारण आपको नींद नहीं आती है ,वहीं ऊर्जा की कमी के कारण आप अधिक सोने लगते हैं।

अगर आप आसानी से किसी भी बात पर भड़क जाते हैं, कोई कुछ कह देता है तो आप चिड़चिड़े होकर गुस्सा करने लगते हैं तो यह भी डिप्रेशन की तरफ इशारा करता है। चिंता के कारण व्यक्ति पर निरंतर भावनात्मक दबाव बना रहता है जिससे वे छोटी-छोटी बातों पर भी भड़क सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है यह लाल फल

नाशपाती तो आप सभी ने खाई होगी। यह मानसून में खूब मिलता है। खट्टा मीठा स्वाद इसका खूब पसंद आता है। अमूमन लोग हरे या पीले कलर की नाशपाती खाते हैं लेकिन क्या आपको मालूम है कि लाल रंग की भी नाशपाती होती है,जो की सेहत को काफी ज्यादा फायदा पहुंचती है।

लाल नाशपाती खाने के फायदे

लाल नाशपाती खाने से दिल के सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक मुक्त कणों को भी असर करने में मदद करते हैं ऑक्सीडेटिव छाती और सूजन को रोकते हैं जो हृदय रोग में योगदान कर सकते हैं।

लाल नाशपाती खाने से पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो आंतो की गतिशीलता को सुधरता है गैस कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

इसे खाने से त्वचा को भी फायदा मिलता है विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड से भरपूर लाल नाशपाती त्वचा को मुक्त कणों से बचते हैं उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में सहायक होते हैं।

लाल नाशपाती में कैलोरी की बहुत कम मात्रा होती है और इसकी उच्च फाइबर सामग्री वजन नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है जब आप फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कहते हैं तो आपको भूख बार-बार नहीं लगती है और कम खाने से आपका वजन कम हो सकता है। इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है इसमें विटामिन के होता है जो हड्डियों के लिए काफी जरूरी है पोटेशियम होता है जो शरीर में फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

दुबई में चाहिए नौकरी तो इन चीजों की तैयारी करना अभी से कर दें शुरू

दुबई में नौकरी करने का सपना कई लोगों का होता है। हालांकि यहां नौकरी पाने के लिए आपको कुछ चीजों के बारे में जान लेना चाहिए।

ज्यादातर लोग अपने करियर के किसी ना किसी पड़ाव पर विदेश जाकर नौकरी करने का सोचते हैं। विदेश में नौकरी करना कई लोगों का सपना होता है। खासकर भारत से दुबई जाने में ज्यादा खर्च नही आता है। यह भी एक कारण है जिसके वजह से लोग दुबई जाकर नौकरी करते है। अगर आप भी दुबई में नौकरी करने का प्लान कर रहे हैं तो इन चीजों के बारे में जान लें।

अंग्रेजी सीख लें

अगर आपको दुबई में नौकरी करना है तो आपकी अंग्रेजी ठीक होनी चाहिए। अगर आपकी अंग्रेजी ठीक नहीं है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती हैं। अगर आपकी अंग्रेजी ठीक है तो आपको आसानी से किसी भी पोस्ट की नौकरी मिल जाएगी।

कम्युनिकेशन स्किल्स

आपको अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर विशेष ध्यान देने की जरूरत हैं। अगर आपका कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छा है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं होगी। दुबई में अच्छी नौकरी के साथ आपको काफी अच्छा सैलरी भी दी जाती हैं।

दुबई में नौकरी कैसे ढूंढें

- कई लोग को यह समझ नहीं आता है कि उन्हें दुबई में नौकरी की तलाश कैसे करनी हैं। अगर आपको दुबई में नौकरी चाहिए तो आपको LinkedIn की मदद से नौकरी की तलाश करना चाहिए।
- इसके अलावा आप चाहे तो Indeed की मदद से भी नौकरी मिल सकती हैं।
- जब तक आपको नौकरी नहीं मिलती हैं तब तक आप टूरिस्ट वीजा पर दुबई जाकर नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफस्टाइल के लिए कारगर बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री

बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री उन युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर कारगर साबित होता है जो अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफस्टाइल के नवीन अवसरों व स्किल्ड जॉब्स की तलाश में रहते हैं।

सभी लोग एजुकेशन के बाद अच्छी नौकरी, वेतन और करियर के साथ बेहतर भविष्य चाहते हैं। इसके लिए छात्र देश से लेकर विदेश तक जाकर पढ़ाई भी जमकर करते हैं। क्योंकि जितनी अच्छी नौकरी होगी, उतना अच्छा जीवन होगा। अच्छे करियर के लिए ज्यादातर स्टूडेंट्स साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या मैथमेटिक्स स्ट्रीम को चुनते है। इसकी एक सबसे बड़ी वजह है कन्वेंशनल इंजीनियरिंग डिग्री में सभी तरह के इम्पोर्टेन्ट अध्यन का न मिल पाना। इसी अपूर्ण को पूर्ण करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सो के माध्यम से स्टूडेंट्स को बीवोक कोर्स कराता है। जिस से सभी स्टूडेंट्स अपने स्किल को डेवलप कर अपना करियर बना सकें।

क्या है बीवोक कोर्स

यह एक तीन साल का डिग्री कोर्स होता है, जिसे विभिन्न विषयों जैसे होटल मैनेजमेंट, मेटल कन्स्ट्रक्शन, उद्यमिता विकास, हेल्थकेयर में स्किल डेवलप कराया जाता है। इसका का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है और छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण के साथ विभिन्न आधुनिक क्षेत्रों में कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है। इससे युवा अपने भीतर छिपे हुए हुनर को विकसित कर पाएंगे।

बीवोक कोर्स करने की योग्यता

यह कोर्स आप 10वीं के बाद भी कर सकते हैं, बशर्ते आपको दसवीं के बाद 2 साल की आईटीआई का कोर्स करना होगा, उसके बाद आप वोकेशन कोर्स कर सकते है। वहीं अगर आप 12वीं के बाद करना चाहते हैं, लेकिन कुछ सब्जेक्ट्स के लिए आपकी स्ट्रीम उस सब्जेक्ट से संबंधित होनी चाहिए। वोकेशन कोर्स की एडमिशन हर साल होता है, इसके लिए आपको इंटर्नशिप एग्जाम देना आवश्यक है। इंटर्न्स एग्जाम पास होने वाले स्टूडेंट्स का ही एडमिशन लिया जाता है। इस कोर्स में 3 साल में 6 सेमेस्टर होते है और हर सेमेस्टर में आपका एग्जाम होता है तथा आपको हर सेमेस्टर में एग्जाम पास करने के बाद आपको सर्टिफिकेट दिया जाता है। अगर आप किसी कारणवश पहले साल में इस कोर्स को छोड़ देते है तो आपको डिप्लोमा का सर्टिफिकेट भी मिलता है। वहीं तीनों साल को पूरा करेंगे तो आपको ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त होगी।

बीवोक कोर्स क्यों करें

आज के समय में छात्र अपनी स्किल डेवलप करने वाले कोर्स करने के लिए विदेश जाते हैं, क्योंकि वहां जो भी पढ़ाई होता है स्किल बेस्ड होता है। हमारे देश की सबसे बड़ी कमी है कि हम जो भी पढ़ाई करते हैं उसमें हमें जरूरी स्किल नहीं मिल पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सेज के जरिए बच्चों को स्किल्ट्रेनिंग प्रदान करना चाहती है जिससे सभी विद्यार्थी एक बेहतर भविष्य के लिए पूर्ण रूप से तैयार हो पाए।

बीवोक कोर्स कैसे करे

आज का समय बीवोक कोर्स का है। क्योंकि एक समान होटल मैनेजमेंट या सामान्य इंजीनियरिंग की डिग्री इतनी वैल्यू नहीं रखती जितनी एक बीवोक डिग्री होती है। इसका कारण है, इसमें पढ़ाई के साथ-साथ आप स्किल्स भी सीख लेते हैं। इसमें आप विभिन्न सब्जेक्ट जैसे कि हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, आर्ट्स, कॉमर्स, डेयरी फार्मिंग कोर्स कर सकते हैं। वहीं टेक्निकल कोर्सेज जैसे मेडी कंस्ट्रक्शन और टेक्नीशियन जैसे कोर्स भी होते हैं। इसमें छात्रों को बेहतर ट्रेनिंग के लिए मशीन दी जाती है। हर छात्र काम की बारीकी को अच्छे से समझ सके इसके लिए स्विस ट्रेनर की निगरानी में हर छात्र को व्यक्तिगत तौर पर मशीन पर ट्रेनिंग दी जाती है। हर वर्ष छात्र को 6 महीने यूनिवर्सिटी में और बाकी 6 महीने इंडस्ट्री में ट्रेनिंग दी जाती है।

बीवोक कोर्स के बाद सैलरी

सभी चाहते हैं कि पढ़ाई पूरी होने के बाद एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिले। वोकेशनल कोर्स करने के बाद आप किसी भी कंपनी में फ्रेशर के तौर पर 20,000 से 30,000 से नौकरी शुरू कर सकते हैं। जिसके बाद आप अनुभव व अपने स्किल के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

मुख्य संस्थान

- एसएमएस, लखनऊ
- एचआईएमसीएस, मथुरा
- एचआईटीएस, चेन्नई
- जैन यूनिवर्सिटी, बंगलौर
- पारूल यूनिवर्सिटी

आप भी बन सकते हैं बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) कुछ ही दिनों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्पेशलिस्ट ऑफिसर्स की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करता है। इस परीक्षा में चयनित होने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। फिर रिटन एग्जाम और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होती है। इस परीक्षा का प्रश्नपत्र 4 भागों में बंटा होता है : रीजनिंग, इंग्लिश लैंग्वेज, प्रोफेशनल नॉलेज तथा बैंकिंग के विशेष संदर्भ में जनरल अवेयरनेस (केवल लॉ ऑफिसर स्केल 1 व 2 तथा राजभाषा अधिकारी हेतु)/ क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड (अन्य सभी स्पेशलाइजेशंस हेतु)। चलिए, जानते हैं कि इन सेक्शंस में किस तरह अच्छा स्कोर किया जा सकता है।

इंग्लिश लैंग्वेज

यह इस परीक्षा का सबसे स्कोरिंग सेक्शन है। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ग्रामर तथा लैंग्वेज पर अच्छी पकड़ जरूरी होती है। आपके ग्रामर संबंधी कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होने चाहिए। साथ ही आपकी वोकैब्युलरी भी मजबूत होनी चाहिए। इस सेक्शन में आम तौर पर पैसेज बेस्ड क्वेश्चन, कॉमन एरर इन सेंटेंस, रैपिड फिलर, क्लोज टेस्ट, एंटॉनिम्स एंड सिनॉनिम्स शामिल होते हैं।

क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड

इस सेक्शन के प्रश्नों को हल करने के लिए उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल किए गए सभी टॉपिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही इस सेक्शन में स्पीड भी महत्वपूर्ण होती है। ध्यान रहे, इस सेक्शन में कोई भी प्रश्न छोड़ें नहीं। इसकी तैयारी के दौरान किसी भी टाइप के प्रश्न को कम न आंकें। यह कभी नहीं कहा जा सकता कि किस साल किस टाइप के प्रश्नों को इस परीक्षा में ज्यादा महत्व मिल जाए। इसमें आम तौर पर नंबर सिस्टम, रेश्यो, प्रॉफिट-लॉस एंड डिस्काउंट, पर्सेंटेज, एवरेज, डेटा इंटरप्रिटेशन, टाइम एंड वर्क आदि से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया डेटा इंटरप्रिटेशन के प्रश्नों पर अधकि जोर देता है।

रीजनिंग एप्टिट्यूड

रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए मानसिक सतर्कता और लॉजिकल स्किल जरूरी है। इस सेक्शन में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति समझने के लिए मॉडल पेपर तथा पिछले वर्षों के पेपर हल करें। इसमें वर्बल एंड नॉन-वर्बल रीजनिंग के टॉपिक शामिल होते हैं, जैसे एनालॉजी, इनपुट-आउटपुट, क्लासिफिकेशन, इंफेरेंस आदि।

प्रोफेशनल नॉलेज

यह आपको अपना कंफर्ट जोन लग सकता है क्योंकि इसमें आपकी स्ट्रीम या स्पेशलाइजेशन से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे। यहां भी आपके बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर होने से आप फायदे में रहेंगे।

जनरल अवेयरनेस

जनरल अवेयरनेस सेक्शन की तैयारी के लिए तो आपको लगातार समसामयिक घटनाओं से अपडेटेड रहना होगा। नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहें। साथ ही बैंकिंग संबंधी ताजा घटनाक्रम पर नजर रखें।

एक टेलीमार्केटर वह शख्स है जो कि फोन पर किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के लिए जिम्मेदार होता है। टेलीमार्केटर्स प्राइवेट ऑफिस, कॉल सेंटर या घर से भी काम कर सकते हैं। चूंकि टेलीमार्केटर्स अपने ग्राहकों से फेस-टू-फेस नहीं मिलते हैं इसलिए अच्छी टेली मार्केटिंग स्किल होना बहुत जरूरी है। अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

जो आप बेच रहे हैं उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। आपको इस बात की अच्छी समझ होनी चाहिए कि यह क्या है, कैसे काम करता है और किस तरह से संभावित ग्राहकों के लिए उपयोगी है। इसके अलावा, जो आप बेच रहे हैं उसे लेकर आपमें विश्वास होना जरूरी है।

जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी रखें। एक अच्छा टेलीमार्केटर केवल उत्पाद या सेवा नहीं बेचता बल्कि वह कंपनी का भी प्रतिनिधित्व करता है। आपको यह बताने योग्य होना चाहिए कि ग्राहकों को उनके प्रतिद्वंदियों की बजाए उन्हें क्यों चुनना चाहिए। कंपनी का इतिहास, उसकी सोच, मिशन, ग्राहकों के रिव्यूज और इंडस्ट्री रेटिंग्स पता होना चाहिए। आप यह समझें कि सेल्स प्रोसेस क्या है। इसमें क्लोजिंग पेपरवर्क, बिलिंग, शिपिंग, रिफंड/रिटर्न पॉलिसी, कस्टमर सपोर्ट और उन्हें जरूरी फॉलोअप शामिल है। अपनी स्क्रिप्ट की प्रैक्टिस कर लें। जब तक आप इसमें सहज न हो जाएं इसे तेज पढ़े।

कॉन्फिडेंस दिखाएं

एक अच्छा टेलीमार्केटर अधिकार से बोलता है जिससे ग्राहकों के दिमाग में बात अच्छे से चले जाती है। अगर आपकी तैयारी पूरी है तब आपको आपके कॉल करने और आपकी कंपनी के बारे में विश्वास के साथ बात करना चाहिए।

प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स

धीरे लेकिन तेज और साफ बोले ताकि आपके कस्टमर को बात आसानी से समझ आ जाएं। बुदबुदाएं नहीं। अपना परिचय दें और बातचीत में जितनी जल्दी हो सके कॉल का मकसद बताएं। रूके और आगे बढ़ने के लिए उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार करें। बहुत ज्यादा या बहुत कम बोलने से बचे बल्कि संतुलित वार्तालाप करें। बहुत ज्यादा फिलर्स का उपयोग करने से बचें।

सपाट न हो टोन

टेलीमार्केटिंग में स्क्रिप्ट्स बहुत आम बात है विशेषकर कॉल सेंटर के माहौल में। लेकिन यह संभव है कि आप उस तरह बोले कि ऐसा न लगे कि आप पेपर से पढ़कर बोल रहे हैं। धीरे-धीरे सांस लें और कॉल करने से पहले रिलेक्स हो जाएं।

पॉजिटिव मेंटल एटिट्यूड

याद रखे कि कुछ लोग आपका कॉल एक्सपेक्ट नहीं कर रहे होंगे और इसके लिए ग्रहणशील न हो। इसमें कोई नई बात नहीं है कि आपकी बात में एक रूचि लेने वाले ग्राहक के पहले कई ग्राहक अच्छे टेलीमार्केटर को भी रिजेक्ट कर देंगे।

संक्षिप्त समाचार

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया होगा बैन

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। बुधवार

को पेश किए गए नए कानून के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लग सकती है। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियां तभी छूट पा सकेंगी, जब वे यह साबित कर दें कि उनका प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। कनाडा के संस्कृति मंत्री मार्क मिलर ने इस पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चों को सुरक्षित रखने में असफल हो रहे हैं। अब बहुत हो गया है और हमें सुरक्षा के बुनियादी नियम लागू करने ही होंगे। यह कानून सात तरह की हानिकारक चीजों को रोकने पर ध्यान देगा। इसमें खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाने वाली बातें, हिंसा भड़काना, नफरत फैलाना और बिना मर्जी के निजी तस्वीरें डालना शामिल है। सरकार 'डिजिटल सेफ्टी कमीशन ऑफ कनाडा' नाम से एक नया विभाग बनाएगी। इसे पूरी तरह काम शुरू करने में 18 महीने का समय लग सकता है। यह विभाग ही तय करेगा कि किन कंपनियों को नियमों से छूट मिलनी चाहिए। कंपनियों को अब उम्र की जांच करने का पक्का तरीका अपनाना होगा। जो प्लेटफॉर्म एडल्ट कंटेंट दिखाते हैं, उन्हें किसी भी तरह की छूट नहीं मिलेगी। यह कानून सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट्स बनाने वाली कंपनियों के लिए भी नियम तय किए गए हैं। इन कंपनियों को जिम्मेदारी से काम करना होगा और संकट के समय मदद के लिए खास इंतजाम करने होंगे। दुनिया के कई और देश भी ऐसे कदम उठा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और इंडोनेशिया ने पहले ही उम्र से जुड़ी पाबंदियां लगा दी हैं। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी ऐसे ही नियमों पर काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में इस कानून के आने के बाद बच्चों के लगभग 47 लाख अकाउंट बंद किए गए हैं। कनाडा के अधिकारी ऑस्ट्रेलिया के अनुभवों से सीख लेकर अपने नियम लागू करेंगे। 'कनाडाई सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन' ने सरकार के इस फैसले की तारीफ की है। संस्था का कहना है कि सोशल मीडिया पर बच्चों के साथ होने वाले अपराध और शोषण के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। इसलिए ऐसे सख्त कानूनों की बहुत जरूरत है।

जनता का विद्रोह तेज, दमन के बावजूद 1.5 लाख प्रदर्शनकारी रावलकोट की ओर बढ़े

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन के दौरान सैन्य बलों की गोलीबारी में 32 से ज्यादा लोगों की मौत के बाद भी जनता का हौसला नहीं टूटा है। सुरक्षाबलों की सख्ती को धता बता बुधवार को डेढ़ लाख से ज्यादा प्रदर्शनकारी रावलकोट की ओर बढ़े। आटा, बिजली के भारी बिलों व बुनियादी सुविधाओं के लिए शुरू हुआ आंदोलन अब जन विद्रोह का रूप ले चुका है। इस्लामाबाद और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ पीओके के लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है। हाथों में बैनर थामे प्रदर्शनकारियों के विशाल समूह रावलकोट, बाग, हट्टियान बाला, कोटली, मीरपुर, सुधनोती, धीरकोट, डडयाल व मुजफ्फराबाद की सड़कों पर मार्च कर रहे हैं। रावलकोट में इकट्ठा होने के बाद यह जनसमूह मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेगा। प्रशासन के सामने 38 सूत्रीय मांगें रखी जाएंगी। उधर, प्रदर्शनकारियों को मुजफ्फराबाद पहुंचने से रोकने के लिए प्रशासन ने मुख्य राजमार्गों और संपर्क मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। बड़े-बड़े पेड़ों को काटकर सड़कों पर डाल दिया गया है, ताकि काफिलों की रफ्तार रोकी जा सके। इसके बावजूद जनता का हुजूम वैकल्पिक रास्तों से आगे बढ़ रहा है। सुरक्षाबलों की गोलीबारी में घायल 38 से अधिक लोग अस्पतालों में जहां जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं, वहीं पाकिस्तानी हुकूमत ने दमन और तेज कर दिया है।

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच खाड़ी देशों पर भी हमले, कुवैत का एयर डिफेंस सिस्टम दे रहा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। कुवैत, बहरीन और जॉर्डन ने सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं। बहरीन में एयर रेड सायरन बजाए गए, जिसके बाद लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने और सरकारी निर्देशों का पालन करने को कहा गया। इस बीच ईरानी अधिकारियों ने अमेरिकी हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने की घोषणा की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि उसने ईरान के सैन्य निगरानी तंत्र, संचार नेटवर्क और वायु रक्षा ठिकानों पर आत्मरक्षा के तहत हमले किए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों समेत 18 महत्वपूर्ण लक्ष्यों को निशाना बनाया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका दबाव जारी रखता है तो पूरा क्षेत्र गंभीर संकट में

फंस सकता है। जॉर्डन में भी वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय कर दी गई। अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में मिसाइल, ड्रोन या रॉकेट देखे गए हैं और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई है। ईरान द्वारा अमेरिकी हमलों का बदला लेने की धमकी के बाद कुवैत का कहना है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम फायरिंग कर रहे हैं। वहीं एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के कारण कुवैत ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की फोर्स ने 10 जून को ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त आत्मरक्षा हमले पूरे किए। ये हमले उस लगातार आक्रामकता के जवाब में किए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय जलक्षेत्र में अमेरिकी फोर्स और अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों को खतरा था।

आईआरजीसी ने पलटवार का किया दावा

ईरान की सेना आईआरजीसी ने अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है। हालांकि आईआरजीसी ने विस्तृत जानकारी नहीं दी। बहरीन में सायरनों की आवाजें सुनी गई हैं। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के एक सैन्य हेलिकॉप्टर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका सेना को जवाबी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। बल्कि इसका उद्देश्य भविष्य में किसी भी तरह की डील या समझौते की शर्तें तय करना भी है।

स्कूली बच्चों से भरी मिनी बस में लगी आग, 24 में से सात बच्चों की दर्दनाक मौत

हरारे (जिम्बाब्वे), एजेंसी। अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। बुधवार दोपहर ग्वेरू शहर में स्कूली बच्चों से भरी एक मिनीबस में अचानक आग लग गई, जिसमें 7 बच्चों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में वाहन में कुल 24 बच्चे सवार थे। स्थानीय पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि मिनीबस में रखा पेट्रोल से भरा जरीकेन आग लगने की वजह बना। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि बच्चों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। कुछ बच्चे किसी तरह वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कई अंदर ही फंस गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिनीबस का चालक और कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग और राहत टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। राज्य प्रसारक न्यूज ने घटना स्थल की तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें जली हुई मिनीबस दिखाई दे रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है, लेकिन शुरुआती जांच में यह संकेत मिला है कि वाहन के अंदर रखा पेट्रोल से भरा कंटेनर आग का कारण हो सकता है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिम्बाब्वे में निजी मिनीबस और अनियमित टैक्सी सेवाएं अक्सर स्कूल बच्चों के परिवहन के लिए उपयोग की जाती हैं। इस घटना ने एक बार फिर देश की स्कूल परिवहन व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिम्बाब्वे में इससे पहले भी ओवरलोडेड वाहनों को लेकर कई बार चिंता जताई गई है। कुछ महीने पहले ही एक मंत्री ने 42 बच्चों से भरी मिनीबस को रोका था, जबकि उसकी कानूनी क्षमता केवल 15 यात्रियों की थी। अफ्रीकी देशों में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या बनी हुई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल यहां लाखों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है।

स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती

दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है।

एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था। अब प्रशासन का पूरा ध्यान लोगों को जागरूक करने, सुरक्षित तरीके से अंतिम संस्कार करने और निगरानी बढ़ाने पर है।

बुल्गारिया में जयशंकर का दुनिया को शांति का संदेश:, कहा- यह युद्ध का युग नहीं, आतंकवाद पर भारत का स्पष्ट दृष्टिकोण

वार्ना, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों के बीच संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र समाधान बताया और भारत के इस रुख को दोहराया कि यह युद्ध का युग नहीं है। जयशंकर ने बुधवार को अपनी बुल्गारियाई समकक्ष वेलिस्लावा पेट्रोवा-चमोवा के साथ बैठक के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर और अनिश्चित दौर से गुजर रही है। कई बड़े संघर्ष जारी हैं, आर्थिक सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं, महामारी का हालिया अनुभव है और आतंकवाद का खतरा बार-बार सामने आ रहा है। जयशंकर ने कहा, इन सभी मुद्दों पर भारत का स्पष्ट दृष्टिकोण है। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। इन संघर्षों का एकमात्र समाधान संवाद और कूटनीति है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत ने ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को लगातार उठाया है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। विदेश मंत्री ने कहा, जहां तक आर्थिक जोखिमों का सवाल है, उसका समाधान आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती तथा उसके और अधिक विविधीकरण में है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि समुद्री व्यापार न तो बाधित हो और न ही खतरे में पड़े। ग्लोबल साउथ की ओर से भारत ने ऊर्जा, खाद्य और उर्वरकों से जुड़ी चिंताओं को बार-बार रेखांकित किया है। जयशंकर ने कहा, ...कोविड काल ने गहरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता को भी प्रदर्शित किया। आतंकवाद के मुद्दे पर जयशंकर ने कहा, आतंकवाद के मामले में दुनिया को शून्य सहिष्णुता का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। इन सभी मुद्दों पर भारत और बुल्गारिया के विचारों में समानता रही। जयशंकर 10-11 जून को बुल्गारिया और फिनलैंड की दो देशों की यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य यूरोपीय साझेदारों के साथ भारत की भागीदारी को आगे बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है।

55 साल की टीचर का 16 वर्षीय छात्र पर आया दिल: चंद दिनों में 600 कॉल व 19 हजार मैसेज

वाशिंगटन, एजेंसी। एक स्कूल की 55 वर्षीय महिला टीचर पर अपने 16 वर्षीय छात्र के साथ कथित तौर पर अनुचित संबंध रखने के आरोप ने अमेरिका में चर्चा छेड़ दी है। जांच में दावा किया गया है कि महिला ने महज तीन महीनों के भीतर छात्र को 19,000 से अधिक टेक्स्ट मैसेज भेजे और दोनों के बीच करीब 600 फोन कॉल्स भी हुईं। आरोपी की पहचान अमांडा काट्ज के रूप में हुई है, जो एक स्कूल में टीचर और प्रशासनिक सहायक (एडमिन असिस्टेंट) के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के अनुसार दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच दोनों के बीच लगातार संपर्क बना रहा।

मां को पता चला तो खुला मामला- रिपोर्ट के मुताबिक, मामले का खुलासा तब हुआ जब छात्र की मां को महिला और किशोर के बीच हुए संदेशों की जानकारी मिली। एक पारिवारिक यात्रा के दौरान कुछ संदेश सामने आए, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई। जांच एजेंसियों ने दोनों के बीच हजारों संदेशों और सैकड़ों कॉल्स का रिकॉर्ड बरामद किया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, कई संदेशों में महिला ने छात्र के प्रति गहरे भावनात्मक लगाव का जिक्र किया था। जांच दस्तावेजों के अनुसार, एक संदेश में महिला ने कथित तौर पर लिखा, मैं तुम्हारे बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रही हूं। वहीं एक अन्य संदेश में उसने कहा, मैं तुम्हारे लिए पागल हूं। पुलिस का दावा है कि दोनों के बीच भविष्य की योजनाओं, रिश्ते और इस संबंध को दूसरों से छिपाकर रखने जैसे विषयों पर भी बातचीत हुई थी। जांचकर्ताओं के अनुसार, छात्र ने बताया कि महिला ने उसे कुछ उपहार भी दिए थे। इनमें एक पॉकेट नाइफ और एक गेमिंग डिवाइस शामिल था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महिला ने कथित तौर पर छात्र को उसके परिवार से दूर जाकर उसके साथ नई जिंदगी शुरू करने का सुझाव दिया था। बाद में जब छात्र ने दूरी बनानी शुरू की, तो महिला ने कई भावनात्मक संदेश भेजे और अपना दिल टूटने की बात कही। मामला सार्वजनिक होने के बाद अमांडा कैट्ज ने 30 अप्रैल को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने 2 जून को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बाद में 25,000 डॉलर के बॉन्ड पर उन्हें रिहा कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों तथा गवाहों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने एक बार फिर शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा, कर्मचारियों के आचरण और नाबालिगों के साथ पेशेवर सीमाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच पूरी होने तक आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्धारण अदालत की प्रक्रिया के माध्यम से होगा।

फिलीपीन में भीषण भूकंप के बाद 2100 झटकों से दहशत, 35000 बेघर

सैंटोस, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपीन के जनरल सैंटोस शहर में सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 2,100 से अधिक झटके आए। इससे बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है। 7.8 की तीव्रता वाले भूकंप में मरने वालों की संख्या 45 हो चुकी है, जबकि 17 लोग लापता हैं। अधिकतर मौतें इमारतों के ढहने से गिरे मलबे और भूस्खलन के कारण हुईं। भूकंप के चलते करीब 35 हजार लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। जनरल सैंटोस में बचावकर्मी हेलमेट पहनकर आंशिक रूप से ढहे हुए किराना स्टोर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक और तेज झटका महसूस हुआ। इसके बाद झुकी हुई इमारत से मलबा गिरने लगा। सुरक्षा अधिकारी ने सीटी बजाकर और अन्य कर्मियों ने चिल्लाकर करीब 30 दमकलकर्मियों तथा तटरक्षक बल के जवानों को सुरक्षित स्थान पर जाने की चेतावनी दी। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेसा मिया टैक्टाक्विन-बेटोया ने बताया कि जिस किराना स्टोर में बचाव अभियान चलाया जा रहा था, उसकी दो ऊपरी मंजिलें मुख्य भूकंप में ढह गई थीं। वहां एक लापता कर्मचारी की तलाश की जा रही थी। उन्होंने कहा, झटका काफी तेज था। इसलिए तुरंत अलार्म बजाया गया ताकि आसपास मौजूद लोग बाहर निकल सकें।

भूकंप के चलते जनरल सैंटोस का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भी प्रभावित हुआ है, जिसके कारण उसे अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। केवल राहत सामग्री और आपदा राहत कर्मियों को ले जाने वाली सरकारी तथा

सैन्य उड़ानों को अनुमति दी जा रही है। प्रशासन के मुताबिक प्रभावित प्रांतों में लगभग 6,000 सरकारी स्कूल भवनों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाना है, जिसके बाद ही कक्षाएं फिर शुरू हो सकेंगी।

इंडोनेशिया, पलाऊ व जापान तक पहुंचीं लहरें: भूकंप के बाद समुद्र में ज्वार स्तर से 1.4 मीटर ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जिससे कम से कम एक व्यक्ति समुद्र में बह गया और उसकी मौत हो गई। इंडोनेशिया, पलाऊ और दक्षिणी जापान के तटों पर भी छोटी लहरें पहुंचीं, जिसके बाद सुनामी चेतावनी वापस ले ली गई। जनरल सैंटोस के निकट सात तैराक भी भूकंप के तुरंत बाद तेज समुद्री धाराओं में बह गए। इनमें तीन को तटरक्षक बल ने बचा लिया, एक तैरकर किनारे पहुंच गया, एक की मौत हो गई और दो अब भी लापता हैं।

शक्तिशाली भूकंप के चलते फिलीपीन में कम से कम 630 लोग घायल हुए हैं। 3,100 से अधिक मकान, 29 सड़कें, 11 पुल और 100 से अधिक सरकारी भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। फिलीपीन जापान की तरह भूकंप संभावित क्षेत्र है। देश में 17 अगस्त, 1976 को 8.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने सुनामी पैदा की थी और लगभग 8,000 लोगों की जान ले ली थी।

आधी सदी में सबसे शक्तिशाली भूकंप: फिलीपीन ज्वालामुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल के अनुसार, भूकंप के बाद अब तक 2,100 से अधिक झटके दर्ज किए गए हैं। इनमें कुछ की तीव्रता 6.4 तक रही। भूकंप के कारण 35,000 से अधिक लोग अब भी विस्थापित हैं। कई सरकार की तरफ से संचालित 45 राहत शिविरों में रह रहे हैं। वे मानसिक आघात के कारण अपने घर लौटने की स्थिति में नहीं हैं। सोमवार का भूकंप फिलीपीन में पिछले आधी सदी के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक माना जा रहा है।

प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित होने के कारण फिलीपीन दुनिया के सबसे अधिक आपदा-प्रवण देशों में शामिल है। यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट जैसी प्राकृतिक आपदाएं आती रहती हैं। रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर के चारों ओर स्थित एक घोड़े की नाल के आकार का क्षेत्र है।

होर्मुज सभी जहाजों के लिए बंद हैं', बढ़ते तनाव के बीच ईरानी सेना का बड़ा एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी जहाजों के लिए बंद करने का एलान किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि इस मार्ग से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जा सकता है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में बढ़ती असुरक्षा और अमेरिका के नए सैन्य हमलों के बाद यह फैसला लिया गया है। आदेश के अनुसार तेल टैंकरों, मालवाहक जहाजों और अन्य सभी प्रकार के समुद्री जहाजों की आवाजाही तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। ईरानी मीडिया के मुताबिक होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक बलों और आईआरजीसी की नौसेना के बीच भारी तनाव और गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं। आईआरजीसी नौसेना का दावा है कि उसने दो ऐसे जहाजों को निशाना बनाया जो उसकी अनुमति के बिना जलडमरूमध्य से गुजरने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच अमेरिका ने ईरान के कई तटीय इलाकों पर नए हमले शुरू किए हैं। रिपोर्टों के अनुसार बंदर अब्बास, सीरिक, किश्म द्वीप और हेंगाम द्वीप समेत कई स्थानों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों के बाद दक्षिणी ईरान के कई इलाकों में विस्फोटों की खबरें आई हैं। मिनाब काउंटी के करगान क्षेत्र में अमेरिकी हमले के बाद दो स्थानीय निवासी घायल होने की भी सूचना है। उधर अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की है कि उसकी सेना ने ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त 'आत्मरक्षा संबंधी' हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की लगातार आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

ट्रंप को मोदी से माफी मांगनी चाहिए: अमेरिकी गायिका मिलबेन ने भारत-यूएस रिश्तों को मजबूत करने की अपील की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मेरी मिलबेन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध कमजोर पड़ गया है। ऐसा राष्ट्रपति ट्रंप के सलाहकारों की गलत सलाह की वजह से हुआ है। मिलबेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक माफी उधार है और ट्रंप को जी-7 शिखर बैठक के दौरान माफी मांगनी चाहिए।

मिलबेन ने कहा, ट्रंप को फ्रांस में होने वाले इस शिखर सम्मेलन का इस्तेमाल पीएम मोदी के साथ रिश्ते सुधारने के लिए करना चाहिए। मिलबेन, भारत-अमेरिका के मजबूत रिश्तों की मुखर समर्थक हैं और उन्होंने दोनों देशों के मौजूदा संबंधें पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हमने निश्चित रूप से राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के दौरान बहुत अपनापन देखा। निश्चित रूप से, जब 2019 में प्रधानमंत्री हाउडी मोदी रैली के लिए ह्यूस्टन आए थे, तो हमने दोनों नेताओं के बीच जो अपनापन देखा, वह बहुत असली था और मेरा मानना है कि वह रिश्ता

असली है। लेकिन मौजूदा प्रशासन के दौरान यह तालमेल कुछ कमजोर पड़ा है।

अमेरिकी गायिका ने कहा, मौजूदा अमेरिकी प्रशासन को भारत के साथ साझेदारी के रणनीतिक महत्व के बारे में गलत सलाह दी गई है। भारतीय विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देते हुए, मिलबेन ने हाल ही में यह भी कहा था कि मोदी को ट्रम्प की हर टिप्पणी का जवाब देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें भारतीयों के हित में काम जारी रखना चाहिए। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पाकिस्तान व चीन के साझा प्रयास को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान व चीन ने पिछले साल सितंबर में सुरक्षा परिषद में बीएलए तथा मजीद ब्रिगेड को परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत प्रतिबंधित करने के लिए संयुक्त प्रस्ताव रखा था। बताया जाता है कि अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने इस महीने इस कोशिश पर लगाम लगा दी। ये तीनों देश सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार रखने वाले स्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि इफ्तिखार अहमद ने कहा था कि आईएसआईएल-के, अलकायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान में मौजूद पनाहगाहों से गतिविधियां चलाते हैं। अफगानिस्तान स्थित 60 से ज्यादा ऐसे आतंकी शिविर सीमापार से घुसपैठ और हमले कराने के लिए काम कर रहे हैं।

स्टोक्स को सीरीज से किया बाहर

जो रूट करेंगे कप्तानी; जोफ्रा आर्चर की भी हुई एंट्री

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और साथी गेंदबाज गस अटकिंसन के ऊपर नाइट क्लब मामले के बाद तलवार लटक रही है। इसी के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बीच दूसरे मुकाबले से पहले दोनों को टीम से बाहर कर दिया गया। स्टोक्स की जगह जो रूट को अंतरिम कप्तान बनाने की घोषणा की गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की तरफ से बुधवार (10 जून) को यह जानकारी शेयर की गई। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड इस बात की पुष्टि करता है कि मौजूदा जांच के चलते बेन स्टोक्स और गस अटकिंसन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। यह मुकाबला 17 जून से किया ओवल में खेला जाएगा। यॉर्कशायर के बैटर जो रूट टीम के अंतरिम कप्तान बनेंगे। ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और एसेक्स के जॉर्डन कॉक्स को भी स्क्वाड में जोड़ा गया है।'

बोर्ड ने दी थी जांच की जानकारी

सोमवार को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्ष्क्र) ने कहा था कि नाइट क्लब में हुए मामले को लेकर कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस अटकिंसन की जांच की जा रही है। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के न्यूजीलैंड को 115 रन से हराने के बाद यह मामला सामने आया था। बोर्ड ने इस मामले पर बयान जारी किया था। बोर्ड ने कहा था, 'ईसीबी अभी इस मामले में जांच कर रही है और पता लगा रही है कि टीम के प्रोटोकॉल (नियमों) का पहले टेस्ट मैच के बाद उल्लंघन हुआ है या नहीं।

बेन स्टोक्स और गस अटकिंसन इस मामले के दौरान नाइट क्लब में सोमवार की सुबह मौजूद थे। हम इस पर अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। जब सभी पुख्ता जानकारी मिल जाएंगी उसके बाद ही इस मामले पर कोई अन्य अपडेट दिया जाएगा।' न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा था, 'मुझे पता है कि अगर हम इस टेस्ट मैच को जीत नहीं पाते तो कितनी आलोचना होती। मैं अब अपने ब्वॉयस के साथ अच्छे से बीयर पीना चाहता हूं।'

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का स्क्वाड

जो रूट (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिन्सन, जेमी स्मिथ, जोश टंग।

महिला टी20 विश्व कप

सर्वाधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी

● ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी पहले स्थान पर

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 12 जून से हो रही है। इंग्लैंड में आयोजित हो रहा यह इवेंट टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण है। ऐसी कई खिलाड़ी हैं जो 2009 में शुरू हुए टी20 विश्व कप के पहले संस्करण का हिस्सा थीं और 2026 में होने वाले दसवें संस्करण का भी हिस्सा होंगी।

ऐसे में, आइए देखते हैं कि किन दस क्रिकेटरों ने महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

- ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी ने 2009 से 2024 के बीच कुल 47 मैच खेले हैं। इस दौरान 503 रन और 40 विकेट उनके नाम हैं। पेरी महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। पेरी 2026 टी20 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं।
- न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स महिला टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। बेट्स ने 2009 से 2024 के बीच 42 मैच खेले हैं और 1,216 रन बनाने के साथ ही 11 विकेट लिए हैं। बेट्स भी 2026 टी20 विश्व कप खेल रही हैं।
- ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान एलिसा हिली ने 2010 से 2024 के बीच 42 मैच खेले और 1008 रन बनाए। विश्व कप में सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह तीसरे स्थान पर हैं। हिली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुकी हैं।
- टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। 2009 से 2024 के बीच हरमन ने 39 मैच खेले हैं। वह 726 रन बनाने के साथ ही 11 विकेट ले चुकी हैं।
- न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन ने 2009 से 2024 के बीच 38 मैच खेले। उनके नाम 785 रन और 29 विकेट हैं। वह सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलवाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। सोफी संन्यास ले चुकी हैं।
- वेस्टइंडीज की शेमेन कैंपबेल ने 2010 से 2024 के बीच 36 मैचों में 333 रन बनाए हैं और 5 विकेट लिए हैं। वह सर्वाधिक मैच खेलने वालों की सूची में छठे स्थान पर हैं। वह आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- वेस्टइंडीज की डियांड्रा डॉटिन, स्टेफनी टेलर और ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। डियांड्रा डॉटिन ने 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 770 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं। डॉटिन आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- मेग लैनिंग ने 2012 से 2023 के बीच 35 मैचों में 992 रन बनाए। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 4 विश्व कप जिताने वाली लैनिंग संन्यास ले चुकी हैं।
- स्टेफनी टेलर 2009 से 2024 के बीच 35 मैचों में 1014 रन बनाने के साथ ही 33 विकेट ले चुकी हैं और आगामी विश्व कप का हिस्सा हैं।
- पाकिस्तान की निदा डार आठवें स्थान पर हैं। 2010 से 2024 के बीच 33 मैचों में उन्होंने 353 रन बनाने के साथ ही 28 विकेट लिए थे।
- श्रीलंका की चमारी अथापथु, दक्षिण अफ्रीका की शबनीम इस्माइल, और दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। अथापथु ने 2009 से 2024 के बीच 32 मैचों में 711 रन बनाए हैं और 13 विकेट लिए हैं।
- शबनम ने 2009 से 2023 के बीच 32 मैचों में 43 विकेट लिए हैं। कैप ने 2009 से 2024 के बीच 32 मैचों में 453 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं। दक्षिण अफ्रीका की ही क्लो ट्रायन दसवें स्थान पर है। 2010 से 2024 के बीच 31 मैचों में उनके 358 रन और 10 विकेट हैं।

फिफा विश्वकप 2026

विश्व कप में टूट सकते हैं ये 9 रिकॉर्ड

मेसी, रोनाल्डो और एमबाप्पे रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली। फुटबॉल इतिहास के कुछ महानतम खिलाड़ियों ने फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत से ही इस टूर्नामेंट पर अपनी बड़ी छाप छोड़ी है। इनमें से जहां कई रिकॉर्ड अब भी कायम हैं, वहीं 2026 टूर्नामेंट में कई रिकॉर्ड टूट सकते हैं। जैसा कि पिछले कई वर्षों से होता आया है, जब रिकॉर्ड की बात आती है तो लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो के नामों पर जरूर नजर रहती है। चाहे लंबी अवधि तक शानदार प्रदर्शन की बात हो या फिर शुद्ध प्रतिभा की, दोनों दिग्गज इस संस्करण में नए रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। वैसे इतिहास रचने की ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले खिलाड़ी सिर्फ यही दोनों नहीं हैं। इनके बाद सबसे बड़ा नाम किलियन एमबाप्पे का है, जबकि हैरीकेन और गुइलर्मो ओचोआ भी टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड- अगर कुछ असामान्य नहीं होता है तो यह रिकॉर्ड टूटना तय है, क्योंकि यह रिकॉर्ड अभी लियोनल मेसी के नाम है। लियोनल मेसी ने 26 मैच खेले हैं। इसका मतलब है कि अर्जेंटीना जब भी उनके साथ मैदान पर उतरेगा, यह रिकॉर्ड बढ़ता जाएगा।

विश्व कप में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत मैच जीतने का रिकॉर्ड- फुटबॉल को आमतौर पर व्यक्तिगत खेल के रूप में नहीं देखा जाता है, लेकिन यह देखना दिलचस्प हो सकता है कि फीफा विश्व कप में किन खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा मैच जीते हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले यह रिकॉर्ड मिरोस्लाव क्लोस के नाम है। उनके टीम में रहते जर्मनी ने विश्व कप में 17 मैच जीते हैं। उनका रिकॉर्ड टूट सकता है, क्योंकि लियोनल मेसी 16 जीत के साथ उनके काफी करीब हैं।

लगातार दो विश्व कप खिताब जीतने वाली टीम के कप्तान बनने का रिकॉर्ड

यह रिकॉर्ड सिर्फ मेसी तोड़ सकते हैं, क्योंकि अर्जेंटीना मौजूदा चैंपियन है। इतिहास में दो टीमें लगातार विश्व कप जीत चुकी हैं, लेकिन अलग-अलग कारणों से उनके कप्तान वही नहीं रहे। इटली की 1934 की खिताबी जीत के कप्तान जियामपिएरो कोम्बी थे। कोम्बी ने बाद में संन्यास ले लिया और कप्तानी ज्यूसेपे मेआज्जा को सौंप दी। 1958 में ब्राजील के कप्तान डिफेंडर हिल्डेराल्डो बेलिनी थे। देश की परंपरा के अनुसार केवल शुरुआती 11 में शामिल खिलाड़ी ही कप्तान बन सकता है, इसलिए 1962 में टीम में होने के बावजूद कप्तान मौरो रामोस थे।

विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड

यह शायद सबसे दिलचस्प रिकॉर्ड है जिस पर नजर रहेगी। फिलहाल यह रिकॉर्ड जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोस के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 16 विश्व कप गोल किए हैं। उन्हें मुख्य चुनौती देने वालों में लियोनल मेसी (13 गोल) और किलियन एमबाप्पे (12 गोल) के साथ शामिल हैं।

सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड- खिलाड़ियों के लंबे करियर की अवधि हाल के वर्षों में काफी बढ़ी है। इसका एक कारण खेल विज्ञान और तकनीक में हुई प्रगति भी है। यही वजह है कि लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो दोनों छठा विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं। गुइलर्मो ओचोआ को भी छठे टूर्नामेंट के लिए टीम में चुना गया, लेकिन उन्होंने 2006 और 2010 में कोई मैच नहीं खेला था। इस रिकॉर्ड में लोथार मैथ्यूज, एंटोनियो कार्बाजाल, राफेल मार्केज और आंद्रेस गुआरदादो भी शामिल हैं।

नॉकआउट मैच में गोल करने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी- इस रिकॉर्ड को कई खिलाड़ी चुनौती दे सकते हैं, क्योंकि पेपे ने जब 2022 में कतर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ राउंड ऑफ 16 मैच में गोल किया था, तब उनकी उम्र 39 साल 283 दिन थी। इस संस्करण में कई बड़े नाम ऐसे हैं जो इसे तोड़ सकते हैं। इनमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लुका मोड्रिच और एडिन जेको शामिल हैं।

विश्व कप फाइनल में सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी

गोलकीपर ऐतिहासिक रूप से वह पोजीशन रही है जहां खिलाड़ी ज्यादा उम्र तक खेलते रहे हैं, लेकिन अगर सिर्फ आउटफील्ड खिलाड़ियों पर ध्यान दें तो निल्टन सैंटोस का नाम सबसे ऊपर आता है। ब्राजील के दिग्गज लेफ्ट बैक ने 1962 में 37 साल और 32 दिन में टीम के लिए फाइनल खेला था। मेसी और रोनाल्डो इस रिकॉर्ड को तोड़ने वाले सबसे संभावित नाम हैं, जबकि ओटामेंडी को इसके लिए मेसी की अनुपस्थिति जैसी स्थिति की जरूरत होगी।

फीफा वर्ल्ड कप में दिखेगा भारतीय मूल के 4 खिलाड़ियों का रहेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026: भारतीय फुटबॉल फैंस वर्षों से अपनी नेशनल टीम के फुटबॉल वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देख रहे हैं. हालांकि उनका या सपना कब पूरा होगा इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन बतौर खिलाड़ी भारतीय फैंस का ये सपना पूरा होने वाला है. क्योंकि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में चार भारतीय मूल के खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। ये चारों खिलाड़ी भले ही अपने-अपने देश - न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कतर और डीआर कांगो के लिए खेलेंगे, लेकिन साथ ही वो भारतीय विरासत की झलक भी दिखाएंगे. यह चार खिलाड़ी - सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्ले और तहसीन मोहम्मद हैं. आइए इन चार खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं।

तहसीन मोहम्मद जमशेद (कतर) - 19 साल के तहसीन मोहम्मद का जन्म कतर की राजधानी दोहा में हुआ. हालांकि उनके माता-पिता केरल के कन्नूर से हैं. जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे. खास बात यह है कि जमशेद फीफा वर्ल्ड कप में खेलने वाले पहले भारतीय पासपोर्ट धारक हैं. उनके पास भारतीय पासपोर्ट और कतर का खास 'मिशन पासपोर्ट' दोनों हैं।तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे. तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने. अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया. उन्होंने जिम्बाब्वे (2025) और आयरलैंड (2026) के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में भी हिस्सा लिया है. लेकिन उन्होंने अभी तक कोई गोल नहीं किया है।

सरप्रीत सिंह - न्यूजीलैंड की टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलेगी. इस टीम में सरप्रीत सिंह भी शामिल होंगे, जिनका संबंध भारत के पंजाब से है. 27 साल के सरप्रीत सिंह का जन्म न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता पंजाबी मूल के हैं. वह न्यूजीलैंड की टीम के लिए अटैकिंग मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 24 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और तीन गोल किए हैं. सरप्रीत ने 2017 और 2019 फीफा अंडर-20 विश्व कप में भी न्यूजीलैंड के लिए खेले थे।

निशान वेलुपिल्ले - निशान वेलुपिल्ले की मां एंग्लो-इंडियन और पिता श्रीलंकाई मूल के तमिल हैं. 25 वर्षीय वेलुपिल्ले मेलबर्न विक्ट्री के लिए खेलते हैं. उनका जन्म और पालन-पोषण मेलबर्न में हुआ. निशान अब 26 सदस्यीय टीम के उन 17 खिलाड़ियों में से एक हैं जो फीफा विश्व कप में अपना पदार्पण करेंगे. उन्होंने अक्टूबर 2024 में विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया. तब से लेकर अब तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात मैच खेले जिनमें उन्होंने तीन गोल किए हैं।

इंडिया ए ने अफगानिस्तान को दिया था 349 रन का लक्ष्य

वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

दांबुला (एजेंसी)। इंडियाए और अफगानिस्तान, श्रीलंका में खेले जा रहे ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में आमने सामने हैं. दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ए ने 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाए हैं. जिसमें वैभव (44), प्रभसिमरन (84), गायकवाड़ (66), तिलक वर्मा (66) और शेगडे (40) ने अहम पारियां खेलीं. वहीं अफगानिस्तान की तरफ से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 और फरमानुल्लाह ने 3 विकेट हासिल किए। बारिश रुकने के बाद मैच दोबारा शुरू हो गया था, लेकिन छ्रस्र् की वजह से अब अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 रनों का टारगेट मिला है. भारत ने 49 ओवर में 9 विकेट पर 349 रन बनाए थे।